# HRA की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 8, 1980 (फाल्गुन 18, 1901)

No. 101

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 8, 1980 (PHALGUNA 18, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 28 दिसम्बर 1979

सं० ए० 35014/1/79-प्रभा० II— संघ लोक सेवा भायोग के के० स० से० संवर्भ के स्थायी भ्रनुभाग ग्रिधिकारी श्री जी० पी० सक्सेना को, सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा 9 नवम्बर, 1979 से तीन मास की श्रवधि के लिए श्रथवा नियमित नियुक्ति किए जाने तक, जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी (विशेष-गोपनीय) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

भ्रनुभाग श्रिष्ठिकारी (विशेष गोपनीय) के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री जी० पी० सक्सेना का वेतन विश्त मंद्रालय व्यय विभाग के समय-समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई०III-/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के भ्रनुसार विनियमित होगा।

#### दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए० 35014/1/79-प्रणा० II—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० मे० संवर्ग के निम्निलिखित दो स्थायी प्रनुभाग अधिकारियों को. सचिव, स्घ लोक सेवा आयोग द्वारा 11-1-1980 से 29-2-1980 तक की अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों 1-486GU79

तक, जो भी पहले हो, प्रत्येक के सामने निर्विष्ट पदों पर तक्कं आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

- श्री जे० एस० साहनी—प्रनु० प्रधिकारी (विशेष-परीक्षा संवीक्षा तथा समन्वय)
- 2. अनुभाग श्रिधकारी (विशेष) के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप सर्वश्री जे० एस० साहनी और एव० एम० विश्वास का वेतन वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय-समय पर यथा-संशोधित का० जा० सं० एफ० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन, अवर सचिव कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी 1980 मं० 12026/1/79-प्रशा० II--संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16·10·1979 के अनुक्रम

(2619)

में सं० लो० से० धा० में के० स० से० संवर्ग के स्थायी ध्रतुभाग प्रिष्ठिकारी श्री यणराज गांधी को, अध्यक्ष, संघ लोक मेवा ग्रायोग द्वारा 11-10-1979 से 3 वर्ष की ध्रविध के लिए (1-1-80 से 15-1-1980 तक की इस ध्रविध सहित, जो तदर्थ ग्राधार पर मानी गई थी) श्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लौक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में प्रतिनियुवित पर स्थानान्तरण पर रू० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में प्रशासनिक श्रिष्ठिकारी के पद पर नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुवत किया जाता है।

2. श्री यणराज गांधी प्रणासिक श्रधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के परिणासस्वरूप विक्त मंत्रालय के समय-समय पर यथा-संगोधित का० झा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनोक 4-5-1961 की गतों के श्रनुसार 10 प्रतिणत की दर से प्रति-नियुक्ति ड्यूटी भत्ता जो श्रधिक से श्रधिक इ० 100-/ होगा तथा साथ में के० स० से० के श्रनुभाग श्रधिकारी के श्रपने स्थायी पद पर मूल वेतन प्राप्त करेंगे।

> एस० बालचन्द्रन, ग्रवर सचिव (प्रशा०) कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1980 सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा भ्रायोग में के०स०स्टे०से० संवर्ग के निजी सचिव श्री एन० के० सोनी को, राष्ट्रपति द्वारा 4-1-1980 से 29-2-1980 तक की श्रवधि के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डैस्क ग्रधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एन० कें० सोनी को कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 12/1/74-सी० एस० (I) दिनांक 11-12-1975 की शर्ती के श्रनुसार रू० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन मिलेगा।

एस० बालचन्द्रन, अवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघलोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा भायोग के संवर्ग में निम्निलिखित चयन ग्रेड वैयितिक सहायकों (ग्रेड सी)/वैयिक्तिक महायकों (के० म० स्टे० सेवा का ग्रेड सी०) को उनके सामने दी गई तारीखों से उसी संवर्ग में विरुठ वैयितिक सहायकों (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड बी०) के पदों पर विशुद्धतः भ्रनंतिम, ग्रस्थायी भ्रीर तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:

क्रम सं०	नाम	नियमित श्राधार पर धारित पद	पर तदर्थ नियुक्ति	
1	2	3	4	5
1: 2:	सर्वश्री एस० पी० मेहरा श्रो० पी० देवरा	ग्रेड सी स्टेनो- वैय	वरिष्ठ क्तिक	1-1-80 से

1	2	3	4	5
	सर्वेशी			
3.	हुकम चन्द	ग्राफरों हेत्	सहायक	29-4-80
4.	एच० सी० कटोच	स्थाना-	(के० स०	. तक
		দন্ন	स्टे० से०	या
		चायन	का	ग्रागामी
		ग्रेड श्रौर		भ्रादेशों
		के० स०	बी)	तक जो
		स्टे०		भी
		सेवा		पहले
		के		हो
		स्थायी		
		वैयक्तिक		
		सहायक		
		(ग्रेड सी)		
5.	टी० श्रार० शर्मा	–वही–	वही	
				से
			2	23-2-80
				तक या
				प्रागामी
				श्रादेशों
				तक जो
				भी पहले
				हो
6.	के० एस० भूटानी	स्थायी	वहीं	1-1-80
		वैयक्तिक		से
		सहायक		8-1-80
		(के० स०		तक
		स्टे० से०		
		काग्रेड		
		सी'०)		

2. उपर्युक्त व्यक्ति क्रुपया नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (कें व्यक्ति स्टें से का ग्रेड बी ) के रूप में उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी ग्रौर तदर्थ ग्राधार पर है इससे उन्हें के व्यवस्था के ग्रेड बी । में विलयन या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का हक् प्राप्त नहीं होगा।

#### दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० ए० 19017/7/79-प्रणा० 1—जोनिंग स्कीम के प्रधीन के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख' में पदोक्तिंग हेनु कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (सूचना और प्रसारण मंत्रालय का के० स० स्टे० से० ग्रेड 'ग') श्री तरमेम सिंह के नामित किए जाने के फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा उन्हें 9 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म से प्रागामी ग्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग में के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख' में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर पूर्णतः ग्रस्थायी श्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर श्री तरसेम सिंह की नियुक्ति इन गर्तों पर होगी कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड 'ख') की चयन सूची में सम्मिलत या सम्मिलित किए जाने के लिए अनुमोदित श्रिधकारी के उस पद पर नियुक्ति के लिए उपलब्ध होने पर जिस पर उनकी नियुक्ति की गई है, उन्हें के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड 'ग' में प्रत्यावर्तित किया जाएगा।

एस० बालचन्द्रन, ग्रवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

# नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 फरवरी, 1980

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा० I— संघ लोक सेवा म्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित म्रिधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट प्रविध के लिए म्रयवा म्रागामी म्रादेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के ग्रेड I में म्रवर सिचव के पद पर तदर्थ म्राधार पर स्थानापम रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	श्रवधि
1	2	3
1.	श्री पी० सी० माथुर; स्रनुभाग ग्रधिकारी	24-1-80 से 29-2-80 तक
2.	श्रीटी०एम० कोकल, के <b>०</b> स०स्टे०से०का ग्रेड <sup>'</sup> क' श्रधिकारी	26-12-79 से 29-2-80 तक
3.	श्री एस० श्रीनिवासनः, ग्रनुभाग श्रधिकारी	4-1-80 से 7-1-80 तक
4.	श्री डी० पी० राय, भ्रनुभाग श्रक्षिकारी	28-12-79 से 7-1-80 तक

सं० 32013/3/79-प्रणा० I—संघ लोक सेवा श्रायोग की समसंख्यक श्रिंघमूचना दिनांक 27-11-1979 और 11-1-1980 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड I श्रीधंकारी श्री बी० दास गुप्ता को उजनवरी, 1980 से तीन मास की अतिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 32013/4/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रविध के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 में ग्रवर

सचिव के प		ने कार्य करने के लिए नियुक्त
ऋ० सं०	नाम	म्नवधि
1	2	3
	ी० बी० मेहरा, के० से श्से०,काग्रेड 'क' ग्रक्षिका	
	ी० एस० कपूर, ०  श्रधिकारी	1 3-1-80 से 20-2-80 तम
	गर० एन० खुराना, ० प्रधिकारी	21-2-80 से 29-2-80 तक
	ती भवानी थ्यागराजन, ,० श्रधिकारी	14-12-79 से 29-2-80 तक
कें	र्म० ए० गणपति दास स० स्टे० से० का ग्रेड 'व धेकारी	21-12-79 से 29-2-80 5' तक

# दिनांक 4 फरवरी, 1980

सं० ए० 32014/1/79-प्रणा० III--संघ लोक सेवा प्रायोग में के० स० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट प्रविध के लिए प्रथवा प्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ प्राधार पर प्रमुभाग प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:---

क्रम सं०	नाम	श्रनुभाग म्रधिकारीके पदपर पदोक्तिकी ग्रवधि
1	2	3
1.	श्री कृष्ण कुमार	1-1-80 से 29-2-80 तक
2.	श्री प्रार० पी० शर्मा	–वहीं–
3.	श्री एस० डी० एस० मिन्हास	वही
4.	श्री जे० एल० सूद	<b>–वही</b> –
5.	श्री जी० पी० भट्टा	–वही∵-
6.	श्री एस० एन० घोष	-बही-
7.	श्री स्रो० पी० कथूरिया	∽वही–
8.	श्री राजेन्द्र सिंह	-वही
9.	श्री ग्रो० पी० कोटिया	-वही-
10.	श्री एस० एन० पंडित	<del>-</del> वही
11.	श्री एम० एस० भ्रसनानी	–वही-–
12.	श्री कृष्ण लाल 1	<b>–वही</b> –
13.	श्री रैमल दास	8-1-80 से 29-2-80 तक

# दिनांक 7 फरवरी, 1980

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एम० इब्राहीम युसुफ को, राष्ट्रपति द्वारा 8-1-80 से 29-2-1980 की अवधि के लिए श्रथवा भ्रागाभी श्रावेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में भनुभाग प्रधिकारी के पद पर तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III— संघ लोक सेवा मायोग में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री बी० छी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 8-1-1980 से 29-2-1980 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, लोक संघ सेवा आयोग के कार्यालय में डेंस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री बी॰ डी॰ शर्मा को कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं॰ 12/1/74-सी॰ एस॰  $(^{\rm I})$  दिनाक 11-12-1975 की शर्तों के श्रनुसार २० 75/- प्र॰ माह की दर पर विशेष वेतन मिलेगा।

यशराज गांधी, प्रजासनिक मधिकारी कृते अवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

## केन्द्रीय सतर्कता भायोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० 10 धार० सी० टी० 2- केन्द्रीय सतकता भायुक्त एतद्द्वारा श्री एच० एस० राठोर, स्थायी सहायक को 14 फरवरी, 1980 से 13 मई, 1980 तक या भगले भादेश तक, जो भी पहले हो भायोग में भनुभाग भिकारी स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होला, स्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता शायुक्त

# गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० ए०-19027/2/78-प्रमा० 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाव से श्री एस० सी० मित्तल, स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो जो आजमल केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला में तदर्थ आधार पर स्थानापन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (दस्तावेज) हैं, को दिनांक 14-6-78 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश तक के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (दस्तावेज), केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> की० ला० ग्रोवर, प्रणासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरी

# महानिरोक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० ई०-33013/1/79-कार्मिक—त्यागपत्र स्वीकृत होने पर, श्री बी० पी० जी० थत्ते ने 14 जनवरी, 1980 के ग्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट बालको कोरबा (म० प्र०) के कमांडेन्ट के पब का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/(3)/12/79-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री डी० सी० राय ने 18 जनवरी, 1980 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारों के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० ई०-38013/(2)/79-कार्मिक—सागर को स्थानांत-रित होने पर लै० कर्नल डा० एस० मंगत ने 11 जनवरी, 1980 के अपराह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, अरिया के कमांडेन्ट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ह०/- अपठनीय महानिरीक्षक के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 11/37/79-प्रशा० 1---राष्ट्रपति, ग्रान्ध्र प्रवेश सिविल सेवा के श्रिधिकारी श्री जी० श्रीनिवास राव को ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 19 जनवरी, 1980 के ग्रपराह्न से श्रगले श्रावेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्त-रण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० 24/12/73-म० पं० (प्रशा० I)—राष्ट्रपति, भ्रसम सिविल सेवा के भ्रधिकारी श्री भ्रजीत कुमार बड़काकोटी को ग्रसम, गोहाटी में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 24 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले भ्रादेशों तक प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्य नियुक्त करते हैं।

श्री बड़काकोटी का मुख्यालय गोहाटी में होगा।

सं० 25/39/73-म० पं० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 13 विसम्बर, 1978 की सम-संख्यांक प्रधिसूचना के अनुक्रम में, नई दित्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्देषक (सामाजिक अध्ययन) के पद पर कार्यन्त श्री इ० रामस्वामी की उसी कार्यालय में अनुसंधान श्री धकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर नियुक्ति को 30 जून, 1980 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी समय इनमें पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वर्तमान शर्ती पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री रामस्वामी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा । पी० पद्मनाभ, भारत के सहा पंजीकार

# श्रम मंबासय (सम न्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 5 मार्च 1980

सं• 23/3/-80सी• पि० आई०--जनवरी, 1980 में बीद्गीगिक श्रमिकों का अखिल मारतीय अपनोक्ता मूह्य त्वाका (आवार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1979 के स्तर से 3 अंक घट कर 371 (तीन सौ इक्कहत्तर) रहा है। जनवरी 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 451 (चार सौ इक्कावन) आताहै।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज, संयुक्त निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार—प्रथम, प० बंगाल कलकत्ता-1, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० प्रशा० 1/947-III/3852—-महालेखाकार-प्रथम, इस कार्यालय/कार्यालय महालेखाकार दिसीय पं० बंगाल/कार्यालय लेखा-परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय, कलकत्ता के निम्नलिखित स्थाना-पन्न लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से लेखा अधिकारियों के ग्रेड पर मौखिक रूप से नियुक्त करते हैं:

ऋमांक 	नाम	पुष्टिकरण की तारीख
1	2	3
1.	श्री गुरु प्रसाद बसुराय	1-3-1975
2.	श्री सुधेन्दुनाय भट्टाचार्य	1-5-1978
3.	श्री गचीन्द्र नारायण दास	1-5-1978
4.	श्री सन्तोष कुमार बनर्जी	16-9-1978
5.	श्री सुणील कुमार सिन्हा	1-10-1978
6.	श्री ग्रनिल कुमार सेन	16-1-1978
7.	श्री सुनित कुमार सेन	1-1-1979
8.	श्री दिलीप कुमार सेन गुप्त	1-2-1979
9.	श्री ग्रजित कुमार केले	1-3-1979
10.	श्री सत्यरंजन कर	1-4-1979
11.	श्री गुरुप्रसाद राय	1-8-1979
12.	श्री परिमल घोष	1-10-1979
13.	श्री भ्रम्रेन्द्रनाथ चक्रवर्ती	1-10-1979
14.	श्री निर्मलेन्दु चटर्जी	1-11-1979

1	2	2
15.	श्री ब्रजगोपाल घोषाल	1-12-1979
16.	श्री हीरेन्द्र कुमार घोष	1-12-1979
17.	श्री जय नारायण मुखर्जी	1-12-1979
18.	श्री गोबिन्द पद जोयादीर	1-12-1979

सुधा राजागोपालन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार प्रशा०

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० 5186/ए०/प्रशासन/130/79—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, अधीनस्य, लेखा मेवा के स्थायी श्री के० एस० सूरियन्तारायणन को, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्वी कमान, पटना, में दिनांक 24/1/80 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में भ्रगले भादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० वास भौमिक, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

# रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 28012(12)/78/प्रशा-I (क० प्र० ग्रे०)— राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- श्रीमती लक्ष्मी राजाराम भण्डारी---17 दिसम्बर, 1979 (पूर्वास्त्र) ।
- 2. श्री विनोद कुमार मिश्रा—10 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न)।
  - 3. श्रीज्ञान प्रकाश--- 3 विसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न)।

सं० 68018(2)/71/प्रमा०-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रमासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी झादेश पर्यन्त "झनुकम नियम" के अधीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री ए० बी० निरंजन राव—08 जनवरी, 1980। (वित्त एवं लेखा श्रधिकारी रक्षा श्रनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला हैंदराबाद (श्रनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली)।
- (2) श्री तेज राम नैयर 03 दिसम्बर, 1979 (वित्तीय, उप सलाहकार, रक्षा उत्पादन विभाग (समेकित वित्त) रक्षा मंत्रालय, नई विल्ली।

के० पी० राव, रक्षा लेखा भ्रपर महानिदेशक (प्रसा०)

## रक्षा मंत्रालय

# डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा ग्रार्डनेंन्स फैक्टरी बोर्ड,

कलकत्ता-700069, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं॰ 2/80/ए॰/ई॰ I (एनजी)--- वार्बक्य निवृत्ति प्रायुप्राप्त कर, निम्नलिखित प्रधिकारीगण दिनांक 31-1-80 (प्राराह्म) सेवा निवृत हुए।

- श्री प्रतोद्यन्द्र राय, मौलिक एवं स्थायी सहायक, श्रस्थायी सहायक स्टाफ अफसर।
- श्री नारेन्द्र नाथ भोष, मौलिक एवं स्थायी सहायक, श्रस्थायी सहायक स्टाफ श्रफसर।
- श्री सन्तोष कुमार सेन, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर।
- श्रीमती ज्योत्सना सेन, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी सहायक स्टाफ भ्रफसर ।

डी०पी० चक्रवर्ती, ए०डी० जो० ग्रो० एफ० (प्रशासन) इते महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

# भारतीय ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्टरियां

क न हता-700016, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 5/80/जी०--राष्ट्रपति, श्री एम० एस० रन्ग-नाथन को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 29-12-1979 से नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 8 फरवरी, 1980

सं० 6/80/जी०---राष्ट्रपति, श्री भ्रानिल कुमारको सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 से नियुक्त करते हैं।

सं० 1/80/जी०——वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ग्राई० बि० डि० गुप्त स्थानापन्न डि० एम० मौलिक एवं स्थायी एफ० एम० दिनांक 31-7-1979 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

## दिनांक 11 फरलरी 1980

सं० 3/जी०/80 → राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित भ्रधि-कारियों को स्थानापन्न जप-प्रबन्धक/डी ए० डी० जी० स्रो० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, श्रागामी ग्रादेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री रमन गम्बर, सहायक प्रबन्धक (परखायिध)— 23 श्रकतुवर, 1979।
- (2) श्रो प्रकाश नारायण, सहायक प्रबन्धक (परखाविध) --- 23 ग्रक्तूबर, 1979।

- (3) श्री एस० ग्नार० ग्रगरताल, सहायक प्रवन्धक (परखाविध)—23 ग्रक्तूबर, 1979।
- (4) श्री के० एस० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परखावधि), — 23 श्रक्तूबर, 1979।
- (5) श्री ए० के० शुक्ला, सहायक प्रबन्धक (परखास्छि), ---- 23 प्रक्तूबर, 1979।
- (6) श्री राजिन्दरकुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) — 23 प्रक्तूबर, 1979।
- (7) श्री शहाब श्रहमद, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) --- 23 श्रक्तूबर, 1979।
- (9) श्री एस० सी० मलहोला,सहायक प्रबन्धक (परखावधि) — 23 श्रक्तूबर, 1979।
- (10) श्री बी०मी० मंडल,सहायक प्रमन्धक (परखावधि), ----23 श्रक्तूबर, 1979।
- (11) श्री एस० नरसिम्हम, सहायक प्रवन्धक (परखाविध) --- 23 प्रक्तूबर, 1979।
- (12) डा॰ राम सनेही, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ---23 श्रक्तूबर, 1979।
- (13) श्री मार० मार० यादव, सहायक प्रबन्धक (परखाविध) — 23 म्रक्तूबर, 1979।
- (14) श्री भ्रार० के० शर्मा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) —-23 श्रक्तूबर, 1979।
- (15) श्री एस० के० डोगरा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ----23 श्रक्तूबर, 1979।
- (16) श्रीएच०एस०सागर,सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ---23 प्रक्तूबर, 1979।
- (18) श्री एस० के॰ बसु, स्थानापन्न टी॰ एस॰ श्रो०---1ली नवम्बर, 1979।
- (19) श्री वी० राजारमन्, सहायक **प्रबन्ध**क **(परखावधि)** ——1ली नवम्बर, 1979।
- (20) श्री स्रो०पी० मिश्र, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) ----1ली नवम्बर, 1979।
- (21) श्री टी० ग्रार० ए० राव, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक ---1ली नवस्वर, 1979।
- (23) डा० डी० वी० ए ग० रेव≀त, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवस्वर, 1979।
- (24) श्री ए० के० बोस, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)— 1ली नवम्बर, 1979।

- (26) श्री जे०के० लाहिरी, सहायक प्रबन्धक (परखाविध) — 1सी जनवरी, 1980 ।
- (27) श्री एस॰ के॰ बेरी, सहायक प्रवन्धक (परखाविध) — 1सी जनवरी, 1980।
- (28) श्री भाई॰ एन॰ दत्त, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) --- 1ली जनवरी, 1980 ।
- (30) श्री एस०के० सरखेल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) → 1सी नवस्बर, 1979 ।

#### दिमांक 12 फरवरी 1980

सं० 2/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित ग्रधि-कारी को स्थानापन्न संयुक्त महा प्रबन्धक (महा-प्रबन्धक ग्रेड 1 में) के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, ग्रागामी श्रादेश हीने तक नियुक्त करते हैं:—

श्री एम० पी० रामामूर्ति, स्थानापक्ष — दिनांक 15 अक्तूबर, 1979 (उप-महा अक्ष्मक)।

बी० के० मेहता, सहायक महा निदेशक, आर्डनैंस फैक्टरियां

वाणिज्य, एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1980 आयात-नियौत ख्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1298/79-प्रशासन (राज) /893—-राष्ट्रपित, विस्त मंद्रालय, राजस्व विभाग के मूल्य निरुपक श्री कें विश् कुन्ही कुष्णन को इस कार्यालय में 1 प्रक्तूबर, 1979 से ग्रीर श्राण 6 महीने की श्रवधि के लिए या जब तक पद को नियमित रूप से गरा जाए इस में जो भी पहले हो, के लिए उप निदेशक (ग्रुंक वापसी) के रूप में विद्यमान नियम एवं शती पर प्रतिनियुक्त ग्राधार पर नियुक्त करते ह

ओ० एन० आनन्द, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

सं० 6/1307/79-प्रशासनं (राज०)/912--राष्ट्रपति, विस्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में केन्द्रीय आवकारी अधीक्षक ग्रेड 'वी' श्री सी०पी० मल्होत्रा को वर्तमान गर्तों पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर 9 जनवरी, 1980 से 6 महीनों की और अवधि या जब तक पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति नहीं होती इनमें जों भी पहले हो, के लिए इस कार्यालय में सहायक निदेशक (शुल्क वापसी) के रूप में नियक्ति करते हैं।

स्रो० एत० श्रानन्द, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्मात

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं॰ 6/313/55-प्रशासन (राज०)/886---संयुक्त मुख्य नियंत्र प्रायात-निर्यात के हैदराबाद के कार्यालय के नियंत्रक श्री ए० ई० टालवाकर, जो निलम्बित थे उन्हें सेवा निर्वतन आयु होने पर सरकारी सेवासे 31-1-1980 (अपराह्म) से निवृत होने की अनुमति दी जाती है।

> सी॰ एस॰ ग्रार्य, उप-मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात, कृते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

#### उद्योग मंत्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास स्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 फरवरी 1980 सं० ए०-19018(413)/79-प्रशासन (राज०)—-राष्ट्रपति, श्री लैम्बर्ट जोसेफ को दिनांक 2 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्म)से ग्रगले ग्रादेशों तक विस्तार केन्द्र, कालीकट (लघु उद्योग सेवा संस्थान, क्षिचूर के ग्रधीन) में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांविक) नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त, उप-निदेशक (प्रशा०)

# पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं • ए०-32013/6/79-प्र • 6---राष्ट्रपति, सहायक निवेशक निरीक्षण (धानु) श्री एस० सी० दत्त को दिनांक 2-9-78 के पूर्वाह्म से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए०' के ग्रेड III धात कर्भशाखा में नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री दश्त दिनांक 2-9-78 से दो वर्ष की ग्रवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगें।

## दिमांक 7 फरवरी 1980

सं० प्र० 6/247(28)/60—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी) श्री ए० चक्रवर्ती को दिनांक 15-1-1980 (पूर्वाह्न) से ग्रीर ग्रामामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए०, इंजीनियरी जाखा के ग्रेड III) के रूप में नदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती ने सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी) का पदभार छोड़ दिया श्रीर विनांक 15-1-1980 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

#### दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० ए० 17011/158/79-प्र० 6—राष्ट्रपति, निदेशक प्रयोगशालाएं, केन्द्रीय एग्मार्क प्रयोगशाला, नागपुर के कार्यालय के सहायक निदेशक (फाइबर) श्री सुन्दर लाल के संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा चुने जाने पर उन्हें दिनांक 17-1-80 (पूर्वाह्न)... से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक जिरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप, ए वस्त्र शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानपन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर, उप निदेशक

### इस्पात खान श्रीर कोल मंत्रालय

(खान विभाग)
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1980

सं० ए० 19011/31/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री ए० एल० गोपालाचारी, वर्तमान प्रमुख खनिज श्रर्थशास्त्री तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से प्रमुख खनिज श्रर्थशास्त्री के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 7-1-1980 के श्रपराह्न से श्रगले ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19012/117/79 स्था० ए० संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री राम अमृत मनीयन, कनिष्ठ लेखा श्रिष्ठकारी, वेतन श्रीर लेखा विभाग भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्र, नागपुर को दिनांक 29-9-79 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन ग्रिष्ठकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19012/123/80-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नित सिमिति की सिफारिश पर श्री एम० व्या० फजा वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को स्थानापन्न सहायक श्रनु-सन्धान श्रिषकारी (श्रयस्क प्रसाधन) के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 18 जनवरी 1980 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक पदोन्नित प्रदान की जाती है।

एल० बालागोपाल कार्यालय म्र<mark>घ्य</mark>क्ष

# नागपुर, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० ए-19011/12/70 स्था० ए० — विभागीय पदोन्नति सिमिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एस० बालागोपाल, स्थाई क्षेत्रीय खान नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो को स्थानापन्न रूप में खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो के पद पर दिनांक 21-1-80 प्रपराह्म से पदोन्नती प्रदान की जाती है।

ए० ग्रार० कण्यप प्रशासन श्रधिकारी

भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण

## भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 फरवरी 1980 सं० 4-168/79/स्था०—-निदेशक, भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण, श्री एन० एन० सेनगुष्त को ग्रस्थाई ग्राधार पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से प्रागामी प्रावेश दिए जाने तर्क इ.स. सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, णिलांग में सहायक रक्षक के पद पर नियक्त करते हैं।

> एन० भार० माईच, प्रशासनिक मधिकारी

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, विनोक 11 फरवरी 1980

सं० ए० 12026/3/79-(सी० झार० धाई०)/प्रशासन--राष्ट्रपति ने केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थान, कसौली के उप
सहायक निवेशक (गैर चिकित्सीय ) डा० जी० सरन को 29
नवम्बर, 1979 पूर्वाह्म से प्रागामी धादेशों तक उसी संस्थान में
सहायक निवेशक (गैर-चिकित्सीय) के पद पर श्रस्थायी धाधार पर
नियुक्त किया है।

शाम् लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

# प्रामीण पुनिर्माण मन्द्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० ए० 1925/7/80-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग बी) की संस्तुतियों के ग्राधार पर श्री ग्रार० जे० नथा-नियाल, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के ग्राधीन बम्बई में स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रिधिकारी दिनांक 11-1-80 (पूर्वाक्ष) से ग्रगले ग्रादेशों तक नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-1925/30/79-प्र० तु०—सय लाक सवा श्रायोग की संस्तुतियों के ग्राधार पर श्री राम राज सिंह राठौर को इस निदेशालय के ग्राधीन भोपाल में स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रिक्षकारी दिनांक 28-1-80 (पूर्वाह्न) से ग्रागले ग्रादेशों तक नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार, प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्च हैंदराबाद-500762, दिनांक 3 जून 1979 आयेश

सं० एन० एफ० सी०/पी० ए०-5/20/1076—जब कि श्री बी० पी० श्रीवास्तव, कारीगर 'सी', जेड ० एफ० सी०, एन० एफ० सी०, दिनांक 17-12-78 से उन्हें स्वीकृत 20 दिनों की छुट्टी समाप्त होने पर वे 6-1-79 को ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे,

स्रोर जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव को ड्यूटी पर तुरन्त लौटने के निवेश वाले तार उनके स्थानीय ज्ञात पते तथा स्थायी पते पर 17-2-79 को भेजे गए, भीर जब कि उस्त की भीवास्तव बयूटी से निरम्तर सनु-पस्चित रहे,

श्रीर जब कि श्री श्रीवास्तव के स्थानीय व स्थायी पतों पर एक ज्ञापन सं० एनएफसी/पीए-II/बी-60/जेडएफसी/795 विनांक 17-2-79 भेज कर सूचित किया गया कि यदि वे इप्टी पर तुरन्त न लौटें तो उनके खिलाफ उपयुक्त अमुशासनिक कार्मवाही की जाएगी,

श्रीर जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त शापन जो उक्त श्री श्रीवास्तव के स्थानीय पते पर रिजस्ट्री पावती डाक द्वारा भेजा गया था, वह डाक अधिकारिकों द्वारा टिप्पणी "बी० पी० श्रीवास्तव श्रपनी माताही (जो कि में है) से मिलने के लिए श्रपने मूल निवास स्थान चले गए व एक महीने बाद लौटेंगे" के साथ वितरित किए बिना लौटा दिया गया,

भीर जब कि विनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो उनके बिहार में कुल नगर भेजा गया वह भी टिप्पणी "इस पते वाला बिना पता बताए चला गया है झतः भेजने बाले को लौटाया जाता है" के साथ बितरित किए बिना लौटा विया गया,

ग्रीर जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव निरन्तर भनुपस्थित रहे तथा एन० एफ० सी० को उनका श्रता पता बताने में ग्रसफल रहे,

ग्रीर जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव खुब्टी समाप्त होने पर इय्टी पर न लौटने तथा ग्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के ग्रपराधी हैं,

भीर जब निएन० एफ० सी० की भपना भता पता बताए बिना इनके द्वारा भपनी मर्जी से सेवा का परिस्थान करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे सन्तुष्ट हैं कि एन० एफ० सी० के स्थापी भादेशों के पैरा 41 के प्रावधानों के भनुसार जांच मा-योजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

ग्रीर जब, इसलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता, परमाणु ऊर्जी विभाग के भ्रादेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-70 के साथ पठित एन० एफ० सी० के पैरा 41.8 तथा सीसीएस (सीसीए) 1965 के नियम 19 (11) के साथ पठित एनएफसी के स्थायी भादेशों के पैरा 42 में प्रदत्त ग्रीधकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री श्रीबास्तब को तत्काल प्रभाव से सेवा से ग्रलग करते हैं।

एन० कोण्डल राव मुख्य कार्यपालक

राजस्थान परमाणु विश्वत परियोजना मणुशक्ति, दिनांकः 12 फरवरी 1980

सं० रापविष/भर्ती/10 (2)/80/स्था/283---राजस्थान परमाणु विश्वत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायी लेखाकार श्री के० के० सुत्रमञ्ज्ञहम् को राजस्थान परमाणु विश्वत परियोजना में ही तारीख : 27-11-79 2-486GI/79

के पूर्वाह्म से घागामी घावेश तक घस्यायी तौर पर सहायक लेखा अक्षिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> गोपाल सिंह प्रशासन श्रधिकारी (स्थापना) नास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० प० ख० प्र०/2/2933/79-प्रशासन—श्री हिमाद्री घोष द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रिभियन्ता ग्रेड एस० बी० के श्रस्थायी पद से दिया गया त्याग पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 2 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

> एम० एस० **रीय** वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रीधकारी

पर्यटम तथा नागर विमानन मन्द्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई बिल्ली-3, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० ए० 32013 (11)/4/79-ई० माई० 1—राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानियों (ग्रेड-II) को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से धगला भादेश मिलने तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी ग्रेड 1 के रूप में नियुक्त करते हैं।

3. श्री रबीन्द्र नाथ 29-12-79 4. श्री भूकन साल 29-12-79 5. डा॰ ग्रार० के॰ दूबे 29-12-79 6. श्री एस॰ ग्रार० कलसी 29-12-79 7. श्री जयपाल 29-12-79 8. श्री ग्रार० सी॰ भाटिया 29-12-79 9. डा॰ एस॰ एन॰ श्रीवास्तव 29-12-79 10. श्री जे॰ एस॰ डे॰ 29-12-79 11. डा॰ एस॰ के॰ दीकित 29-12-79 12. श्री सी॰ रगनाथन 29-12-79 13. डा॰ बी॰ थपसियाल 29-12-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी॰ के॰ मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम॰ एम॰ कुंदु 29-12-79 17. श्री ए॰ वी॰ ग्रार० कुल्णाराव 29-12-79 18. श्री वी॰ श्रीनियासन 2-1-80 (प्रपराङ्क)	<b>1.</b>	डा० कृष्णानन्व			29-12-79
4. श्री भूकन लाल 29-12-79 5. डा॰ ग्रार० के॰ दूबे 29-12-79 6. श्री एस॰ ग्रार० कलसी 29-12-79 7. श्री जयपाल 29-12-79 8. श्री ग्रार० सी० भाटिया 29-12-79 9. डा॰ एस॰ एन० श्रीवास्तव 29-12-79 10. श्री जे॰ एस॰ डे॰ 29-12-79 11. डा॰ एस॰ के॰ दिक्षित 29-12-79 12. श्री सी॰ रंगनाधन 29-12-79 13. डा॰ बी॰ यपिलयाल 29-12-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी॰ के॰ भट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम॰ एम॰ कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी॰ ग्रार० कुङ्णाराव 29-12-79 18. श्री वी॰ श्रीनिवासन 2-1-80 (प्रपराङ्ग)	2.	डा० एस० एन० भट्टाचार्य			29-12-79
5. डा॰ ग्रार० के० दूबे	3.	श्री रवीन्द्र नाथ			29-12-79
6. श्री एस॰ ग्रार॰ कलसी 29-12-79 7. श्री जयपाल 29-12-79 8. श्री ग्रार॰ सी॰ भाटिया 29-12-79 9. डा॰ एस॰ एन॰ श्रीवास्तव 29-12-79 10. श्री जे॰ एस॰ डे॰ 29-12-79 11. डा॰ एस॰ के॰ दीकित 29-12-79 12. श्री सी॰ रंगनाथन 29-12-79 13. डा॰ सी॰ यपस्याल 29-12-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी॰ के॰ मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम॰ एम॰ कुंदु 29-12-79 17. श्री ए॰ वी॰ ग्रार॰ कुल्णाराव 29-12-79 18. श्री वी॰ श्रीनिवासन 2-1-80 (प्रपराङ्ग) 19. श्री ए॰ नरायण कुट्टी 2-1-80	4.	श्री भूकन साल			29-12-79
7. श्री जयपाल 29-12-79 8. श्री झार० सी० भाटिया 29-12-79 9. डा० एस० एन० श्रीवास्तव 29-12-79 10. श्री जे० एस० डे० 29-12-79 11. डा० एस० के० दीक्षित 29-12-79 12. श्री सी० रंगनाथंन 29-12-79 13. डा० बी० थपिस्याल 2-1-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी० के० भट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० ग्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन 2-1-80 (प्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 29-1-80	5.	डा० ग्रार० के० दूबे			29-12-79
8. श्री ग्रार० सी० भाटिया 29-12-79 9. डा० एस० एन० श्रीवास्तव 29-12-79 10. श्री जे० एस० डे० 29-12-79 11. डा० एस० के० दीक्षित 29-12-79 12. श्री सी० रंगनाथन 29-12-79 13. डा० बी० थपस्याल 2-1-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी० के० मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० ग्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन 2-1-80 (प्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 29-1-80	6.	श्री एस० ग्रार० कलसी			29-12-79
9. डा॰ एस॰ एन॰ श्रीवास्तव 29-12-79 10. श्री जे॰ एस॰ डे॰ 29-12-79 11. डा॰ एस॰ के॰ दीक्षित 29-12-79 12. श्री सी॰ रंगनाथन 29-12-79 13. डा॰ बी॰ थपस्यान 2-1-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी॰ के॰ मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम॰ एम॰ कुंदु 29-12-79 17. श्री ए॰ वी॰ ग्रार॰ कुल्णाराव 29-12-79 18. श्री वी॰ श्रीनिवासन 2-1-80 (प्रपराङ्ग) 19. श्री ए॰ नरायण कुट्टी 29-1-80	7.	श्री जयपाल			29-12-79
10. श्री जे० एस० डे० 29-12-79 11. डा० एस० के० दीक्षित 29-12-79 12. श्री सी० रंगनायन 29-12-79 13. डा० बी० थपस्याल 2-1-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी० के० मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० श्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन 2-1-80 (श्रपराङ्ग) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 29-1-80	8.	श्री म्रार० सी० भाटिया			29-12-79
11. डा० एस० के० दीक्षित 29-12-79 12. श्री सी० रंगनायंन 29-12-79 13. डा० बी० थपिलयाल 2-1-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी० के० मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० ग्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनियासन 2-1-80 (प्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 29-18-0	9.	डा० एस० एन० श्रीवास्तव			29-12-79
12. श्री सी॰ रंगनाथंन	10.	श्री जे० एस० डे०			29-12-79
13. डा० बी० थपसियाल 2-1-79 14. श्री श्रवण कुमार 29-12-79 15. श्री पी० के० मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० श्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन 2-1-80 (श्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 2-1-80	11.	डा० एस० के० दीक्षित			2 <i>9</i> -1 <i>2</i> -79
14. श्री श्रवण कुमार	12.	श्री सी० रंगनायंन		•	29-12-79
15. श्री पी० के० मट्टाचार्य 29-12-79 16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० ग्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन 2-1-80 (ग्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 2-1-80	13.	डा० बी० थपसियाल		-	2-1-79
16. श्री एम० एम० कुंदु 29-12-79 17. श्री ए० वी० श्रार० कृष्णाराव 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन 2-1-80 (श्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी 2-1-80	14.	श्री श्रवण कुमार		•	2 <b>9-1 2-7 9</b>
17. श्री ए० वी० ग्रार० कृष्णाराव . 29-12-79 18. श्री वी० श्रीनिवासन . 2-1-80 (श्रपराङ्क) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी . 2-1-80	15.	श्री पी० के० भट्टाचार्य	•		29-12-79
18. श्री वी० श्रीनिवासन       2-1-80         (प्रपराङ्क्ष)         19. श्री ए० नरायण कुट्टी       2-1-80	16.	श्री एम० एम० कुंदु			29-12-79
(प्रपराह्स) 19. श्री ए० नरायण कुट्टी . 2-1-80	17.	श्री ए० वी० ग्रार० कृष्णाराव		•	29-12-79
19. श्री ए० नरायण कुट्टी 2-1-80	18.	श्री वी० श्रीनिवासन			2-1-80
•					(प्रपराह्म)
/ <del>(1117) (111</del>	19.	श्री ए० नरायण कुट्टी			2-1-80
(अपराह्म)					(भ्रपराह्म)

-		- 1 THE		والمراجع المراجع المرا
-20.	श्री एन० की० नसयण राव			29-12-79
21.	श्री एम० सी० शर्मा			29-12-79
22.	श्री ए० के० भटनागर		,	29-12-79
23.	श्रीके० डी० बर्मन			29-12-79
24.	श्री एस० सी० शर्मा			2-1-80
25.	श्री एस० डी० विलियम्स	•		29-12-79
26.	श्री ग्राई० सी० तलवार	•		29-12-79
27.	श्री एस० गोपीनाथ		4	29-12-79
28.	श्रीके० जी० एस० नैय्यर	•	•	29-12-79
29.	श्री राजेन्द्र सिंह	•		31-12-79
30.	श्री एस० के० जैन			31-12-79
31.	श्री एच० एन० गुप्ता			29-12-79
32.	श्री ए० डी० रविशंकर	•		31-12-79
33.	श्रीटी० के० बालकृष्णन	•		29-12-79
34.	श्री जुलिश्रस जोसफ			29-12-79
35.	श्री प्रार० नटराजन			29-12-79
<b>3</b> 6.	श्री एम० एन० पिल्लई	*		31-12-79
37.	श्री वी० भावनारायण	•		29-12-79
38.	श्री सी० एल० भ्रग्निहोत्री			29-12-79
39.	श्री एल० कृष्णमूर्ती	•		29-12-79
40.	श्री टी० के० रे			29-12-79
41.	श्री ए० टी० दाम	•		29-12-79
42.	श्री एस० के० माह			29-12-79
43.	श्री श्रार० एस० भारतीय	•		29-12-79
44.	श्री के० सी० हालदर	•		29-12-79
<b>4</b> 5.	श्री पी० सरकार		•	29-12-79
			_	

एस० के० दास उप महानिदेशक मौसम विज्ञान (प्रशासन तथा भंडार) कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक

# महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 8 फरवरी, 1980

सं० ए० 38012/5/79-ई०ए०—श्री के० सी० मणि, विमान-क्षेत्र श्रधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मूल नियम 56 (क) के श्रधीन दिनांक 31 जनवरी, 1980 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृक्ष हो गए हैं।

सं० ए० 38012/9/79-ई०ए०—श्री एन० के० मूर्ति विमान-क्षेत्र भ्रधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास मूल नियम (56) (के) के श्रधीन दिनांक 31 अनवरी, 1980 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> विश्वविनोदः जौहरी उप निदेशकःप्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1980

 कर्म सं । का संशोधन करते हुए महानिदेशक नागर विमानन, श्री जे ० एस० अगस्त्स, संचार सहायक, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद को दिनांक 12-12-79 (पूर्वाह्म) से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें संचार नियंजक वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास के कार्यालय में तैनात करते हैं।

एन० ए० पी० स्वासी, सहायक निदेशक, प्रशासन कृते सष्टाचिद्रेशक नागर विमानन

# नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी, 1980

सं० ए० 32013/2/78-ई०एस०—राष्ट्रपति श्री घमन लाल को दिनांक 26-7-79 से ग्रन्थ आदेश होने तक महा-निवेशक, नामद विमस्तन का कार्यालय, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में नियमित आधार पर उपनिदेशक/नियन्त्रक, वैमानिक निरीक्षण के रूप में स्थानापन्न लौर पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/79-ई०एस०— महानिदेशक नागर विमानक ने निवेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक के कार्मालय में भंडार महायक, श्री सी० एल० णर्मा को दिनांक 1 फरवरी 1980 पूर्वाह्म से श्रन्थ श्रादेण होने तक क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर भंडार अधिकारी (ग्रंप खपद) के रूप में नियकत किया है।

सं० ए० 32014/1/79-ई०एस०—महानिदेशक नागर विमानन श्री के० के० वर्मा अंडार महायक को दिनांक । फरवरी 1980 पूर्वाल्ल से अन्य श्रादेश होने तक नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नेताजी नगर, नई दिल्ली के कार्यालय में नियमित आधार पर भड़ार श्राधकारा (भूप ख) पद के रूप में नियुक्त करते हैं।

एन० ए० पी० स्वामी सहायस निवेशक प्रशासन

# विवेश संचार सेवा

## बम्बई, दिनांक 12 फरकरी 1980

सं० 1/18/80-स्था — विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा श्री रंजन दक्त को 14 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्व के श्रीफ श्रागामी श्रादेशों तक स्थिचन समूह, बम्बई के श्रीफ स्मागमी श्रादेशों तक स्थिचन समूह, बम्बई के श्रीफ्रामी रूप से सहमक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/89/80-स्था—विदेश संघार सेना के महानिदेशक एतद्दारा श्री बल राज को 5 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म से श्रीर ग्रागामी ग्रादेशों तक स्विचन समूह, बस्बई में ग्रस्थायी रूप में सहामक श्रीस्थता नियुक्त करते हैं।

संव 1/101/80-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एसद्वारा केन्द्रीय अन्तर्थित पुलिस बल के सुबेशाए, श्री एस के की एस एस असकाल को 14 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से श्रीक श्रमामी अदेशी तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से मुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> पा० कि० गोविन्दः नायर निदेशक प्रशा० कृते महानिदेशक

# वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय वेहरादुन, दिनाक 19 फरवरी 1980

सं० 16/338/79-स्थापना-1--- श्रध्यक्ष, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० कैलाण चन्द्र जोशी को दिनांक 21 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक वन सनुसन्धान केन्द्र बर्नीहाट, श्रासाम में सहुर्य श्रनुसन्धान श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/340/79-स्थापना-I—अध्यक्ष वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रजनीश कुमार वन्श्राच्या, प्रानुसंधान सहायक प्रथम वर्ग, वन प्रानुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को, दिनांक 7 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म से प्रगले ग्रादेशों तक स्कीम (I) बीज कोप ग्रापे (I) बीज कोप ग्रापे (I) बीज सुधार तथा वृक्ष प्रजनन केन्द्र हैदराबाद के ग्राधीन क्षेत्रीय केन्द्र कोयम्बतूर में सहर्ष ग्रानुसंधान ग्राधकारी नियुक्त करते हैं।

हीरावल्लभ जोशी कुल सचिव वेन अनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय

#### निर्माण और भ्रावास मन्त्रालय

# नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1980

# मुद्धिपत्न

सं० 33/9/76-ई० सी० 1---भारत के राजपत्न के भाक 1, खण्ड III में दिनांक 14-7-1979 को प्रकाशित केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (केन्द्रीय कार्यालय) सहायक (वास्तुकीय विभाग), भर्ती नियम, 1979 के बारे में इस मन्त्रालय की दिनांक 20-6-1979 की समान संख्यक प्रधिसूचना को एतद्द्रारा रद्द किया जाता है।

एस० रंगानाथन भ्रवर सचिव

# उत्तर रेलवे नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1980

#### . शुद्धिपत्न

सं० 19—परीचालन एवम् विभाग ने निम्नलिखित उनके नाम के सामने दी गई तिथि से ग्रंतिम रूप से रेल सेंबा निवृत हो गये हैं।

1. श्रीम्रार०डी० शर्मा, 30-11-79 (ए० एन०) एस० सी० म्रार० (रेट्रस) प्रधान कार्यालय

31-12-79 (ए० एन)
01 % 10 (1 (1)
31-12-79 (ए० एन०)
<b>धा</b> र० के० नटेसन
महा प्रबन्धक

#### दक्षिण मध्य रेलवे

### सिकन्दराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० पी० (जी० ए० जेड) 185/टी० सी०/भाग-II---श्री एम० एस० जयंतन, भारतीय रेल यातायात सेवा के एक ग्रधिकारी (परिवीक्षाधीन ) को उसी सेवा में श्रेणी-1 ग्रवर वेतनमान में दिनांक 4-2-78 से स्थायी किया जाता है।

सं० पी० (गजट) 185/टी० सी० भाग-II—इस रेलवे के भारतीय रेल यातायात सेवा के निम्नलिखित ग्रवर वेतनमान (श्रेणी 1) के श्रिधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीखों से उस सेवा के वरिष्ठ वेतनमान में स्थायी किया जाता है:—

फ्रंo नाम संo	स्थायी करने की तारी <b>ख</b>
<ol> <li>श्री एम० ए० रऊफ</li> <li>श्री एस० कृष्णमूर्ति ग्रय्यर</li> <li>श्री एस० राममूर्ति</li> <li>श्री के० सी० भिवानदम्</li> <li>श्री एस० गोपालकृष्णन</li> <li>श्री बी० एल० वर्मा</li> <li>पी० भेषगिर राव</li> <li>श्री जी० गोवर्धन राव</li> </ol>	25-6-74 5-3-75 5-3-75 5-3-75 1-4-76 1-6-76 1-10-76 1-12-76
	एन० नीलकण्ड शर्मा महा प्रबन्धक

# विधि, त्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

# (कम्पनी कार्य विभाग)

## कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के सहायक राजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० गैसेज प्राइवेट

# कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1980

लिमिटेड के विषय में।

सं० 1263/3788-एल० सी०—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी, जाती है कि यू० पी० गैसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्प्नी अधिनियम 1956 श्रौर विकी इन्जीनियरिंग प्राइवेट लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं 1265/4161-एल० सी०----प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के प्रवसान पर विकी इन्जीनियरिंग प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिक्ल कारण दिशा किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रीर मोदी इन्टर प्राइजेज (सेल्स) प्रा० लि० के विषय में

कानपुर, [दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 1339/3482-एल० सी०—प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मोदी इन्टर प्राइजीज (सेल्स) प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटत कर वी जायेगी।

श्रो० प्र० च**त्**ढा रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनी यू०पी०, कानपुर

कम्पनी ध्रधिनियम, 1956 श्रौर मै० कमला फुटबियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 7042/3875—— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर कमला फुटबियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० बी० सक्सैना [सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा,

कम्पती अधियम 1956 और रेवती कण्स्ट्रक्षनम प्रा० लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1980

मं० 3589/560(5)/80—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रेवती कण्स्ट्रक्यनस प्राठ लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विश्वटिन हो गयी है। कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रीर गौरी ट्रान्स्पोर्टंस प्राइवेट सिमिटेड के विषय में

मद्रास, विनांक 13 फरवरी 1980

सं० 3803-560 (3)/80—कम्पनी मधिनियम, 1956 की द्वारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सुबना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर गौरी ट्रान्स्पोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर श्रीकुल्पुस्वामी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० 4786/560 (5)/80— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री कुप्पुस्वामी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेंड का नाम ग्राज रजिस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

एच० बानरजी सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर राज कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 2651/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर राव के मिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी० टी गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एंब मेसर्स श्री फोरवर्ड चीट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं 0 14280/560/3—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान, पर मेमर्स श्री फोरवर्ड चीट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिवत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ए० सी० गुप्ता क≄पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्टार महाराष्ट्र कस्पनी स्रधिनियम 1'956 एवं रतलाम फायनैन्स प्रा० लि० के विषय में

ग्नालियर, दिनांक 14 फरवरी 1980

मं० 1067/लिक्बीन/सी० पी० 646—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 445 उपधारा (2) के श्रन्तर्गत सुजित किया जाता है कि मेसर्स रतलाम फायनेन्स प्रायद्वेट लिमिटेड, रतलाम को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर के श्रादेश दिनांक 15-1-1980 के द्वारा प्रिस्मापन करने का आदेश दिया गया है तथा सरकारी समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

मुरेन्द्र कुमार सम्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेण, ग्वालियर

कस्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना

बम्बई-400002, विनांक 14 फरवरी 1980

सं० 10956/लिक्य०--कम्पनी घधिनियम, 1956 के मामेन में

स्रोर

जनता वर्कस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

कस्पनी अविदान मंख्या——वर्ष——में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आवेश दिनांक 29-11-78 के द्वारा जनता वर्कम प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है । हु० अपठनीय

महायक कम्पनी रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 की धारा 445(2) के ग्रधीन सूचना : मेसर्स गुजरात लाकर्स ग्रेन्ड फाइनान्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रहमद(बाद, दिनांक 13 फरवरी 1980

मं 2154/लिक्बिड णन-कम्पनी श्ररजी नं 40/1979 में श्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-12-79 के श्रादेश द्वारा मेसर्स गुजरात लाकर्स एंड फाइनान्सीयर्स प्राइवट लिमिटड का परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक गुजरात, ग्रहमदाबाद

केन्द्रीय मिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के परन्तुक के ग्रन्तगत पारित सेवा समाप्ति के श्रावेश

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 फरवरी 1980 सं० ए० टी० एफ० पी०/79-80/995---केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपितयम (1) के परन्तुक के अनुमरण में, मैं. एसद्द्वारा श्री नाहरसिंह, न्यायालय परिचर (कोर्ट अटेण्डेण्ट) की सेवाएं अविलम्ब समाप्त करता हूं और यह भी निदेण देता हूं कि अपनी सेवा समाप्ति के ठीक पूर्व जिम दर पर वेतन और भरों ले रहे थे, उसी दर पर उन्हें नोटिम की अवधि के लिए अथवा उम अवधि के लिए जो ऐसा नोटिम दिए जाने की महीने की अवधि से कम पड़ती हो, जैसी भी स्थिति हो, वेतन तथा भर्से लेने के अधिकारी होंगे।

राजेण्यर त्यागी नियुक्ति श्रधिकारी के हस्ताक्षर पंजीयक समज्ञहुत तस्यति का अशीलीय न्याय(धिकरण

कार्यालय भ्राय-कर भ्रपील भ्रधिकरण

# बम्बई-400020, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० एफ० 48-ए०डी० (ए० टी०)/79--1. श्री बाई० बालसुमानियम प्रधीक्षक ग्राय-कर ग्रापील ग्रधिकरण, बम्बई जिन्हें ग्राय-कर ग्रापील ग्रधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ ग्राधार पर, ग्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए ग्रर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक कार्य करते रहने की ग्रन्थात् प्रदान की गई थी, वेखिये, इस कार्यालय के दिनांक 22-11-1979 की ग्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०)/79, को ग्रब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर ग्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में भीर तीन महीने के लिए ग्रर्थात् विनांक 1-12-1979 से 29-2-1980 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी ग्रीधतर हो, कार्य करते रहने की ग्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तवर्थ प्राधार पर है प्रौर यह श्री वाई० बालसुक्रमनियम को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ प्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के प्रभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी भीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

2. श्री एस० बी० नारायणन, वरिष्ठ ग्रागुलिपिक, ग्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ ग्राघार पर श्रस्थायी क्षमता में सहायक पजीकार के पद पर श्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तीन महीने के लिए श्रर्थात् विनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की ग्रनुमित प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 22-11-1979 की ग्रधिस्चना क्रमांक एफ० 48 ए० बी० (ए०टी०)/79 को ग्रब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में ग्रीर तीन महीने के लिए ग्रर्थात् विनांक 1-12-1979 से 29-2-1980 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु

नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीधतर हो, कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रवान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ प्रधार पर है ग्रीर यह श्री एस० सी० नारायणन् को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी ग्रीर उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के ग्रीमिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पालता ही प्रदान करेगी।

3. श्री निरंजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक ग्राय-कर ग्रंपील ग्रंधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली जिन्हें तदर्थ ग्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर ग्राय-कर ग्रंपील ग्रंधिकरण, ग्रमृतसर न्यायपीठ, ग्रमृतसर में तीन महीने के लिए ग्रंथीत् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक स्थानापन्न रूप से कीर्य करते रहने कीं ग्रमुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 29-11-1979 की ग्रंधिसूचना क्रमांक एफ० 48/ए० डी० (ए० टी०) 79, को ग्रव उसी क्षमता में तदर्थ ग्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर ग्राय-कर ग्रंपील ग्रंधिकरण, ग्रमृतसर न्यायपीठ, श्रमृतसर में दिनांक 1-12-1979 से 30-1-1980 (पूर्वाह्म) तक कार्य करते रहने की ग्रनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदंर्य भ्राधार पर है और यह श्री निरंजन वास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रवान करेगी भीर उनके द्वारा तदर्थ भ्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न दो वंरीयता के भ्रमिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी भीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पान्नता ही प्रवान करेगी।

सं०एफ० 48-ए० डी० (ए०टो०)/79—श्री टी० एल० खान्जोद, स्थायी श्रश्लोकक, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, मध्यक्षेत्र, नागपुर को श्रीयकर श्रपील श्रधिकरण, श्रमृतसर न्यायपीठ, श्रमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 30 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्म) से २० 650-30-740-35-810-

द० रो॰ 35-880-40-1000 द० रो॰ 40-1200/- के बेतनमान पर श्रस्थायी क्षमता में श्रगला भादेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 30 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्म) से दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री टी० एल० खान्जोदे, (सहायेक पंजीकार के पद के लिए सं व लोक सेवा आयोग द्वारा नामित) की नियुक्ति हो जाने पर श्री निरंजन दास, जो आयकर अपील अधिकरण अमृतसर न्यांचपीठ अमृतसर में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में दिनोंक 17-10-1977 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के रूप में कार्य कर रहे थे, को उनके मूल पद पर सहायक अधीकक, आयकर अपील अधिकरण दिनांक 30 जनवरी 1980 (पूर्वाह्म) से प्रत्यावर्तित किया जाता है।

# दिनांक 12 फरबरी 1980

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए०टी०)/79-श्री बाई० बालसुन्नमित्रम, स्थानापन्न प्रधीक्षक, ग्राय-कर प्रपील ग्रधि-करण, जो तदर्थ ग्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में दिनांक 25 मार्च, 1976 (पूर्वाह्म) से श्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण में सहायक पंजीकार की हैसियत से स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहे हैं को ग्रंब नियमित श्राधार पर (प्रोन्नति कोटा में) दिनांक 5 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्म) से रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/के वेतनमान पर ग्रगला श्रादेश होने तक ग्राय-कर ग्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री वाई० बालसुत्रमनियम 5 फरवरी, 1980 से दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> टी० डी० शुग्ला स्रध्यक्ष

प्रकार बाई । टी । एन । एस । ----

प्रायंकर व्यक्तियम, 1981 (1981 का 43) की छारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० पटियासा/185/79-80:--यतः मृझे, सुखदेव बन्दः

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की सारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- व्यये से प्रक्षिक है

श्रौर जिसकी मकान नं० 22-डी है तथा जो माड़ल टाऊन, पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979

में पूर्वोक्त सम्मित् के अवित का जार मूक्य से कम के कृषणमान प्रतिकाल के लिए धुन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास कर्ते का कृषणमान प्रतिकाल के कृषणमान प्रतिकाल से, ऐस दृष्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया गया है:—

- (क) सम्बर्ग से हुई किनो प्राय को बाबत, उन्त धिष्टिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिश्य में क्रमी करने या उससे बचने में सुनिधा के शिए; धीर/या
- (ख) ऐतो किसी घाय या किसी वन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त घिंतियम, या धन-कर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधितियम की धारा 269-म के अनुसरक में, में, उन्त धिवितयम, की धारा 269-च की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत :--- (1) श्रीमति मन्त कौर पत्नी श्री गुरबक्स मिह, बटा बाजार, हरिशन रोड, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिति सन्त कौर पत्नी श्री करनैल सिंह वासी वश्राड़ीयां, सहसील मलेरकोटला मकान नं० 22—डी, माड्ल टाऊन, पटियाला ।

(अन्तरिती)

(3) श्री णाम लाल, दुकानदार मकान नं० 22-डी, माइल टाऊन, पटियाला।

> (वह व्यक्तिः, जिसके श्रधिभोगं में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर धूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हिनन दें किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्तानारी के पास लिखित में किए ना कर्जेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रपुक्त जन्में घोर पर्दो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, दहीं पर्य होना, जो उस पञ्चाय में दिया नया है।

#### अनुसूची

म्कान नं २ 22-डी, मादल टाऊन, पटियाला । (जाबेदाव जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पटियाला क कार्यालय के विलेख संख्या 2361, जून 1979 में दर्ज है) ।

> मुखदेव चन्द, मक्षम प्राधिकारी, महायक ऋषिकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखः 15 फरवरी, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एम०--

श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रशीन मूचता

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेण सं० चण्डीगढ़/79/79-80:---यत: मुझे, सुखदेव

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० पलाट नं० 3343 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हे), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्राय-कर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मन, उस्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण i, मैं, उक्त श्रिधनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) ः प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :---

- (1) एक्स हर्नकार श्री बखनावर सिह्पुत श्री सुहैल सिह् गत करों डा० कृष्णपुर जिला रोपड़ द्वारा स्वैणल श्रटारती श्री दलीप सिंह पुत्र श्री जबन्द सिंह सकान नं० 3343, सैक्टर 35-डी, खण्डीगढ ।
  - (ग्रह्मरक)
- (2) श्रीमति सुरिन्दर कौर पत्नी श्री दलीप सिंह थिन्ड मकान नं० 3343 सैंक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (प्रत्नरिक्ती)
- (3) श्री बिशन दास, निर्मल सिंह वासी 3343, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पक्ति है) ।

को यह सूबना जारी करके रूर्जोन मन्नित्त के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन को अवधि या तस्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूवता की तामील से 30 दित **की भ्रवधि**, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इन सूबनाके राजनजनों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति हितवद किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास हेंगें।

रगब्दोकरगः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त म्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

प्लाट नं० 3343, सैंक्टर, 35-४ी, चन्डीगढ़ । (जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 411, जून 1979 में दर्ज है)।

> सुबदेव चन्द निशन प्र₁ंधकारी, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुक्षियाना

तारी**ख**ः 15फंरवरी, 1980

সভ্ৰ মাৰ্ক্তি হীত হাৰত ব্ৰত----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) में प्रधीन सूचना

भारत सरकार

# नार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेण सं० लुधियाना/170/79-80:—-यतः, मुझे, सुखदेथ चन्द्र,

आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त श्रीष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० मे श्रीधिक है

मीर जिसकी सं पलाट 90. 50 वर्ग गज है तथा जो भारत नगर रोड नजदीक बस स्टैंड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1679 को के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूर्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रांतिक के पत्त्र नृत्र तिपत से श्रिधक है और अस्तरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत हो एय से उक्त अस्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) प्रस्तरण से हुई जिसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनिवम के प्रधीन कर देंने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविका के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को,
  जिन्हें भारतीय आय हर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
  या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
  किया गया था या किया जाना चाहिए था,
  छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः भव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन, निम्निजिति व्यक्तियों, ध्रिषाँतः—
3—486GI/19

(1) श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह गांव भाटियां तहसील लुधियाना, श्रव वासी मकान नं० 1168, सैक्टर 18-पी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तर्क)

(2) सर्वश्री सतनाम सिंह, मोहिन्दर पाल सिंह, देविन्दर पाल निंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी 34, माङ्ल ग्राम, लुधि-याना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 जिन की प्रविध, जो भी भर्नाव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस घड़याय में दिया गया है।

### प्रमुस्ची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 90.50 वर्ग गज है श्रीर जो भारत नगर रोड नजदीक बस स्टैंड, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद अधिकारी जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के कार्या-लय के विलेख संख्या 1550, जून 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनाक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/68/79—80:—–यतः मुझे, सुखदेव चन्द

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलाट नं० 1399 है तथा जो सैक्टर 33-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध स्नन्सूची में स्रौर पूर्ण रूह से विणित है), रजिस्टीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वेक्ति सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचन सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् —-:

(1) एपर कमोडोर ए० डी० इत्त पुत श्री एम० श्रार**० दत्त** 11 माऊथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमिति गुरबक्षा कौर सन्धू पत्नी श्री ल० क० सविन्दर सिंह सन्धू, 323, सैक्टर 9-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के, अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित'म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त स्रधिनियम के स्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

पलाट नं ० 1399, मैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ । (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 378, जून 1979 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

त्रकप शाईं भी एत एस--

भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/99/79-80:---श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र,

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2225, पलाट नं० 45, है तथा जी सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण का से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगहु में, रजिस्द्वीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, एसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के प्रस्त्रह प्रतिकृत से घषिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निजित्त में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उबत प्रधि-नियम के भ्रशीन कर देने के भन्तरक के वाणिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (॥) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तिमों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिषिनियम, या धनकर भिषिनियम, या धनकर भिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुतरक में, भैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :--- (1) इ.० घरतार निह जीली पुत्र श्री दियाल सिह जौली सीग्रोन रोड बम्बई द्वारा जनरल ग्रदारनी श्री हरबन्स पिह जौली पुत्र डा० करतार सिंह जौली, ग्रिडिशनल चीफ इंन्जीनियर, श्राल इंडिया रेडियो पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

- (2) श्री नरिन्दर सिंह भाटिया पुत्र श्री सुन्दर सिंह भाटिया मनेजर, पंजाब व सिन्ध बैंक लि०, जालन्धर शहर। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री एच० मी० कपूर, श्री बी० एम० चोपड़ा व श्री रगम वामी मकान नं० 2225, सैक्टर 21—सी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के मिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्य या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, ज भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवडीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भयं होगा, जो उस धड़पाय में दिया गया है।

## अमुसूखी

मकान नं० 2225, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़। (जानेदाद जैमा कि रिजस्द्वीकर्ता श्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या 501, जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्ध, मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

ता ीख: 15 फरवरी, 1980

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980 निदेश सं० चण्डीगढ़/113/79-80:---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० एस० सी० भ्रो०/साइट नं० 75 है तथा जो सैक्टर 31-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वणितहै), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं. किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रत: अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) ध्रधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री मतबीर सिंह कोहली पुत्र श्री तरलोचन सिंह वासी 1025, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज सेठी पुत्र श्री लाला श्रमर नाथ सेठी नं० 6 टिम्बर मारिकट, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां एरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशित की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दो हरण:--इपमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उकत ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथे होगा, जो उन्न ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एस० सी० श्रो० साइट नं० 75, सैक्टर 31–सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 589, जून 1979 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द्र, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 15 फरवरी, 1980

प्ररूप माई० टी॰ एन॰ एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980 निदेश सं० चण्डीगढ़/108/79-80:--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के मिनि सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क • से मिनिक है और जिसकी संवरिहायणी पलाट नं ०85 है तथा जो सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित संदेशय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि।व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; क्षौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उनत ग्राधिनियम की घारा 269घ की उपशादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हरगोपाल पुत्र श्री तुलसी दास निवासी 10730/15 गली गुरद्वारा नबीं कारीम, झंडेवाला नयु देहली । राही श्रीमती सुदेश कुमारी सचवेथा पत्नी श्री कस्सूरी लाल सचदेवा वासी मकान नं०2623, सैक्टर-22-सी चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कस्तूरी लाल सचदेवा पुत्र श्री कांसी राम वासी मकान नं० 2628, सैंक्टर 22-सी, चन्ण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्वत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किनी अन्य व्यक्ति द्वारा भिष्ठोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकरिकरण: समर्गे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जी उक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

# भ्रनुसूची

रिाह्मी पलाट नं० 85, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (आयेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 559, जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

मोहरः

प्रवय भाई • टी • एन ॰ एस ०-

भावतर विवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के संधीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/95/79-80:--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-इपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं॰ मकान नं० 282 है तथा जो सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पग्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर घन्तरिक (प्रश्वरकों) भीर घन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अग्तरिक लिखित में बास्तरिक कम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घारितयों को, जिल्हें घारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, वा धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः श्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्वात्।—-

(1) डाक्टर साहदेव गुप्ता पुत्र श्री राम सारूप गुप्ता राहीं देव झांखों का हस्पताल, ईदगाह सड़क, श्रम्बाला कैंट, (हरयाना) ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री श्रमरजीत सिंह सोढी, पुत्र श्री तरलोचन सिंह सोढी, गांव मानवां तहसील जीरा जिला फिरोजपुर।
2. श्रीमती भोपिन्दर जीत कौर सोढी पत्नी श्री श्रमरजीत सिंह सोढी गांव मानवां तहसील जीरा, जिला फिरोजपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बग्ध में कोई भी माक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त प्रक्षित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया नया है।

# **प्रनुसू**षी

मकान मं० 282, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ । (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 496, जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख: 15 फरबरी, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक <mark>ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/132/79-80:--यतः, मुझे, सुखदेव धन्दः,

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है ), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलाट नं० 106 है तथा जो सेक्टर 36-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (था) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अिंग्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, श्रिष्टी :---

- (1) ग्रुप कैप्टन कुलदीप सिंह भाटिया, पुत्र श्री भगतसिष्ट भाटिया, 122 कैलाश कालोनी, न्यू देहली-48 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री इन्दरजीत भरहाज पुत्र श्री जय चन्द भरहाज मकान नं० 3016, सैक्टर 21-डी चण्डीगढ़, श्रीमति राज भरहाज पत्नी श्री इन्दरजीत भरहाज मकान नं० 3016, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, को उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

पलाट नं० 106, सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्टिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 772, जुलाई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरबरी, 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/165/79-80:--यतः, मुझे, सुखदेव बन्द.

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलाट नं० 3869 है तथा जो सैक्टर 32-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जुलाई-अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) ग्रामीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्ः—

- (1) श्री मुःवर सिंह पुत्र श्री बढाः वर पिंह वासी गांव ग्रीर डाक्यर बुचों खुर्ब, जिला भटिन्डा द्वारा जनरल पावर श्राफ श्रटारनी श्री बलहार िंह पुत्र श्री जगत सिंह वासी मकान नं० 79, मैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरबङ्ग सिंह पुत्र श्री काला सिंह वासी 6044, स्ट्रीट नं० 23, नवां कोट, श्रमृतसर (पंजाब)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
  हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अओह्स्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पद्यों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

# अनुसूची

रिहायशी पलाट नं० 3869, सैक्टर 32-डी, चंडीगढ़ में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 959, जुलाई-ग्रगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, मझन प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीजः 15 फरवरी, 1980

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980 निवेश सं० जगराम्रों/43/79-80:--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये म्रोर जिसकी सं० भूमि 35 कनाल 15 सरले हैं तथा जो गांव म्रगवाड़ लोपी कलां, तससील जगरात्रों, जिला लुधियाना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रक्षिकारी के कार्यालय, जगराग्नों में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भक्षिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धनकर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

भनः अन, उक्त प्रक्रिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जै, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-भ की उन्धारा (1) के अधीन, निक्निश्चित व्यक्तियों, अचित्:--- (1) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा व श्रीमित प्ररदास कौर पुत्री श्री वहगुरु बकस मिह, श्री करतार मिह, रणजीत सिंह, कुलवन्त सिंह, स्वयं व जनरल प्रदारनी श्री प्रवतार सिंह पुत्र नरंजन सिंह पुत्र नथा सिंह वासी श्रगवाड़ दल्ला (जगराश्रों)।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री सौदागर सिंह, नाजर सिंह, बहादुर मिंह पुत्र गुरदियाल सिंह पुत्र अनोख सिंह, सर्वश्री रणजीत सिंह, गुरनाम सिंह, पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री अनोख सिंह बासी अगवाड़ लोपो कलां, तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रषं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 कनाल 15 मरले है श्रौर जो गांव भगवाड़ लोिपो कलां, तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जगरामों के कार्यालय के विलेख संख्या 1068, जून 1979 में दर्ज है)।

सुद्धदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सद्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

ता**रीख**: 15 फरवरी, 1980

प्ररूप माई • ही • एन • एस • ---

धायकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० संगरूर/62/79-80:---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र

भायकर ग्रांबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रांधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रंधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रूपये से ग्रांबिक है ग्रोर जिसकी सं० भूमि 4 बिघा पक्का है तथा जो गांव ग्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृष्यभान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभत से प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों), के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिए भीर/या
  - (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रत्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, धव उथत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी गांव श्रकोई साहिव, तहसील संगरूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री काका सिंह वासी बंगांवाली, तहसील संगरूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य स्थावत द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त मध्यें भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस धर्माय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 विद्या पक्का है ग्रीर जो गांव प्रकोई माहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैनाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1192, जून 1979 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 15 फरवरी, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० संगरूर/6 7/79-80:---यत, मुझे, सुखदेव चन्द,

स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है स्रौर जिमकी सं० भूमि 3 विधा पक्का है तथा जो गांव स्रकोई माहिस, तहसील संगरूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी ाय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय वा किसी बन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, म, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निश्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः -- (1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति गुरदेव कौर पत्नी श्री बक्शी सिंह वासी बदरुखान तहसील संगरूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रप्रधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; ।
- (ख) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मत्ति में हितबर्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

साष्टी हरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के अध्याय 20-ह म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसू**ची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिबा पक्का है श्रौर जो गांव श्रकोई साहिब, नहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी,संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1203, जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

माहर:

प्ररूप द्याई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रॅंज, सुधियाना

लुघियाना, विनोक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० संगरूर/68/79-80:---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिश्रक है भीर जिसकी सं भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक छण से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिध-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दागिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसे किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के निए;

मतः स्रथ, एक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की स्पद्मारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपात्ः — (1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी घकोई साहिब, शहसील संगरूर ।

(भन्तरक)

(2) श्री बीर सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव बंगांवाली, तहसील शुरू संगकर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त घाधि-नियम के घड़पाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं ग्रथं होगा, जो उस घड़पाय में दिया गया है।

# मनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 3 बिचा पका है भीर जो गांव बंगावाली तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भविकारी, सगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1204, जून 1979 में दज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

प्रकप भाई• दी• एन• एत•⊸⊸

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक खायकर धायुक्त (निरीक्षण**)

मर्जं न रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निवेश सं॰ लुधियाना/168/79--80:---यत:, मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी चो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ष+ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० बी-18-377 (471-एल) है तथा जो माड़ल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबदा भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी बाय की बाबत, उनत विधिनयम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-अर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अस्तरिती द्वारा धकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, दिवाने में स्विद्या के सिए;

क्षतः सब, उक्त बधिनियम की सारा 269-व के अनुसरण में, में, एक्त धिर्मियम की बारा 269-व की क्षत्रवारा (1) के सधीन, निब्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- (1) श्री सुरनागत सिंह पुत्र श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह यासी 471-एल, माडल टाऊन, लुधियाना । (अन्तरक)
- (2) सरवार सन्त सिंह पुत्र श्री पुंजाब सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी 471-एल, माडल टाऊन, लुधियाना । श्री जतिन्दर सरूप सिंह पुत्र श्री ग्रात्म सरूप सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह वासी 558, सैक्क्टर 18-श्री, चण्डी-गढ़ ।

(बन्तरिती)

(3) श्री जितन्दर सकप सिंह 47-एल माङ्ल टाऊन, लुधियाना ।

> (वह व्यक्ति, जिसके मिश्रभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रचैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की संबंधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की संबंध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्तांकारी के पास निवात में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रमुक्त अन्यों घौर पथों का, को उक्त घित्रियम के घट्टमाय 20-क में परिभाषिश हैं, बड़ी घर्ष होगा; को उस घट्टमाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी-18-377 (पलाट नं० 471-एल), माङल टाऊन, लुधियाना ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घिषकारी, सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1521, जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखः: 15 फरवरी, 1980

प्ररूप साई० टी० एन० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 फरवरी, 1980

निवेश सं० लुधियाना/भार/104/79-80:-- स्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 64 कनाल है तथा जो गांव गोरसीयां हाकम राय, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की नाबत उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी बन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भ्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्षितियम, या धन-वर श्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थे भ्रन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अत्र, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मंगल सिंह पुत्र श्री लखा सिंह, वासी गोरसीयां हाकम राय, तहसील व जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री प्रजीत सिंह, बलदेव सिंह, गुरबीप सिंह पुत श्री श्रर्जन सिंह, श्री करनैल सिंह पुत्र श्री जगत सिंह वासी, रजापुर, तहसील व जिला लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दोक्तरगः ---- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-निरम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वृी भर्य होगा जो उत अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 64 कनाल है और जो गांव गोरसीयां हाकम राय, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2445, जून, 1979 में वर्ज हैं)।

मुखदेव चन्त्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

नहीं किया गया है:--

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निवेश सं० ग्रहमदगढ/18/79-80:---मतः मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उ**चित** बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० भूमि 21 बिघा 10 विसवा है तथा जो गांव देहलीज कला तहसील भ्रहमदगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करें का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीफल से, ऐसे दुरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भ्रम्तरक (भ्रम्तरकों) भौर भ्रम्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथित

- (क) भ्रन्तरण से हुई िक्सी भाग की बाबत उक्त भ्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के पनारक के दरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः, भ्रवं, नकतं श्रिधिनियमं को धारा 269-गं के सनु-सरण में, मैं, उकतं श्रीधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) से अधीन, निस्निलिखित स्यक्तियों, सर्थात्:---

- (1) श्री बीर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह गांव छापर, तहसील व जिला लुधियाना । (अन्तरक)
- (2) श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह, जीत सिंह, जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह पुत्र सुजान सिंह गांव छापर, तहसील व जिला लुधि-

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भन्निया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 विषा 10 विसवा है भौर जो गांव बेहलीज कलां, तहसील श्रहमवगढ़ में स्थित है।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रहमदगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1005, जुन, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्य, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीकः: 15 फरवरी, 1980।

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1080

निदेश सं० लुधियाना/ग्रार/71/79-80:---ग्रतः मुझे

सुखदेव चन्द, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

धोर जिसकी सं॰ भूमि 6 विधा 6 विसवा 15 विसवा सी है तथा जो गांव कुरायके तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबब भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त लिख-नियम के अपीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बवने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (∡957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव उक्त मिधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के भन्नीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री ध्रर्जन सिंह पुत्र श्री नथा सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह व वासी गांव कुरायके, तहसील व जिला लुधियाना। (ध्रन्तरक)
- (2) सर्वेश्री बलबीर सिंह, मुखतियार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह गांव कुरायके, तहसील लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 ति की भ्रवधि जो भी गवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से िसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस दुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्। व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:→-इतमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का जो उक्त भक्षि-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं वहीं भर्म होगा जो उस भक्ष्याय में दिया गया है ।

# अनुलुची

भूमि जिसका क्षेत्रकल 6 बिघा 6 विसवा 15 विसवासी है स्रीर जो गांव कुरायके, तहसील लुखियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1913, जून, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्तम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रजैनरेंज,लुधियाना ।

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

मोहरः

WHEN STREET

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

मुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निवेश सं० जगराधों/46/79-80:---धतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, भागकर श्रिधिनियस, 1961 (1961 का 43) (बिह्न इसमें इसक वश्रवाल् विक्त व्यक्षिनियम' कहा गया है),

को हारा 269 ख के अधोत सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर अध्यति, जिसका उचित्र वाजार मून्य 25,00%- २० से अधिक है

भौर जिसकी सं भूमि 28 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव भगवा म गुजरा, तहसील जगराओं में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्री हर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, जगराओं में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मुल्य से कम के दृण्यमान प्रतिकाल के लिए घन्तरित को गई है और जुल यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐम धृश्यमान प्रतिफल का पस्प्रद् प्रतिज्ञत प्रक्षिक है, और यह कि यस्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्टरिती (अन्तरितियों) के नील ऐसे ग्रन्तरण के लिए तब याग ग्राम प्रतिकान, निज्ननिधित प्रश्रेष्ठ से उन्तर अन्तरण निधित में बाल्यान कुन मुख्यान नहा किया गया है :----

- (क) बल्लरण में हुई जिल्लो भाष की बावत, उक्त शिक्ष-नियम, के अधीन जर देन के शन्तरण क दाणिस्व में कभी करने या न्यस बचने में मुधिआ के निए; अपन्या
- (अ) ऐसी जिला प्राय ता किसा बन या प्रन्य नाम्निमो क्या जिल्हें भारतीय धाय-कर लिखनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिखनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया लिखा लाला जा किया जाना शिह्ए था. क्रिपाने में संविधा के लिए:

नसः, अब, सबत प्रविधियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, मैं, सबत अधिनियम की शादा 2क9-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिश्वित स्पेश्वियों, अर्थात् :---5—486G1/79 (1) श्री ग्रावतार सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह गांव ग्रगवाड़ गुजरां, तहसीस जगराग्रों, जिला सुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बूटा सिंह पुत्र श्री गुरवियाल सिंह वासी गांव श्रगवाड़ गुजरो, तहसील जगराधों।

(श्रन्तरिती)

को यह्म्बना जारी करके पूर्वोका नार्त । त प्रवेश के विष कार्यवाह्यां करता हूं।

उक्त सम्मति के भन्नेन के अन्वन्त्र में कीड आ आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजारज में प्रकाशन को नाराक से 45 दिन की श्रवधि मा नन्सम्बन्धी अ्यक्तिओं पर भूचना की तासील से 35 दिन का भ्रवधि, जा भी प्रविध बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पुत्रक्ति व्यक्तियों में साफिसी व्यक्ति डाग;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वायर सम्पत्ति में द्वित्यक किसी अस्य स्पष्टित द्वारा, प्रयोहस्ताक्षी के गास निश्चित में किए वा नरेंगे।

स्वक्षीकरक :--इसमें प्रमुक्त कन्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीवितयम, के ग्राच्याय 20-क में परिभावित है, क्क्षी ग्रामें होगा जो उन ग्राम्याय में दिया ग्या है।

### धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 8 मरले है श्रीर जो गांव अगनाड़ गूजरा, तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रकर्ता अधिकरण, जगराओं के कार्यालय के विलेख संख्या 1158, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सु**ब**देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरोज, सुधियाना।

तारीच : 15 फरवरी, 1980।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं• लुधियाना/ग्रार/100/79-80:--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन उक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्धात, जिसका उच्छि बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

घौर जिसकी सं० भूमि 75 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव कूम कलां, सहसील लुधियाना में स्थित है (घौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के वार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के घधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के पधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िसी आय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भगरतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नप्तः भव, उनन अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) सर्वश्री बलबीर सिंह, जगतार सिंह, संगारा सिंह, अवतार सिंह पुत्र प्यारा सिंह् वासी कूम खुर्च, तहसील सुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्दर कौर पस्नी श्री सुखदेश सिंह पुन्न श्री मेदार्निह वासी गांव सौदी तहसील समराला, जिला लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के स्भीतर उक्तस्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि। खत में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ हीगा, जो उस प्रध्याय में बिया गया है।

# **प्रनुसू**ची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 75 कनाल 16 मरले है और जो गांव कुम कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1637, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, लुधियाना।

वारीख: 15 फरवरी, 1980।

मोह्नरः

भायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, सुधियामा

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं ० सुधियाना/ग्रार/103/79-80:--- ग्रतः मुमे, सुख-देव चन्द,

मायकर मिंघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया है), भी घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपये से मिंधिक है भौर जिसकी सं भूमि 28 कनाल 1 मरला है तथा जो गांव रुड़का तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची मौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मिंधकारी के वार्यालय मुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ब) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्राय श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधार (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :--- (1) सर्वश्री सकन्दर सिंह, अजमेर सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह वासी कूम कलां, तहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रगट सिंह पुत्र भान सिंह पुत्र रुड़ सिंह वासी गांव रुड़का, तहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इप पूजा के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्पत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रजीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीफरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्म होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 1 मरला है श्रीर जो गांव रुड़का,तहसीब लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रकर्ती अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2523, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रोंज, लुखियाना ।

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

# प्रकष साई॰ ही॰ एन॰ एस॰----

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, महायक प्रायकर आधुनत (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, लुधियाना

नुधियाना,दिनांक 15 फरवरी 1979

निदेश सं० लुधियाना/श्रार/92/79-80:-- शतः मुझ, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपम इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण है जि स्थातर नम्यन्ति, जिनका उतित बाजार मूका 25,000/- कार्य ने अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 36 कनाल 2 मर्ले है तथा जे गांव भीरा, तहसील सुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवनारी के कार्यालय, सुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रावीन, तारीख जून, 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोशन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के जीव ऐसे पन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखिक उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्लिखन ने वास्तरिक कर से हिना नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाषितियम के स्रिधीत कर देते के भ्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी वन या प्रत्य आस्तियों का, जिन्हें भारतोत्र आयक्तर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर ध्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तनिर्धात व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री बजीर सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, वासी गांव भौरा, तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वेश्वी संतोख सिंह, गुरवेव सिंह पुत्र श्री बचन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी झगीओं कादर, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर
  सूचना की तारीख से 30 दिन की धविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  क्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के शीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हिंत-ग्रेस किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, बहो प्रयं होगा जी उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 36 कनाल 2 मरले है श्रौर जो गांव भौरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2373, जून, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेंन रेंज, सुधियाना ।

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

### प्ररूप बाई• टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधितियम, 1961 (1**961 का 43) की धा**रा 268-घ (1<sup>)</sup> के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियामा

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लधियाना/बी/105/79-80:—— भतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अितियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनि मन' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पालि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकीं सं० भूमि 26 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूची में भ्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6/79

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिशत ने बाजि है और चन्त्रक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गेन। प्रतिष्ठन विस्तरिताबत उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिल्लाक में वास्तरिक का से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के ध्रश्वरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/गा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितभों को, जिन्हें भारतीय आयकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त पिधिनियम या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मृदिधा के लिए;

अत: अव, उक्त धिक्रियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त धिक्षित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन 'निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्रीमती रणजीत कौर पुत्नी श्री चनन सिंह वासी लासतों कलां, तहसील लुधियाना ।

(मन्तरक)

(2) सर्वश्री नन्छतर सिंह, जबर सिंह पुत श्री गुरदेव सिंह 106, साऊथ माडल ग्राम, लुधियाना ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रवीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्न किसी अन्य व्यक्ति न्नारा अधोहस्ता करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### यनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल 8 मरले है भौर जो गांव लालसों कला, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2558, जुन, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुक्षियाना।

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

मो**इ**रः

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सद्धायक भायकर भाषुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधियाना/ग्रार०/93/79-80:----श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर ग्रिविनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० भूमि 26 कनाल 18 मरले हैं तथा जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य ये कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से यिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने व्यस्तिक कप ने किया गया है:—

- (क) धरतरण पहुँदे किसो आप वा नामत, उनत अधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अभा चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

अतः चब, उक्न अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की खारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नविखित व्यक्तियों, धर्यात्:-- (1) श्रीमती रणजीत कौर पुत्नी श्री चनन सिंह वासी लालतों कलां, तहसील लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री न.च्छतर सिंह, जबर सिंह, पुत्र श्री गरदेव सिंह् वासी 106, साऊथ माड़ल ग्राम, लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्मति के पर्वन के संबंध में कोई भी धानेत :--

- (क) इस पुत्रता के राजरत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्ति भों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में सभाष्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूबना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चें का, जो उक्त धिधितयम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

# **अनुसूची**

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल 18 मरले है भीर जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2398, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

प्ररूप वाई∙ टी• एन• ग्म०-----

आं। कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सद्धायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/भार/113/79-80:---- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, ग्रायक्तर प्रजितियन, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इपके गरवान् 'उन्त अधिनियम कहा ाया है), की धारा 269-ख के प्रधीन लक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास धरने जा कारण है कि स्थावर भम्पनि जिसका उलित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये ने अग्निक है भौर जिसकी सं० भूमि 25 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्मूची

में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन, तारीख 6/79

की पूर्वीक्त सम्पति के उपत्त बाबार मूल्य से इटन के दृश्यमान प्रतिकान के लिए भन्तरित की गई है घीर मुझे गड़ जिल्लाप करते. का **कः रश है कि स्थापूर्वोक्त सम्बक्ति का उच्चित बाजार मृत्य, उसके** बुरयभान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह पश्चिमत में पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर बटारिनी (क्षातिरितियों) के बीच ऐस पन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखन उद्देश्य से उत्तर प्रन्तरण निश्चित थें बाहतदित रूप से ७.५४ तहीं निया गया है :---

- (क) अपनदण या द्वी किया वार को बानन, **उन**त य**धि**नियम के प्रश्नीन **रुर ३ने के ग्रन्तर**क के धवित्व में क्यी **करने** पा उससे वश्वते में मुविद्या क लिए : धौर/या
- (ा) ऐसो किसी अध्य वर किसं धन या अन्य जास्तिगः की जिन्हें भारतीय ग्रायकर भश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्द प्रधिनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थं भ्रम्त्ररिती द्वारा प्रकट नही किया गया या किया अध्य अधिक या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 2 व १ ना के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26 अन्ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री चनन सिंह वासी गांव मानतों कलां, तहसील लुधियाना ।

(भन्तरक)

(2) सर्वेश्री नच्छतर सिंह, जबर सिंह, पुत्र गुरुदेव सिंह वासी 106, साऊथ माङ्ल ग्राम, सुधियाना । (भन्तरिती)

को यह स्वतः जारी ठ०% पूर्वोक्त सम्पति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है !

जन्द राज्यानि के अर्जन के बिंब में कोई भी प्रार्कीय :--

- (क) इन मुक्ता के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 4.5 विन की भविष्ठ या तत्यंबंधी व्यक्तियों पर सूचना 📫 तामील ये 30 दिन को अवधि, जो भी धवधि बाद में ानाष्त्र होती हो, के फीनर तुर्गेक्त व्यक्तियों में पे किसी ≖र्ध , सारा ः
- (ध) इस मुनना के राज्यन में काशन की तारीख से 45 क्षा के जीतर जन्द स्थाव**र सम्यक्ति में हितकक** किजो अस्य स्थानित उत्तरा ब्राते हाजाधरी के पा**स लिखिश** में किए तासकें के क

स्मङ्कोश्वरमः--इक्षे प्रमुका शर्मः यौर पदो का, जो उस्त महिन नियम के मध्याल 20-क में परिवाधित है, वही अर्थ होगा, जो उर अध्याय में दिश सवा 🖁 ।

### मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 10 मरले है भौर जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2930, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

प्रसप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ग्रीवनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के ग्रिवीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रॅज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निवेश सं ॰ निवेशना / 136 / 79 - 80:---- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

क्शबकर ग्रांशिनयम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इनके पश्चात 'सक्त ग्रांशिनयम' कहा गया है), की श्वारा 269-व के प्रश्लीन सञ्चाम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका जवित वाकार मूक्त 25,000/- क्यंग् से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 16-सी, 2648 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त तम्पति के उचित बाबार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्नरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नां ते बत उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि बिता में बास्तविक कर में कथित नहीं विधा गया है:—

- (क) उत्परण से दुई किसी साय की बावत, उक्त अधिनयम के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में समी करने या उसने अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐनो किसी प्राय वर हिसो धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर भिविनयम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्व अम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया का । चाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

बतः सब, उक्त प्रधिनियम की त्रारा 269-ग के धनुतरण में. में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निश्नलिखित व्यक्तियों, अवीतः ---

- (1) सु० हरभगत सिंह पुत्र किरपा सिंह पुत्र उत्तम सिंह वासी श्रब्बूलाल तहसील जगराओं स्वयं व श्रटारनी श्री हरदेव सिंह, सरवन सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह वासी भंगसी, तहसील जगराओं व श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरभगत सिंह द्वारा श्री गुरदियाल सिंह वासी श्रब्बूलाल, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुनील मेहतानी पुत्र श्री निसाए रत्तन मेहतानी पुत्र श्री चन्दर भान मेहतानी वासी 27-बी, टैगोर नगर, लुधियाना व श्री संजीव पड्ड़ा पुत्र श्री राजिन्दर चड्डा वासी 12, कालज रोड़ सीवील लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेरत सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत ने ए हाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या जत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन ते 30 दिन की अवधि, ओ भी धमधि बाद में समाप्त होता हो, के भी पर पूर्वाकत अवितयों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इत पूत्रता है राजरज में प्रतासत की सरोख से 45 दिन के भीवर उन्नत स्थावर सम्पति में डिनबद किसी प्रत्य व्यक्ति दारा, यथांकृताल से है तथा विखित में किए जा मुक्केंगे।

रपण्डीकरण. --- इसमें प्रयुक्त जन्दी ग्रीर वर्षों का, जो उक्त प्रश्नित्यम, के मध्याय 20-क में परिकालित है, बड़ी बर्च होगा, को सम बद्धार टार्फिस क्या है।

# अनुसूची

पलाट नं ॰ 16-सी, जिसका क्षेत्रफल 2648 वर्ग गज है स्रौर जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1339, जून, 1979 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

प्रकप ब्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्थालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० बरनाला/47/79-80-::-भ्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 38 विघा 17 विसवा है तथा जो गाव ठुलीवाल, तहसील बरनाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरनाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिथक है और यह कि यन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नतिथित उद्देश्य से उक्त पन्तरण में लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बष्वत, उक्त प्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय थायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—-6—486 GI/79

- (1) सर्वश्री राम सिंह, सुखदेव सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह पुत्र बखतौर सिंह लच्छमन सिंह पुत्र नरंजन सिंह पुत्र बखतौर सिंह नासी गांव ठुलीवाल तहसील बरनाला। (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री जसवन्त सिंह, जोरा सिंह पुत्र श्री ईगर सिंह पुत्र रल्ला सिंह वासी खान पुर (बरनाला) भूपिन्दर सिंह, तारा सिंह, हरजीत सिंह पुत्र प्रजमेल सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी बिलगा तहसील लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिय-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा जो जस ग्रध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 विधा 17 विसवा है भीर जो गांव ठुजीवाल, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3701 जून, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक नायकर भापुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीच : 15 फरवरी, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एस० एस०---

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० संगरूर/65/79-80:—फ्रातः मुझे, सुखवेन पन्द,
शायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि 4 विघा पक्का है तथा जो गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधात है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय,

संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, तारीख 6/79
को पूर्वोचन सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकाल के लिए भग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला बाखार मृत्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकास से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकास के पश्च प्रतिगत से अधिक है और अग्तरक (भग्तरकों) बौर भग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के बिएतय पाया गया प्रतिकित निम्तलिखित उद्देश्य से उत्त भग्नरण विशिवत में अध्वाद कर से कायत नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अव, उक्त भविनियम की बार 239-ग के अनुसरण मं, में, उक्त मिबिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— (1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भागर सिंह पुत्न श्री गुरदियाल सिंह वासी बंगांवाली, तहसील संगरूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मति के सर्वन के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी घास्ट्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा स 45 दिन की सबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध को भी शबिध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस नूबना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के नीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्रस्ताक्तरी के पास जिश्वित में किए ज। सकेंगे।

स्यम्बोत्तरण -- तसर्गे अयुक्त सन्दर्ग और पदों का, जी उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, हैं, वहीं अर्थ हीगा, जो उस सम्बन्ध में विया क्या है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 विधा पक्का है श्रीर जो गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1195, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

प्ररूप घाई • टी ० एन • एन • ---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

श्रोर जिसकी सं० भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव श्रकोई साहब तहसील संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय संगरूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गया है।—

- (क) बग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर देने के सन्तरक के वासिस्य में कमी करमे या उससे बचने में सुविद्या के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या वश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, जिपाने में पुविधा के लिए;

अतः सब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ना के सनु-सर्व में, मैं, उन्त स्रधिनियम की धारा 269 ना की क्यधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अयीत् :--

- श्री राम वास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी श्रकोई साहब तहसील संगरूर । (श्रंतरक)
- श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री गुरिदयाल सिंह वासी बंगांवाली, तहसील संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्रासीप !--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिंत- बढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, को उत्थत श्रिधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्ष होगा को उस श्रष्ट्याय में दिया गरा है।

### प्रमुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघ. है और जो गांव श्रकोई साहबि तहसील संगरूर में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1194 जून 1979 में दर्ज है)।

सुखंदेव चन्द्। सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रजैन रेंज, जुधियाना

तारीख: 15-2-1980

मरूप भाई० टी० एन० एस•----

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सद्दायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज, सुधियाना

नुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० संग०/61/79-80--- प्रातः मृझे, सुखदेव धन्द, ध्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव ग्रकोई साहब तहसील संगरूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269—ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्ननिकित व्यक्तियों, प्रणीत् :--  श्री राम दास पुत्र श्री कुन्वन लाल वासी प्रकोई साहिब, सहसील संगरूर।

(ग्रंतरक)

2. श्रीमती रषवीर कौर पत्नी श्री ? वासी गांव भ्रकोई साहब, तहसील संगरूर। (भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्रत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# श्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 विघा है जो गांव धकोई साहब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेवाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संकल्प 1191 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 फरवरी 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०---

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० संग०/63/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधक है

भौर जिसकी सं० भूमि 5 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहब तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री राम बास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर। (ग्रंतरक)
- श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह वासी बंगांवाली, तहसील संगरूर।

(भंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 विद्या पक्का है और जो गांव प्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेवाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1193, जून, 1979 में दर्ज है)

तारीख:

(सुखदेव चन्द) सक्षम प्राधिकारी; सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण); झर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 फरवरी 1980

भोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) घारा की 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, लुधयाना

ल्धियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० सुनाम/21/79-80— ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्य ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मस्य 25,000/— घपये से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि 59 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव छगला तहसील सुनाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर वेले के ध्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या जरूसे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भगरतीय आयकण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रम, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म के मनु-सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- सर्वश्री रण सिंह, सुरजीत सिंह पुत्र मुकन्य सिंह वासी गांव छगला, तहसील सुनाम ।
   (भन्तरक)
- 2. सर्व श्री मेजर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, करनैल सिंह, जरनैल सिंह गुरभज सिंह पुत्र सुरजीत सिंह वासी गांव छगला, तहसील सुनाम । (भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्णन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्त्राक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्यायम दिखाया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 59 कनाल 17 मरले है धौर जो गांव छगला तहसील सुनाम, में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 1455, जून, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मजन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

मोहर ।

प्ररूप आई० टी॰ एन• एस•--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० पटि०/180/79-80----आतः मुझे सुखदेव चन्द, आपकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्ट अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्बद्धि, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- द॰ से भिष्क है

श्रीर जिसकी सं भूमि का पलाट है तथ. जो बंड्ंगर, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जन 1979

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है भीर मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर सम्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित पहेश्य से सक्त सन्तरण किखित में बास्तविक्य कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन भार देने के घन्तरक के वाजिरव में कभी कन्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर भींधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त परिधिनियम, या धन-कर भींधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जान। काहिए का, क्रियाने में सुविधा के लिए।

भतः वावः, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के वर्धनि, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्बात् :---  श्रीमती गमदूर कौर पत्नी श्री दलीप सिंह वासी पटियाला।

(भ्रंतरक)

 श्री साथन राम पुत्र श्री बीर भ.न,
 श्री मंगल ख.न, जीवन ख.न मारफत मैंसर्ज मेण राज पवन कुमार, करयाना जीलर, भ्रजीत नगर, ाटियाला।

> व रामेश कुमार, बलवन्त राय पुत्र श्री किज लाल ग्रकलाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिए कार्यशास्त्रियां करता हूं।

अनत सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी भाकीप:--

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्योंक्तयों पर सूचना की तामील से 36 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समान्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पादीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं प्रश्नं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलाट जो बङ्गर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2319, जून 1979 में वर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० चण्डी०/71/79-80--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द म्नायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित** म्ह्य 25,000/-रुपये से प्रधिक भीर जिसकी सं० मकान नं० 3258 र तथ जो संख्टर 35-डी० चण्डीगढ़ में स्थित र (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित र), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चण्डीगइ में, रजिस्द्वीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे पूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रन्तरिक (अन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिकि नियम, के भ्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनु-सरण न, म, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, ग्रियीतः →  श्री रनधीर सिंह पुत्र नौरंग सिंह वासी मोहल्ला ग्राहल्यालीया गांव बाबू जिला पटियाला।

(ग्रंतरक)

 श्री ईश्वर सिंह बतरा पुत्र कुलवीप सिंह बतरा, मकान नं० 3258, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस मूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 3258 सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है, (जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के संख्या नं० 389 जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रामकर ग्रायुक्त), (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 फरवरी, 1980।

प्रकप बाई० टी• एन० एस• ----

भायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्रण)

**मर्जन क्षेत्र**, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

मीर जिसकी सं० पलाट नं० 3449 है तथा जो सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और खन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरन के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की को जिन्हें भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, ग्राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपान में मुविधा के लिए;

अक्षः, अम, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 7—486G1/79 शी प्रेम सिंह पुत्त श्री ईश्वर सिंह वासी गांव साहौरां, तहसील खरड़, जिला रोपड़, राहीं श्री पंजाब सिंह पुत्र बन्ता सिंह गांव बोहल, जिला रोपड़।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती ग्रमरीक कौर पत्नी श्री पंजाब सिंह मकान नं० 3449 सैक्टर 35-डी०, चन्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)
- हंस राज मकान नं० 3449 सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां नारता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 4.5 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धंधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पानीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसची

पलाट नं 3449 जोकि सैक्टर 33-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चंडीगढ़ के कार्यालय के संख्या नं 409 जून, 1979 में वर्ज है।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

मोह्ररः

### प्रमप आई० टी॰ एन० एस०-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक भायकर मायुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

सं० पीटीए०/165/79-80--- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द विधिनियम, 1961 (1961) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका** उचित बाजार मृत्य 25,000/- पपर्य से प्रधिक है भीर जिसकी सं० पलाट नारुला कलोनी में है तथा जो पास पंजाबी बाग ग्रौर गर्वमन्ट कालेज ग्राफ ग्रनुकेश्व, पटियाला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1979 को ह्वौंक्त सम्पत्ति के उचित बानार मूल्य से कन के बुश्यमान प्रतिकत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे **बु**ध्यमान प्रतिफल का पन्द्र**ह** प्रतिक्रतसे मधिक है और **मस्तरक (मस्तरकों) भी**र मन्तरिती (मस्तरितियों) के **बीच** ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उत्त अन्तरंग लिखित में वास्तविक कप से कवित

> (क) भ्रम्तरम से हुँइ किमो प्राप्त का बाबत उमा भिर्मित्सम, के भ्रधीन कर देन क भ्रम्लरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/मा

न≰ों कियागया हैः—-

(ख) ऐसी किसी आग या किनी बन पाअन्य आस्तियों हो, विन्हें भारतीय धाप-तर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा या किया भाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्राधानयम, का धारा 269-ग क अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उप-धारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्स्य-

- श्री जसवन्त सिंह पुत्र धातमा सिंह वासी शेरावाला गेट, घास मंडी, पटियाला । (ग्रंतरक)
- श्री दार्विन्दर सिंह पुत्र ऊदम सिंह नाम्ला कालोनी, पटियाला । (ग्रंतरिती)

को यह मूचना जारो काके पूर्वीक्त सम्पन्ति के कर्जन के लिए कार्येशहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
  को भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से तिसी व्यक्ति
  द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़े किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधीहरता-करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त सिध-नियम के भड़्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्ष होगा, जो उस भड़्याय में दिना गमा है।

#### वनुसूची

पलाट जो के नारुला कालोनी पास पंजीबी बाग, पटियाला, में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के संख्या नं० 2094 जून, 1979) में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-980।

# प्रकप माई० टी• एत• एस•----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० चन्छी ०/92/79-80— मतः मुझे सुख देव चन्द, आयकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह किखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये में भिक्त है, श्रौर जिसकी सं० पलाट नं० 2320 है तथा जो सैक्टर 35-सी०, चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिव ह रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्सरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिष्ठितियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के मनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्:—

- कैपटन गंगा घर तानेजा पुत्र श्री मन्गू राम वासी 59/2-बी०, घन्द्र नगर, श्रालम बाग, लखनऊ ।
   राहीं श्री परवीन कमार चायला पुत्र श्री ग्रानन्द प्रकाश चायला , मकान नं० 2387/35-सी०, चंडीगढ़।(अन्तरक)
- श्री सुरीन्दर कुमार चावला पुत्र श्री ए० पी० चावला, मकान नं० 2387, सैक्टर 35-सी०, चंडीगढ ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

क्रकटोफरग: ─ इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलाट नं० 2320 जो कि सैक्टर 35-सी चंडीगढ़ में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के संख्या नं० 490 जून, 1979 में दर्ज है)।.

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**:15-2-1980

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

# आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

# अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

श्रौर जिसकी सं० मकान 56 बिगे 15 बिस्वे में है तथा जो कानमझन कला, राजपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कियत नहीं दिया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के यनुसरण में, मैं, उन्त धिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री चरनजीत लाल पुत्र श्री मेला राम पुत्र श्री मर्जन दास, वासी गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाउनशिप।
   (अस्तरक)
- श्री जरनैल सिंह, जैमल सिंह पुतान श्री तारा सिंह, सपूत्र श्री कुराहाल सिंह, गांव डन्कान्सू कलमा, तहसील राजपुरा जिला पटियाला

(ग्रंतरिती)

को यह यूचना जारी इस्केपूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### छक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाशर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शास्त्रोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और विंका, जो 'खक्त क्रिकि नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो सस ग्रन्थाय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 56-बी०--15-बी० जो कि डकान्सू कलां राजपुरा में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता राजपुरा के कार्यालय के संख्या नं० 1611 जुलाई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15-2-1980 मोहर: प्ररूपं भाई० टी० एन० एस०----

ज्ञायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन क्षेत्र, लुधियाना
लुधियाना, विनांक 15 फरवरी, 1980

मं० चन्डी/83/79-80—ग्रत० मुझे सुखदेव चन्द धायकर घंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत घंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का छारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- चपए से घंधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 56, साइट नं० 172 है तथा जो सैक्टर 11-ए०, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), जो रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का लग्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यग्नह प्रतिगत से अधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया भतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की वाबत, दक्त पश्चित्रयम के अभीन कर देते के प्रस्तरक के वाधिस्य में कृषी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; पौर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त प्रधिनियम, या अन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया थ। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः धन, उनत ग्रधिनियम की बारा 269नम के धनुसरक में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 209-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों खर्णात्:—

- श्री निरन्दर सिंह पुन्न श्री कृष्ण सिंह.
   श्रीमती अजिन्दर कौर पत्नी श्री निरन्दर सिंह वाही मकान नं० 2118, सैक्टर 15, चन्डीगढ़।
   (श्रन्तरक)
- श्री बी० एस० बेदी पुत्र डा० के० एस० बेदी,
   श्रीमती मोहिनी बदी पत्नी श्री बी० एस० बेदी,
   वाही 503, मैक्टर 18-बी०, चण्डीगढ़ौ (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील छे 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे!

हर्य डोकरण:--इसमें त्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उच्त प्रक्षितियम, के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं पर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनु सूची

पलाट नं 56, साईट नं 0 172, सैक्टर 11-ए०, चण्डीगढ़ (जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के जिलेख संख्या 438, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 फरवरी 1980

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन क्षेत्र, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

मं० एसएमएन/18/79-80—- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित अजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है

और जिसकी सं भूमि 71 कनाल 4 मरले हैं तथा जो गांव बहमना तहसील समाना में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, समाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्स ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में म, यक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :---  श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री विशन सिंह वासी बहमना तहसील समाना।

(ग्रंतरक)

 श्री दलीप सिंह पुत्र श्री श्रारम सिंह वासी वासो गांव हाजीपुर, तहसील समाना।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त भाव्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गवा है।

#### घनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 71 कनाल 4 मरले है श्रौर जो गांव बहुमना तहसील समाना में स्थित है।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी समाना के कार्या कार्यालय के विलेख संख्या 318, जून 1979 में दर्ज हैं)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980 I

प्रकथ प्रार्ड के टी व एतं व एस -----

प्रायकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

**धारत सरका**र

कार्यानय, महायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज आयंकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी. 1980

सं० बी-आरएन/40/79-80—-प्रतः मुझे मुख्येव चन्द पायकर यिधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिमका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रुपए में प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 8 कनाल 7 मरले हैं तथा जो गांव बरनाला, तहसील बरनाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बरनाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से इस के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे षृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किंवत नहीं किया गया है :---

- (का) सन्तरण में हुई किसी धाय की वाबता, उकत अधिनियम के धश्चीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुनिधा के किए; बीर/या
- (उ) ऐसा किसे पाय सा कान वा प्रत्य कारिनयों की जिन्हें भारतीय शाय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या. धियाने में भृषिष्ठा के किए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की बारा 269 न के अनुसरण में, मैं, चक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :—  भी जोरा सिंह पुत्र श्री बूधा सिंह पुत्र श्री मताव सिंह वासी गांत्र बरनाला, तहसील बरनाला।

(ग्रंतरक)

2. सर्वश्री भगवान दास, प्रेम चन्द, बलदेव कुष्ण, भीम सैन पुत्र श्री हरवन्स लाल पुत्र श्री बीर चन्द, साधूराम, सुरिन्दर कुमार, प्रेम चन्द पुत्र श्री मोती राम पुत्र श्री राम रत्न वासी गांव बरनाला, तहसील बरनाला।

(ग्रंतरिती)

को यहसूचना बारी हरह पूर्वीका सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप :---

- .क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की जारीय में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त हाती ही, के मातर ह्वींका व्यक्तियों में प किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दिक्की अन्य व्यक्ति द्वारा भधोड़ स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदो का, जो उक्त धिवियान के शब्दाय 20-क में परिमोचित हैं बह्वो अर्थ ़ागा, को उस अक्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 7 मरले है श्रीर जो गांव बरनाला, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3665, जून, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव जन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुक्रियाना

तारी**व** : 15-2-1980 ।

प्रकप धाई • टी • एन • एस • - --

बायकर कश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269न(1) के सदीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जरवरी 1980

ग्रौर जिसकी सं पलाट नं 31-ए, 1000 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रीग्रल एरिया, ए०, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के स्वित बाखार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रकारत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाखार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का विश्वह प्रतिश्वत भिष्ठक है भीर प्रन्तरक (अंतरको) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निन्निविद्यत उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण विविद्य में वास्ति क रूप ने कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के बाधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के खिए। धौर/या
- ्ख) ऐ ा किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रित्यम, या धन-कर अभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—  श्रीमती विमला कपूर पत्नी मुकन्द लाल कपूर मारफत मैसर्ज राज ब्रदर्ज, रमन मारकट, लुधियाना ।

(भ्रंतरक)

2. श्रीमती नरिन्दर कौर पत्नी श्री चरनजीत सिंह पुत श्री गुरबक्स सिंह वासा बी० 9106, मोचपुरा, लुधियाना । श्री प्रमिन्दर सिंह पुत्र श्री खजान सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह मारफस मैसर्ज नैशनल मशीन टूल्ज,

नेशनल रोड, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संबंधि या तसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन ही सबिध, जी भी सबिध बाद में सभाष्त होती हो, के भीता पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड किसी भन्य श्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण: -- इसमें प्रयुक्त गडदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलाट नं० 31-ए, जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है श्रौर जो इंडस्ट्रीयल एरिया "ए०" लुधियाना में स्थित है।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1583, जून, 1979 में दर्ज है)।

> (सुखदेव चन्द) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
सुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

स॰ एसएनजी/66/79-80--- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि 3 बिघा है तथा जो गांव ग्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, दुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत ग्रधिक है भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भ्रन्तरिती (ग्रन्नरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित

> (क) भ्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसे किसी ध्राय या किसी धन या ग्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्ः~~ 8—486GI/79  श्री राम वास पुत्र श्री कुन्यन लाल वासी श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती लाभ कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह वासी बदरूखान, तहसील संगरूर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करत हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ट-नियम के श्रद्भ्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रद्भाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा है श्रौर जो गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी संगरूर के कार्यालय के विलेख सख्या 1202 जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीण सहायक भ्रायकर (श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखा : 15-2-1980 ।

## प्रकप भाई० टी • एन • एस • -----

आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजयः सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० एसएनजी/70/79-80—म्प्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयक्तर आधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र • से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 4 विधा पक्का है तथा जो गांव श्रकोई साहिब तहसील संगरूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय संगरूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6/79

को श्वीकत संगत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिमा से प्रधिक है भीर घन्तरित (अन्तरकों) भीर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण शिखित में बास्त-विक का मे कियत नहीं किया गया है:--

- (कः धन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उपत अधि-नियम के मधीन कर देने के भगरक के बायित्व में कमी करने या जससे वचने में सुविधा के किए। भीर/या
- (खः ऐसी किसी भाग या किसी बन या धन्य बास्तियों को, जिन्हें भागकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या बनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृग वा या किया जाना वाहिए था, जिलाने में सुविधा के लिए;

पतः अव, उक्त भिष्नित्यम की धारा 26% ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिष्नियम की धारा 269 में की उप-धारा (1) अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री राम वास पुत्र श्री फुन्दन लाल वासी प्रकोई साहिब तहसील संगरूर।
- श्री म्रजैब सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह वासी बंगांवाली तहसील संगरूर।

(म्रंतरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी माओप 1→→

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडदीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों घोर पदों का. जो छक्त प्रश्चित्तयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही घर्ष होगा, को उस बहयाय में दिया गया है।

### भनुतूषी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है श्रौर जो गांव श्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1206 जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-8-1980।

### प्रकप ग्राई • टी ० एन • एस •

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० एसएनजी/69/79-80--श्रतः मुझे सुखदेव चन्द बायका पित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को खारा 269-ख के पधीन सद्धम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ ६० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि 3 बिचा पक्का है तथा जो गांव स्रकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब स्रमुस्ची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय संगरूर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 6/79

को नूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यसान प्रतिफल के लिए पर्निर की गई है भीर मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृष्यमान प्रतिथल के पर्याह प्रतिभात से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) भीर धननिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उनत अक्तिथम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए। धीर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियां को, जिन्हें भगतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधनियम या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोधनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के भिए;

भतः, म्रबं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के घनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :—  श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी श्रकोई साहिब, तहसील संग्रूर ।

(अंतरक)

 श्रीमती चान्द कौर पत्नी श्री रघवीर सिंह . वासी बंगांवाली तहसील संगरूर।

(ग्रंतरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ने भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य न्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी ने पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उपत भ्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयें होगा, जो उस भ्रम्याय में दिया हुआ है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा (पक्का) है ग्रीर जो गांव ग्रकोई साहिब, तहमीन संगरूर में स्थित है।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1205 जून 1979 में दर्जे हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० बीआरएन/31/79-80—- ग्रतः मुझे सुखदेव चन्य, ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत ग्रिवित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रे० से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी सं ० भूमि 46 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव नैनेवाला, तहसील बरनाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितबाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भ्रम, उपत अधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:—

- 1. सर्वंश्री जोगिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र हरवक्श सिंह पुत्र नन्द सिंह श्रीमती बीरइन्दर कौरविधवा श्री जसबन्त सिंह पावर श्राफ ग्रटारनी श्री ग्रमर सिंह पुत्र पूरन सिंह बनाम समपूरन सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह गांव नेनेवाला तहसील बरनाला। (अन्तरक)
- सर्वेश्री लाल सिंह, बाबू सिंह, बलौर सिंह, निर्मेल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र श्री बसत सिंह वासी नैनेवाला, तहसील बरनाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो की श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ष्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 8 मरले है श्रीर जो गांव नैनेवाला, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2881, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रैंज, लुधियाना ।

तारीखा : 15-2-1980 ।

प्ररूप शाई० टी०एन० एस०—⊣

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक प्रायक्तर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० लुधि०/199/79-80—- श्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्रात सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- व्यए से श्रधिक हैं

और जिसकी 31 K है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
करण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) घौर धन्तरिती
(प्रन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या
प्रतिफल निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायि**रव में** कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राश्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-फर प्रधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाड़ियं चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-भ की उपधारा (1) अभीन, विक्लाविक व्यक्तियों, अर्वात् 1~~  श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री पिशौरा सिंह वासी बुज हुकीम (सुधियाना)

(ग्रम्सरक)

 श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी श्री हरपाल सिंह गांव ब्रुज हकीम (लुधियाना)

(मतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन जिएकार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आयोप :----

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 46 दित की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दित की धविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 46 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिनकर किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

श्वब्दी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त भिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही भवें होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

# प्रमुखी

1/3 भाग पलाट न० 31-ते०, मराभा नगर लुधियाना 266-2/3 वर्ग गज

जायदाव जमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख न० 1748 जन, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निवेश स० लुधि०/163/79-80— ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रोर जिसकी सं 40-के, है तथा जो सराभा नगर, लुधियना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख जन 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिविनयम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:---

- 1. श्रोमित राजिन्द्र कौर पत्नी श्री हरपाल सिंह गांव बुरज हकीमां (जगराद्यों) (अन्तरक)
- बाबा सिंह रंघावा पुत्र प्यारा सिंह रंधावा गांव रंघावा (फिल्लौर)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 भाग प्लाट नं० 40-के०—266-2/3 वर्ग गज सराभा नगर लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के विलेख न० 1510 जून, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15-2-1980।

प्र**रूप भार्ष** टी॰ एन॰ एस∙----

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 15 फरवरी, 1979

सं० लुझि०/164/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द श्रायकर प्रथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त श्रिधित्यम' नहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-धपए से प्रधिक है

धौर जिसकी स० 40-के० है तथा जो सराभा नगर, लुद्धियाना में स्थित है (धौर इससे उपाबद ध्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री हर्ता घ्रिष्ठ कारी के कार्यालय लुद्धियाना में, रिजस्ट्री-करण घ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रद्धीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उणित बाजार मूस्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत से ग्रीवक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के म्रधीन कर देने के मग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रक्रिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र स० पिशौरा सिंह बासी बुरज हकीमां (जगराझों)। (अन्तरक)
- 2. श्रीबावासिंहरंधावापुत्र स०प्यारासिंहरंधावा वासीरंघावा (फिल्लौर)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के गर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त भिनियम के भ्रष्टाम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

2/5 भाग 40-के०, सराभा नगर लुधियाना, 566-2/3 वर्ग गण ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के विलेख नं० 1511, जुन 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रापुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रैंज, लुधियाना

तारी**ख**: 15-2-1980।

# प्रकृप भाई • टी • एत • एत •---

भागकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के ग्रीवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधि०/202/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं तीन दुकानें य मकान है तथा जो 428-मार०, माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (प्रौर इससे उपावद अमुसूची में भौरपूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कन के कृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके कृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रम्तरक (ग्रन्तरकों) गौर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त ग्रन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत प्रधिनियम के प्रभीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुखिन्ना के लिए;

ग्रतः अव, उक्तं ग्रधिनियमं की घारा 269-ग के ग्रनुसरक में, में, उक्तं ग्रिधिनियमं की घारा 269-व की उपग्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→-

- श्रीमती प्रकाश वती पत्नी श्री इन्दरजीत सिंह मारफत मैंसर्ज एवरैस्ट कलाथ मिरुज, जी० टी० रोड, गाजीयाबाद (यू० पी०) (श्रंतरक)
- श्रीमिति इन्दर कौर पुत्री श्री ज्ञान सिंह 562, माडल टाऊन, लुधियाना ।

(श्रंतरिती)

- 3. (1) श्री कृष्ण लाल
  - (2) श्री ग्राज्ञाकार सिंह
  - (3) श्री राम लाल मर्मा

मार्फत 428-ग्रार०, भाडल टाऊम, लुधियाना।

> (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी अगरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ग्रारा;
- (क) इस मूचना के राजधन में प्रकाणन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

तीन दुकानें व मकान 428 ग्रार, माडल टाऊन, लुधियाना। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1777, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **के ग्र**िबीन सूचना **भारत** सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

सं० खन्ना/20/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं० जमीन 1 कनाल 13 मरले हैं तथा जो खन्ना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वात करने का कारग है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— 9—486GI/79  श्री करतार सिंह पुत्र नन्द सिंह पुत्र जेठा सिंह नजदीक मोहल्ला काली रौना, खन्ना ।

(भ्रंतरक)

 श्री वास देव सुरजीत कुमार मार्फत गोल्ड लिंक रेडियो कार्पोरेणन, जी० टी० रोड, खन्ना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलाट 1 कनाल 13 मरला खन्ना।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी खन्ना के विलेख नं० 592 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुद्धियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आरम्बर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-**ण** (1) के शंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/91/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्गे इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रीत सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि का पलाट, 2 कनाल 3 मरले (1485 वर्ग गज) है तथा जो नाभा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6/79 को

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह चिण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रोर अन्तरक (प्रम्तरकों) और अन्तरिती (ग्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त धिषिषम के घधीन कर देने के घन्उरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: धोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गया या या किया आना चाहिए धा, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अपध्यक्त (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री हीरा लाल पुत्र श्री ह्र्यन्स लाल यासी (नैधारा) लुधियाना।

(भ्रंतरक)

 श्रीमती स्वीत्री रानी पत्नी श्री वीरबल दास पुत्र माघी राम वासी घाम मण्डी नाभा।

(भ्रांतरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत समानि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  ध्रक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अग्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं प्रयं होगा, वो जस अध्याय में दिया गया है।

#### अ**म्स्ची**

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 3 मलले (1485 वर्ग गजा) है और जो नाभा में स्थित है।

( সংশিষ্য সীনা কি रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 983, ज्न 1979 में दर्ज है )

> ुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 19 फर्बरी, 1980।

### प्रकप बाई•टी•एन•एन•----

भायकर विधिनियन, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-थ (1) के घडीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुघियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निवेश मं० शिमला/19/79-80---प्रतः मुझे सुखदेव चन्द घायकर घिष्टिमयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 🕶 से मिषक है भीर जिसकी सं० पलाट नं० 4, 1665 वर्ग गज है तथा जो स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला, शिमला में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्द्वीकर्ता श्रंधिकारी के कार्यालय शिमला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार पूरुप से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमात प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐस अम्बरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप ये कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त धिविनयम की धारा 269-य के धनुसरण में, में, उक्त घिवियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीम, निस्नमिखित स्यक्तियों, घर्वातः—

- श्रीमती डी० कृष्णा परेनी श्री प्रकाश कृष्ण
   24-ए०, निजामुदीन, बैस्ट, दिल्ली ।
   (ग्रंतरक)
- 2. श्रीमति नरिन्दर कौर विधवा श्री अजीत सिंह

व सवरण सिंह, लैं० हरप्रीत सिंह पुत्र श्री श्रजीत सिंह वासी सुन्दर भवन, टूटू, तहसील व जिला शिमला (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संग्रंत में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूवना के राजाज में प्रकाशन की नारीख क्षे 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखिन में किये का सर्केंगै।

न्यब्हाकरण: →-इनमें प्रपृक्त गन्दों पोर नदां का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिषाणित है, बही अर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 4 जिसका क्षेत्रफल 1665 वर्ग गज है ग्रीर स्टबन वार्ड, बड़ा शिमला, शिमला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 339, जून, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखः : 19 फरवरी, 1980 ।

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चण्डी ०/121/79-80--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 1252 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है शीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या सन्य स्नास्तियों की, जिन्हें भारतीय स्नायकर स्निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्निधिनयम, या धनकर स्निधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ब्रामुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:—  श्री वेद प्रकास म्रहूजा पुत श्री जीवन मल म्रहूजा वासी मरका भान ट्रस्ट, स्रार्य नगर, ज्यालापुरा, जिला सहारनपुर।

(ग्रंतरक)

- श्री शमशेर सिंह गुकला पुत्र श्री पूरन चन्द वासी मकान नं० 2099, सैक्टर 27-डी०, चण्डीगढ़।
- गवर्नर श्रॉफ हिरियाणा द्वारा डिप्टी सैक्ट्रेरी चण्डीगढ ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु संपति में हितबद्ध है)

को यह -सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सुवता के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ननापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

पलाट नं ० 1252, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ (जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय, के विलेख संख्या 659 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-2-80

प्ररूप भाई० ठी० एन० एस०-

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुनियाना

ल्धियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

सं० सरहिन्द/72/79-80---- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-द• से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि का पलाट नं० 4-6 विघा है, तथा जो गांव स्रजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है (ग्रीट इससे उपाबद श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1979

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भक्षिनियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—  श्रीमती हरनाम कौर विधवा मेजर जनरल जसवन्त सिंह द्वारा जनरल श्रटारनी श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह गांव ग्रजनाला तहसील सरहिन्द जिला पटियाला।

(भ्रंतरक)

 मैसर्ज रैहल इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन, जी०टी० रोड, मण्डी गोविन्दगढ़, द्वारा सर्वश्री हरमेश सिंह, गुरदीप सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र श्री श्री राम, मण्डी गोविन्दगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो 'छबत ग्र'धिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्ब होगा जी उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुदूषी

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4-6 विघा है और जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 947, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक बायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चण्डी०/82/79-80—- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 3119, है तथा जो सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अप्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात् :—

- मेजर जनरल के० के० तथारी, ए० बी० एस० एम० (रिटाईरङ) पुत्र डा० सी० डी० तथारी, मारफत बरगेडियर हरचन्द सिंह मकान नं० 1369, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ द्वारा जनरल भटारनी मेजर स्रोंकार नरायण सिंह पुत्र श्री हरनरायण सिंह वासी 1357-सैक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (भ्रंतरक)
- श्रीमित जिसिन्दर कौर पुत्री श्री मोहिन्दर सिंह पत्नी श्री (मेजर) ग्रोंकार नरायण सिंह वासी मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए, वण्डीगढ़।

(मंतरिती)

श्री के० के० तथारी (मेजर जनरल)
 श्रीमति जिसन्दर कौर पत्नी
भेजर म्रोंकार नरायण सिंह
भकान नं० 460, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़।
 (यह व्यक्ति जिसके म्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में ∰माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20 के में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

पलाट नं० 3119, सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़। (जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 421, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), ध्रजैन रेंज, लुधियाना

**विनांक** : 19-2-1980

प्ररूप आई• टी• एन• एस०~~~~

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

# मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चण्डी ० / 70 / 79-80— ग्रातः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके ध्रश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- वपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 3119 है तथा जो सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वे कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है पीर मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एक्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धायकी बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर मिश्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिताने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुः सरण में. में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपजारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् ।——

- मेजर जनरल के० के० तवारी, ए० बी० एस० एम० (रटाईरड),
  पुत्र डा० सी० डी० तवारी,
  मारफत बरगेडियर हरचन्द्र सिंह
  मकान नं० 1369, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़,
  द्वारा स्पैणल श्रटारनी मेजर श्रोंकार नरायण सिंह
  पुत्र श्री हरनरायण सिंह
  वासी मकान नं० 1357, सैक्टर 34 सी०, चण्डीगढ़।
  (अन्तरक)
- श्रीमित जिसन्दर कौर पुत्री श्री मोहिन्दर मिह पत्नी श्री (मेजर) श्रोंकार नरायण सिह वासी मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- 3. श्री के० के० तवारी (मेजर जनरल)
  मकान नं० 3119, सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़।
  श्रीमति जसिन्दर कौर परनी मेजर ग्रोंकार नरायण मिह
  मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए०, चण्डीगढ़।
  (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उबन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की धवधि, जो भी धविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गम्यों और पयों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिवासित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याप में विया गया है।

### ग्रन्सूषो

पलाट नं० 3119 सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 385 जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 19-2-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० लुधि०/180/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्न श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन प्रक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर-संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी०-1/440 (नया) है तथा जो पुराना नं० बी०-1/264 बिंद्राबन रोड, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीतः—  मनोहर लाल पुत्र किशोरी लाल बाग नौहरिया मल जैन, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

2. बाल कृष्ण पुत्र सन्त लाल पुत्र नन्ध लाल बी०- ${
m IV},\ /1355-56,\ {
m H}$ सरा मोहल्ला, लुधियाना ।

(अंतरक)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्यत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रमाति के अर्जन के यन्त्रन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इन सूबना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में ननाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टी करण :- - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो ग्रायकर श्रिवितयम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उन्न श्रष्ट्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० बी०-I/440 (बी०-I/264) विन्द्राबन रोष्ठ, लुधियाना ।

(जापबाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 1628 जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजृत रेंज, जुबियाना

तारीख: 19-2-1980

प्रकृत सार्ष्ठ ही । इस । इस । ....

बावकर प्रधितिवम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269-घ (1) के प्रधीन कुषवा

#### चारत सरकार

कार्बासय, सङ्घायक प्रायकर ग्रायुक्त (विरीक्षण) ग्राजैन हेंज सुद्धियाना

मुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/200/79 -- 80--- अतः मृते सुवदेव वस्य

बायनार प्रवित्तिवन, 1961 (1961 का 43) (बिते इसमें इसके परवात 'उन्त प्रवित्तिवन' कहा नवा है), की बारा 269-क के प्रवीत सबस प्राविकारी की, वह विस्तास करने का कारच है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृश्य 25,000/- व-से प्रवित्त है

भीर जिसकी सं० बी-II-1695 है तथा जो पुरानी सब्जी मन्दी मृधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मृधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के पृत्यमान अविकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अवके पृत्यमान प्रतिकत का प्रतिकृत से प्रतिकृत से प्रतिकृत का प्रतिकृत का प्रतिकृत से अविकास है और अन्तरिकृत (अन्तरिकृत) और अन्तिकृती (अन्तरिकृती) के बीच हेते अन्तरण के लिए तब जाता बना प्रतिकृत, किम्नकित्वत छहेश्य से उच्त अन्तर्च किक्कि के से क्षित नहीं किया गया है :—

- (श) बन्दरन के हुई जिली मान की नामत क्यत वाल-नियन के प्रशीन कर देने के प्रनारक के वालिन में कमी करने ना उससे वचने में सुविधा के बिचे; शीए/गा
- (च) ऐशी किसी नाम मा किसी जन मा नाम वास्तिओं को, जिन्हें भारतीय प्रावकर एजिनियन, 1922 (1922 का 11) मा स्वत प्रजिनियम ना अन-कर नियम, 1957 (1967 का 27) के त्रकोजनार्व धन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया ना, मा किया जाना नाहिए था, जिनाने में मुविशा के जिने;

बता सब, उनत अधिनियम की बारा 269ना के समुद्रद्य में, में, उन्त अधिनियम, की सारा 269ना की उपस्रदा (1) के अधीन निम्निजियत अभिज्ञां, सर्वाव् 10—486GI/79 1. महिन्त्र सिंह पुत्र करम चन्त्र पुत्र हरी सिंह गांव गहौर (क्यूहा) जिसा होशियारपुर (ग्रंतरक)

 श्री संत प्रकाश पुत्र साई दास मार्फत गनेत साईनल चारक 173, वंगकीर रोड, वैजरी (करनाटका) (यंतरिंडी)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के प्रजेन के विद्यु कार्ववादियां करता हूं।

उन्द सन्तरि के पर्वन के सन्वन्त में कोई भी मानेप:--

- (क) इत सूचना के राजपत में जनावन की तारीब से 48 दिन की प्रविध या तस्तम्बंधी व्यक्तियों वर शूचना की तामीस के 30 दिन की प्रविध, को भी जनकि वाव में ब्रमाण्य होती हो, के जीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के विश्वी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की डाचैच के 45 दिन के भीतर पनत स्वावर सम्पन्धि में दिवस्त किसी सन्य व्यक्ति डारा, स्थोइस्ताकरी के पाथ सिवित में दिसे वा क्येंचे।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्चों का, जो हक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं धर्ष होगा, को उस घड़वान में दिया गया है।

# नगुपुची

दुकान नं• बी-II/1695, पुरानी सजी मन्द्री सुधि-वाना ।

(जायबादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख नं 1754 जून 1979 में वर्ज है )।

> मुखबेव भार सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रक्त रेंज, लुधियाना

सारीच 1**0 फरवरी, 1980** । मीहर : प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भागकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

मुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० ए०एम०एल०/44/79-80--- मृत्ते सुख-देव चन्द

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम गांधि कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिल्ला उचित बाजार मूच्य 25,000/ द्रप्ये से अधिक है

भौर जिसकी सं बेती के लिये जमीन 10 क 15 क है तथा जो गांव जमरों सब तहसील धमलोह में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धमलोह में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के धधीन जून, 1979 को

वृत्रंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कार ग है
कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
धौर धन्तरिक (प्रन्तरिकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के
बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
खदेश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तिवक्त कप से कथित नहीं
किया गया है:—-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर भ्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, सब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्निसिवित व्यक्तियों, प्रयोग्:--- 1. भी वया राम पुत्र शयाना गांव नसराती, सब तह-सील धमलोह जिला पटियाला (धंतरक)

2. सु/श्री नछतर सिंह, करनैल सिंह, पुत श्री बाबू सिंह सु/श्री राजिन्द सिंह, निर्मल सिंह पुत्र सुरणीत सिंह सु/श्री बलविन्द्र सिंह, गुरदीर सिंह पुत्र मलिकयत सिंह गांव कुनकढ़ साजरा सब तहसील धमलोह जिला पटियाना (धंतरिबी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के सर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सन्नति ने श्रर्जेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन को प्रविद्य या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति बारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास खिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुसूची

खेती वाली जमीन जो के 10 व 15 व गांव जसवो भी स्थित हैं। (जायदादा जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता धर्षिकारी धमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या मं० 488 जून, 1979 में वर्ष है।

> नुवरेव पण्य सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) जजैन रेंज, जुमियाना

तारीच 19 फरवरी, 1980। मोह्र त्रक्ष्य माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

नायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

बायनर प्राधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' महा गया है), की धारा 269- खं ने अधीन सम्म प्राधिनारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से बिक है

भौर जिसकी सं० खेतीबाड़ी वाली जमीन 100 कनाल 17 मरला है तथा जो बाहामना तहसील समाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय समाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिधन सारीब जून, 1979

को उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए खन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत धिक्क है और धन्तरिक (अन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरिक के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बाग्तविक रूप से कथित नहीं विश्वा बना है।---

- (च) यन्तरण से हुई निक्षी पाप की बावत, उक्त जिथि-नियम, के भ्रष्टीन कर बेने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविजा के लिए; जीर'या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 19.22 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्नरिती द्वाराप्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उन्त बिधिनियन की घारा 269न्य के अनुसरण में, में, उन्त घिधिनियम की बारा 269न्य की उपवादा (1) के बधीन, निम्नसिबिट व्यक्तियों, धर्माव्ः —

- श्रीमति जस कौर व मान कौर पुत्री श्री सुन्दर सिंह् गांव, बाहामना, तहसील, समाना । (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रमर सिंह पुत्र सरवन सिंह गांव बाहामना, तह्सील समाना (भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है।

**उ**त्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेपः--

- (क) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवांध, जो भी घविष्ठ वार्ष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राज्ञात्र में प्रकाशन की नारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ िसी ग्रस्य श्यनित द्वाराः, स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पस्तिकरण 1--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जी उक्त श्चितियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रश्नेद्वीमा जी उस शब्दाय में विया गया है।

# अनुसूची

बतीबाड़ी वाली जमीन 100 कनास 17 परसा चौ के गांव बाहामना तहसील समाना में स्थित है (ओ के रिजस्ट्रीकर्ता भक्षिकारी सामाना के कार्यालय के विलेख नं• 30 4 जून 1979 में दर्ज है।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्षण रेंच, वृधिमादा

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्ररूप भारे ही एत एस-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के भवीन सूचका

भारत सरकार

कायौलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्रण)

मर्जन रेज, लुधियाना

सुधियाना विनोक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पीटीए/196/79-80---प्रतः मुझे सुब-देव चन्द धायकर विधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- देक से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० ब्लाट नं० 146न्सी है तथा थो माडल टाउन, पटियाला में स्थित है (मौर इससे उपाबद मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्या- मय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 म्य. 10) के राष्ट्रीय करिए कर 1000

का 16) के प्रधीन तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के वृत्यमान
प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है पीर मूझे वत् विश्वात
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है पीर प्रन्तरिक (प्रन्तरिक) और
अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिक के किए तब पावा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च प्रन्तरिक किथित में
वास्तविक क्य से किथित नहीं किया नवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिलियन के मधीन कर देने के बन्तरक के प्रामित्व में कमी करने या इससे क्वने में सुविधा के सिए; भौर/मा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी बन वा अन्य भारितवों को जिन्हें भागकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भविनियम, या अनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहेद वा, कियाने में सुविद्या के बिद्य;

अनः प्रन, उक्त अधिनियम, को बारा 269-म के प्रनुबरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के बधीन निम्नविचित्र व्यक्तियों, प्रचीद् :--- 1. श्रीमति पूरना देवी पत्नी सूरज भान वासी मोहला नान् मल पटियाला । (ग्रन्तरक)

2. बीमित राज देवी पत्नी श्री मदनलाल भला मौलाध्य मान् मल पढियाला (भ्रंतरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन की सबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी
  सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ें किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घटोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए जा सर्केंगे।

श्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ध्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं ० 146-जो के माडल टाऊन पटियाला में स्थित है (जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भएकारी पटियाला के कार्यालय के विसेख संख्या नं • 2545 जून 1979 में वर्ज है । )

> सुखदेव चन्त्र सद्यम प्राधिकारी अञ्चायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रॅंग, सुधियाना ।

तारीका 19 फरनरी, 1980 । मोहर: प्रकृष गाई ॰ टी ॰ ऍन ॰ ऍस ॰ ———— आनक्तर मंत्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्राप्तीन सचना

मारत शरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरोक्तण)

मर्जन रेंज, बुविधाना

चुवियाना, दिनांस 19 पारवरी, 1980

निवेश सं∙ एनशीए/105/79--80----प्रतः मुझे सुखवेत पत्त

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार पृक्ष 25,000/-र• से विश्वक है

धीर जिसकी सं कोतीवाड़ी वाली जमीन 23 बीचे 14 विस्थे है तथा जो गांव धागेता तहसील मामा में स्थित है (धीर इससे उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती इधिकारी के कार्यालय नाभ, में, रजिस्ट्रीकरण धांधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उनित नाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए मस्तरित की गई है और मुझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उजित नाजार मूल्य, जसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर भन्तरक (मस्तरकों) कोर जस्तरि है (मस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नशिक्ति उद्देश्य से उन्तर भन्तरण निवित में नास्तरिक कप से कचिन नहीं किया यहा है।

- (च) अन्तरम से हुई किसी घान की बाबत, उक्त यधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के वाधित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर व्यक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए ा, छिनाने में सुनिधा के लिए।

ज्ञा धन, उक्त प्राधानयम की बारा 269-न के प्रमुक्तरण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-न की उनवारा (1) भ्राधीन निम्मविचित्र स्पन्तियों, बचौद:---

- 1. त्री निरमें ह सिंह भौर श्री चरनजीत सिंह पुत बी हरनेक सिंह, गांव भागेता तहसील नाभा (भन्तरक)
- 2. श्री भगवन्त सिंह, गुलजार सिंह, गुरंमीत सिंह धौर कुलवन्त सिंह पुत्र श्री चन्द सिंह गांव प्रागेता तहसील नामा (संतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाखेप :----

- (क) इन सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की प्रविध वर तत्क्वस्वरंधी व्यक्तिंवी वर्ष सूचना की तामीच से 30 दिन की प्रविध, को की श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्विक क्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीं के 45 दिन के भीतर उनत स्नावर सम्पत्ति में दिवबंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ता तरी के पासं निकितं में किए जा सर्वोगे।

स्राच्छी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत कर्जिन तियम के प्रध्याय 20-क में परिकासित हैं; यही: अप होग/ को उस प्रकाय में दिया गया है।

# मगुसूची

बेतीयाड़ी वासी जमीन 23 बीधा 14 विसवा जो कि गांव धागेता में स्थित है। (जो कि रजिस्ट्रीकर्ता घक्षिकारी नामा के काबी-लय ने विलेख संख्या नं > 1063 जून 1979 में दर्ज है)।

> तुष्येय पन्य वयम प्राप्तिकारी बद्दानक ग्रापकर धायुरस (निरीक्तन) ग्राप्तिन रेंच, बुद्दिनाचा

तारीख: 19 फरवरी, 1980

नोद्दर:

प्ररूप बाई० टी० एत० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनोक 19 फरवरी 1980

निदेश स॰ एसभारडी/94/79-80---भ्रतः मुझे, सुबदेव

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

मीर जिसकी स॰ भूमि 24 कनाल है तथा जो गाँव वराहमन माजरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक प्रमुख्यी में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक एप के विषय नहीं किया गया है:—

- (♥) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त घिष-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त धिवियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के भन्नीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यातः—

- भी करतार सिंह पुत्र भी दया सिंह, वासी गांव चेड़ा, तहसील सरिहन्द (पटियाला) (धन्तरक)
- 2. श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव संगतपुर, तहसील सरिहन्द, श्री प्रीतपाल सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह वादी गांव वारा व श्री वलदेव सिंह पुत्र डानी सिंह वांव खेड़ी तहसील सरिहन्द (पढियाला) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपड़िकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा थी उस घड़्याय में दिया नदा है।

#### समस्यो

मूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है भौर जो गांव बाह्य मन माजरा सहसीस सरहिन्द में स्थित है।

(जायेवार कि जैसा रिजिस्ट्री क्वाँ प्रशिकारी सरिहम्स के कार्यांजय के विनेख संख्या 1226 जून 1979 में वर्ज है।)

> भुवादेव चन्ध संबाग प्राधिकारी सङ्घायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) धर्मेन रेंज, गुवियाना

तारीच : 19-2-1980

नोहर:

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-----

भागकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज नृधियाना

मुबियाना, दिनोकः 19 फरवरी 1980

निवेत र्व० एनवीएच/191/79—80——झतः मुझे सुख-वेत सम्ब

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभाग प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० ने

नौर जिसकी छ॰ जायेदाव न॰ बी-8-5-1/9 है तथा जो गोकन रोड, नुवियाना में स्थित है (बीर इससे उपाबद धनु-सूची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय नुवियाना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या िस्सी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर प्रावतर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उपत प्रशितियम, भी बारा 269-ग के प्रतुप्तरण में, में, उपत प्रशितियम की बारा 269-च की उपवारा (1) के बाबीन निक्नतिबित क्यप्तियों बचौत ---- 1. श्री हरी गोपाल पुत्र श्री बारू मल पुत्र श्री गनेशा मल नी-6-612 हुन्दा बैनी राम, सिथाला शगली वाला, वृष्टियाना (सन्दरक)

2. थी राम चन्द पुत्र श्री जमता दास मकान न० बी-2-257 मोइल्ला करीम, पुरा लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्शेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो छक्त ग्रिक्षितियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस धट्याय में विया गया है।

## **श्रन्**श्ची

जायेदाद नं बी०-8-6-1/9 गोकल रोड, सुधियाना । (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सुधिवाना के कार्यांतय के विलेख संख्या 1704 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुक्षदेव वश्व सक्षम∷प्राधिकारी सद्वायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, लक्षियाना

तारीच: 19:2-1980

मोइंर:

प्रकप भाई० टी॰ एन० एस०-

मायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज, सुधियामा

मुचियाना, दिनोक 19 फरवरी 1980

निवेश स॰ एमकेएस/25/79—80—धतः मृत्रे मु**ब**देव

चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने **का कारण है कि स्थावर** सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये से ग्रिधिक बाजार मूस्य 25,000/-और जिसकी त० भूमि 25 बीवा है तथा जो गांव झूल तह-सील मनेरकोटला में स्थित है (मीर इससे उपावद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मलेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियमें 1908 (1908 का 16) के बाधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुक्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का प्रशिव बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है धीर <del>ब्रम्तरक (ब्रम्तरकों) घौर ब्र</del>न्तरिती (मन्तरितियों) के बीच षेशे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **छहेश्य से उक्त धन्तरण** सिक्कित में नास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण ते हुई जिली आप की बाबत उक्त श्रवि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्रबने में सुविधा के जिए; धीर/या

नहीं किया भना है:---

(च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य धास्त्यों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या धनकर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए या कियाने में धुनिका के लिए;

नदः, नव, जनत अविनियम की बारा 269-न के अनू-बर्थ में, में, जनत अविनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के अवीन निम्ननिजित न्यन्तियों, धर्गत्:---:

- थी मेहर सिंह पुत्र थी सम्बन्धन सिंह बासी गांव भूस, तहसीख मसेरकोडमा (धन्तरक)
- सबंबी जीत सिंह, गुरमीत सिंह, वर्णन सिंह पुळ भी अमर सिंह वामी जीव सूल, महसीस मसे रकोटला।

को वह तूत्रना अरी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्रत्ति के ग्रर्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजगन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यकरण: --इसमें प्रयुक्त कक्यों और पदों का, जो उन्त स्वि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, नहीं सर्थ होगा, जो उस सम्याय में विया नया है।

## मनुषुषी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 बीबा है जो गांव जूल, तह-बीस मलेरकोटला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, मसेरकोटका के कार्यालय के विसेख ग्रंड्या 1769 जून, 1979 में वर्ज है)

> सुबदेव चन्द संक्षम प्राधिकारी नहावक सायकर भायुक्त (निरीक्षक) सर्जनरेंज, सुधिमाना

सारी**च 18-2-198**0 म**ोहर**:

# प्रकप पाई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प(1) के प्रधीन स्थना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० बीग्रारएन/48/79-80--- ग्रतः मुझे वेव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के ग्रधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका त्रिषित बाजार मृत्य 25,000/-**ब्पर्धे** से पश्चिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 38 बीघा 17 बिसवा है तथा जो गांव ठतोवाल तहताल वरताला में स्थिम है (और इससे छपा-बद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री हती ग्रिधिकारी के कार्यालय बरनाला में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रश्नाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, याधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन निस्त्रलिखित व्यक्तियों, अर्वात् :--- 🏃 11-486 GI/79

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण

- सर्वश्री नरंजन सिंह पुत्र व श्रीमिति निहाल कौर विधवा श्री बखतौर सिंह पुत्र श्री बजीर सिंह, श्री लच्छमन सिंह पुत्र श्री नरंजन सिं**ह पुत्र बखतौ**र सिंह गांव ठुलीवाल, तहसील बरनाला । (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वेश्री भूपिन्दर सिंह, तारा सिंह, हरणीत सिंह पुत्र ग्रजमेल सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह वासी बिलगा, तहसील लुधियाना (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के भनेत के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्विपवद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रवृक्त जन्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के प्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया यवा है।

### अनु सूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 बीघा 17 विसवाहै घौर जो गांव ठुलीवाल तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, बरनाला के विलेख संख्या 3703, जून, 1979 में वर्ज है।

> स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-2-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्राय तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980 निदेश सं० श्रारकेटी/3/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव

चन्द

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवान् 'उसन अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रयोग सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण हैं के स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- क्षण से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० भूमि 63 कनाल है तथा जो प्रतीयाना,
सब-तहसील रायकोट जिला लुधियाना में स्थित हैं (धौर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण क्ष से वर्णित हैं), रजस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल है प्रौर प्रम्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रम्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के । लए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः श्रव, उश्त श्रधितियम की शारा 269-ग के ग्रानु-सरण में, मैं, उक्त श्रधितियम की धारा 269-च की उपधारा के श्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीतु:—  सर्वंश्री जोरा सिंह, जीत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह वासी हलवारा, सब-तहसील रायकोट, जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)

2 सर्वश्री जितन्दर सिंह, चरनजीतसिंह, धर्मजीत सिंह पुत्र श्री सुखदेव सिंह वासी गांव ग्रतीयाना, सब तहसील राय-कोट, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिंसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रुर्व होगां, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल है ग्रौर जो गांव ग्रतीयाना, सब-तहसील रायकोट, जिला लुघियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैंसा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी रायकोट वे कार्यालय के विलेख संख्या 271, जून, 1979 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियान

तारीख 19-2-1980। मोहर: प्रकप भाई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के स्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं एलडीएच/मार/98/79-80—मतः मुझे सुखदेव चन्द

ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पमचात् 'उनत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधोल सजम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00%/-के से धिवत है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 70 कनाल 15 मरले हैं तथा जो गांव घमईत, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जन, 79

को पूर्वोक्त सम्पति के छनित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्कृष्ट प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (शन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तर्थ लिखित में वास्तविक रूप से क्यांत नहीं किया वया है :--

- (क) अन्तरण से क्रुईं किया जाय की वायत सबत अधिनियम के सभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में क्रांगि करते पा उपये जनते में सुविधा के निए; और/मा
- (अ) ऐसी किसी भाव वा किसी धन या धन्य झास्त्यों को, जिन्हें भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया वा या किया आना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः, सब, उनतः अधिनियम की प्रारा 269-ग के बनुसरण में, में, चनत प्रधिनियम की घारा 269-च की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमित जोगिन्दर कौर पुत्री श्री धर्जन सिंह, गांव घमईत, तहसील लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वेश्री बलबीर सिंह, जबन्य पींसह, पवित्र सिंह पुत्र श्री ग्रजीस सिंह गांव घमईत, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

उबत सम्पत्ति के प्रार्वन के संबंध में कीई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन की मनधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की मनधि, जो भी
  मनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस भूवता के राज्यपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी भन्य व्यक्ति हारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## यनस्ची:

भूमि जिसका क्षेत्रफल 70 कनाल 15 मरले हैं भौर जो गांव घमईल, तहसील लुधियाना में स्थित हैं।

(आयेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1599, जून, 1979 में दर्ज है )।

सुखदेन चन्य सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980 । मोहर: प्रकृप आई० टी० एन• एस०—

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-व (1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

जुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एलडीएन/एफ/64/79-80—- मतः मुझे सुख-देव चन्द भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 70 कनाल 15 मरले हैतया जो गांव वमईत तहसील लिधयाना में स्थित है (भ्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राध-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य प्रतिफल के लिए अन्तरित कम के दुश्यमान गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण निश्चित में बाहतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबब उक्त मधिनियम, के अधीन कर देवे के बाबबक के दायिस्व में कमी करने या उसके बचने में मुविघा के बिए। बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन वा श्रन्य ग्रास्टियों को, जिम्बूं भारतीय आय-कर ग्रजिनियम, 1922 (1922 का 11) या वस्त अधिनियम, या क्रिन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकृष महीं किया वना था वा किना जाना चाहिए वा, छिनाने में सुविद्या के लिए;

जतः, धन, उन्त धविषियम की बारा 269 व के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269 व की छपधारा (1) के बन्नोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्वात् :---

- 1. श्रीमति जोगिन्दर कौर पुत्री श्री मर्जन सिंह वासी गांव भमईत, तहसील लुधियाना। (अंतरक)
- 2. सर्व श्री पवित्र सिंह, गुरदीप सिंह, पुत्र श्री सकन्दिर सिंह, गांव घमईत, तहसील लुधियाना । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्वों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफलल 70 कनाल 15 मरले हैं भौर जो गांव धमईत, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैंसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 1763, जून, 1979 में धर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980 । मोहर: भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

मुझे सुखदेव धन्व आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 44 कनाल 11 मरले हैं तथा जो गांव बुटारी तहसील व जिला लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय वे वाबप उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी ग्राया या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखिव्यक्तियों, भ्रथीतुः—

- 1. श्री हरी सिंह पुत्र श्री किशान सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव बुटारी, तहसील लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नथा सिंह पुच्न श्री खुशिया सिंह वासी डुगरी, तहसील लुधियाना । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:⊸⊶

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो थी श्रविधवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर मदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 44 कनाल 11 मरले है ग्रीर जो गांव बुटारी, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2346, जून, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर झायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980 मोहर: प्रकप माई • टी • एन • एस •---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

ि निदेश सं० एलडीएच/138/79-80-—ग्नतः मुझे सुखदेव बन्द

ग्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति विश्वका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14, 110 वर्ग गज है तथा जो भदौड़ हाउस तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्न रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (190 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1979

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यभाम प्रतिकल ने लिए भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रः प्रतिशत मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिते (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में चास्तिक एस स्वारति क्या गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-त्रियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के तायिस्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घल या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ना के अनु-सरण में, में, उक्त भिधिनियम की घारा 269न की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- 1. श्रीमित रजनी भरोड़ा पत्नी श्री प्रेम नाथ ग्ररोड़ा वासी 429, माल रोड, लुधियाना (मन्तरक)
- 2. श्रीमित गुरमीत कौंर देवल पत्नी श्री नाहर सिंह वेवल श्री नाहर सिंह देवल पुत्र श्री सरबन सिंह देवल वासी बोपा राय कलां, सहसील जगराग्रों। (ग्रल्तरिती)

को यह सूचना जारो अस्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना मन्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के पाजपन्न में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति दारा;
- (ख) इय सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन बढ़ किसी अन्य स्थिक द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दी कर्ज :---इसमें प्रमुक्त प्रक्यों बौर पवों का. जो उक्त प्रक्षि-मियम के अध्याय 20 क में परिमाचित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विषा गया है।

#### अमुसची

प्लाट नं० 14, जिसका क्षेत्रफल 110 वर्ग गज है भीर जो भदौड़ हाउस, सुधियाना में स्थित है ।

(जायेवाद जैसा कि रस्ट्रिकितौ प्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1349, जून, 1979 में जें है।)

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियामा

तारीख 19-2-1980 मोहर: प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269व (1)के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/झार/७9/७9-80—-झतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से पश्चिक है

स्पए स माधक ह

भौर जिसकी सं० भूमि 80 कनाल है तथा जो गांव गोरसीम्रां हाकम राय तहसील लुधियाना में स्थित है (म्रौर

इमसे उपाबद्ध म्रनुस्ची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर
मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या इंडससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधितियम, या धन-कर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रिप्तिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिप्तिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिप्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों,ग्रर्थात्:--

- 1. श्री मंगल सिंह पुत्र श्री लखासिंह, वासी गांव गोर-सीम्रां हाकम राय, तहसील लुधियाना। (म्रंतरक)
- 2. सर्वेश्री बलबीर सिंह, सकतर सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह, गांव रजापुर, तहसील लुधियाना । (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशत की तारीख से
  45 दिन की स्रविध या तत्सम्बन्धी अपिनतयों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविध, जो भी
  स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20क में परिमाधित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

# अनुसृची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है धौर जो गांव गोर-सीग्रां हाकम राय, तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 2107, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्रका प्राई० डो० १४० १४०--

भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं बीम्रारएन/32/79-80--- मतः, मुक्ते, सुखदेव

चन्द
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के
श्रिमधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से
ग्रिधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमि 62 कनाल 2 मरले हैं तथा जो गांव नाईवाला, तहसील बरनाला में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौए/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थाव्:--- 1. श्री तेजा सिंह पुक्तश्री प्रमरसिंह श्री नथा सिंह, वासी गांव कोटली करां, जिता भटिंडा (प्रन्तरक)

सर्विश्री भ्रांतर सिंह, हरबन्स सिंह, दर्शन सिंह पुत्र
 श्री गुरदियाल सिंह, वासी गांव बरनाला, तहसील बरनाला।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 62 कनाल 2 मरले है श्रीर जो गांव नाईवाला, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2973, जून, 1979 में दर्ज हैं।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-2-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एत॰ एस॰ क्रान्स्य प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याक्य, सहायक भागकर प्रायुक्त (निरीक्कण)

म्रजंन रेंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेश सं० एसग्रारएल/81/79-80--ग्रत: मुझे,

सुखदेव चन्द, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से धिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 17 मरले हैं तथा जो गांव राजेबाल, भ्रटाला तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, समराला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गामतिकन, जिन्नलिखित उद्देश्य से उनत मन्तरण लिखिन में गास्तिक का मन्तरित नहीं किया गया है:——

- (स) मन्तरण से हुई किसी भाग की शायत उस्त मिनियम के भधीन कर देने के मन्तरस के वायित्व में समी करने या उससे बचने में सुनिया के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भारतियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्षित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिधित्यम, या घन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिनाने में सुविधा के लिए;

धत: धन, उनत अधिनियम की धारा 269-व के घनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निव्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 12-486GI/79

- 1. श्री रत्न सिंह पुत्र श्री समुन्द सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिलालुधियाना। (श्रन्तरक)
- श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री कौर सिंह बनाम् बखताबर सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके नूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चितियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रक्ष्याय में दिया गया है !

#### अमुसुची

भूमि चिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 17 मरले हैं और जो गांत्र राजेंबाल, अटाला तहसील समराला में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समराला के

कार्यालय के विलेख संख्या 2164 में 3979 से दर्ज है।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज लुधवाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

## प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

# भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भाष्क्त (निरीजन) भर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेश सं एसएमश्रार/67/79-80—श्रतः, मुझे, सुखदेव वन्द

धायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रखात् 'उनत प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अरोग गता गतिहारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृथ्य 25,000/-क्यए से प्रिक्षिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 17 मरले हैं तथा जो गांघ राजेवाल, भ्रटाला तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय समराला में, रजि-स्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान तिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अस्तरण निविखत में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंश्वरण से हुई किसी प्राय की वावस, उक्त प्रधिनियम के प्रभीन कर देने के प्रश्वरक के दायस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीविनयम या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के किए;

अव: अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री रस्न सिंह पुत्र श्री समुन्द सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री श्रजमेर सिंह पुत्र श्री कौर सिंह बनाम बखताबर सिंह, वासी गांव राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधि-याना । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रावीन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य न्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास सिवात में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त कब्बों घौर पूर्वों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

#### धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 17 मरले है भौर ओ गांव राजेवाल, भ्रटाला तहसील समराला में स्थित है।) (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, समराला के कार्यालय के विलेख संख्या 1947, जून, 1979 में दर्ज है।)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

अक्य साईं । ही । एन । एस ----

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक मामकर मागुनत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेश सं० एमकेएल/38/79-80—श्रतः, मुझे, सृ**खदेव** 

चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 31 बीघा 5 विसवा है तथा जो गांव भोगीबाल, तहसील मलेंरकोटला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मलेरकोटला में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृष्यमान श्रीतफल से, ऐसे वृष्यमान श्रीतफल का पन्तर प्रतिक्त का पाइ श्रीतगत प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबस, उपस प्रश्वित्यम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसी फिसी भाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा भक्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

एत: प्रव, उनत प्रिवित्यम की बारा 26 9-ग के प्रतुसरक में, में, उनत प्रिवित्यम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित्त स्पन्तिवों, अर्थात:---

- 1. श्रीमती निहाल कौर पत्नी श्री जैमल सिंह, वासी गांव भोगीवाल, तहसील मलेंरकोटला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, गांव खेड़ा तहसील व जिला लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिए कार्वेगाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी
  भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए बासकोंगे।

स्पव्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राध-नियम के ग्रह्माय 20-कं में परिकावित हैं। बही भ्रथ होगा, जो उस ग्रह्माय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि रिसका क्षेत्रफल 31 वीघा 5 विसवा है भीर जो गांव भोगीवाल, तहसील मलेंरकोटला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, मलेंरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 2188, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकाी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियान।

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 स्वर्णसम्बद्धार/54/79-80—पनः प्र

निदेश सं॰ एसएमग्रार/54/79-80----श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ग्रारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

न्नौर जिसकी भूमि 34 कनाल 17 मरलें है तथा जो गांव ाजेवाल, श्रटाला तहसील समराला, जिला लुधियाना ं स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय समराला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उम्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री रत्न सिंह, पुत्र श्री समुन्द सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना । (अन्न्तरक)
- 2. श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री कौर सिंह बनाम श्री बखताबर सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करिकै पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय-20क में यथा परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 17 मरलें है भौर जो गांव राजेवाल, श्रदाला तहसील समराला में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, समराला के कार्यालय के विलेख संख्या 1727, जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख** : 19 फर**व**री, 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एसँ०——

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) हो धारी 269ध (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेण सं• एमकेएस/16/79-80—श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से म्रिधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि 10 वीचा 18 विसवा है तथा जो गांव रतोलां, सब-तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विश्व है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत 'ग्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, गौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ≆न प्रधिनियम. या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुमरण मे, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. भी चरन सिंह, टेक र्सिंह पुत्र श्री भान सिंह, श्री बचन सिंह पुत्र श्री बीर सिंह वासी, गांव रतोली, तह-सील मलेरकोटला। (अन्तरक)
- सर्वश्री टैहल सिंह, सुखदेव सिंह, बीर सिंह पुत श्री सरवन सिंह वासी गांव मलेरकोटला, जिला संगरूर । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई मी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 वीषा 16 विसवा है और जो गांव रतोलां, तहसील मलेरकोटला, जिला संगर्कर में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मलेरकोटला के कार्याक्य के विलेख संख्या 1653, जून, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, लुघियाना लुघियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेश सं० एलडीएच/203/79-80—म्प्रतः,

मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' ्हा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 22, है तथा जो बी-23/ 140, इन्टस्ट्रियल ऐरिया-ए में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित वाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफत्त में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत्त का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है ग्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गथा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसो हिसी प्राय पा किसी धर या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिमाने में मुखिधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निविधित व्यक्तियों धर्यात् :--

- सूबेदार मंगल राय पुत्र श्री कुन्वन लाल प्रग्रवाल, गोपतेश्वर रोड, मदन महल, जबलपुर। (ग्रंतरक)
- 2. श्रीमित सुदेश रानी पत्नी ग्रमर नाथ, 81, न्यू माडल टाउन, लुधियाना । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकगे।

स्रब्दोक्तरगः --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ऋष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ऋषं होगा जो उस ऋष्याय में दिया गया है।

## प्रनुसची

विल्डिंग नं० बी- XXII /140, प्लाट त० 22, इन्ड-स्ट्रीयल ऐरिया-ए, लुधियाना ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, लुधियाना में विलेख नं० 1783 जून, 1979 में दर्ज है ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एसप्रारडी / 74 / 79-80 -- प्रतः, मुझे, सुखदेव

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 25 बीघे 4 विस्वे है तथा जो गांव लटौर तहसील सरिहंद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय सरिहंद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्नरिकों) ग्रीर भन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्तअधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्ह भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, श्रब, उस्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, में, उस्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथितः :---

- श्री राम सिंह, प्रेम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी गांव लटोर, सरहिंद । (ग्रंतरक)
- 2. श्री नरिन्द्र सिंह व सुखविन्द्र सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह, वासो गांव राम पुर कलैरा, तहसील सर्राहंद। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि हुँक्षेत्रफल 25 बीघे 4 बिस्वे, गांव लटौर, तहसील सरहिंद में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सर्राहद के कार्यालय के विलेख संख्या 991, जून, 1979 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्रकप काई॰ टी॰ एन॰ एम॰————— यायकर ध्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269 व (1) के घडील सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेण सं० एसम्रारडी/109/79-80—-म्रतः, मुझे,

सुखदेव चन्द, आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उनत अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सझम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मलि, जिमका उचित वाजार मूल्य 25,000/- धपए से ग्रीधक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 57 कनाल 16 मरले हैं तथा जो गांव वंडाली भाई की तहसील सरहिंद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सरहिंद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत प्रधिक है घोर धन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त प्रक्रितियम के घन्नीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में मुविधा के हिस्प; ग्रोद/मा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी बन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, छक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की बारा 269-घ की अपकारा (1) के अप्रोत निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---  श्री श्रीतम सिंह मुतवना पुत्र श्री भाग सिंह, वासी गांव बंडालीभाई की तहसील सर्राह्व,

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रणजीत कौर पत्नी हरभजन सिंह श्री पृथ्वीपाल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह ग्राफ चन्डीगढ़ वासी गांव बंडालीभाई की तहसील, सरहिंद

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना वारो करके पूर्वीकन सम्पत्ति के प्रवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस प्ताता के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तियों पर मूचता की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी घन्य स्थित द्वारा, घघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, जो उक्त प्रश्वितियम के शब्दाय 20-क में परिमाधित है, वहीं श्वर्ष होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 57 कनाल 16 मरले जो गांव बंडालीभाई की तहसील सर्राहद में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सर्राहद के कार्यालय के विलेख संख्या 1465, जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

मोहरः

# प्रकप बाई • ही • एन • एस •----

अप्यकः अ**विनियम**; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेश सं० एनबीए/101/79-80--- मतः, मुझे, सुखदेव

चन्द'
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्नात् 'जनत मिलियम' कहा गया है),
की भारा 269-का के अधीन सत्तम प्राधिकारी को यह विकास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका प्रक्रित बाजार मृक्य
25,000/- रुक से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 29 बीजे 18 विस्ते हैं तथा जो गांव भूही तहसील नाभा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रींबकारी के कार्याशलय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रींबनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारन है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूहन, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (पन्तरकों) और प्रस्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नितिखत उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण सिक्षित में वास्तिक
कप से किंचन नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरम से हुई किसी बाय की नायत उपत श्रीवित्यम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिवा के लिए; प्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर प्रवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, छिपानें में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 26 का के भन् सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 268-घ की खपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात:—
13 —486G1/79

1. सर्वश्री कुलबीप सिंह, भरपूर सिंह, बलबीर सिंह, न्त सिंह दलीप कौर माता, नौद सिंह पुत्र करतार सिंह गांव यूही तहसील नाभा। (अंतरक)

2. श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री सुर्जन सिंह गांव यूही तहसील नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सन्पति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आशेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपन्न में त्रक्तामत को तारीण से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोत्रस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सर्कोंगे।

स्पटीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनध भिक्षतियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, बड्डी धर्ण होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 29 बीघे 18 विसवे जो गांव थूही तहसील नाभा में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नामा के कार्यालय के विलेख संख्या 1049 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज सुधियाना

तारी**व** 19 फरवरी 1980 मोहरः

## प्ररूप आई० धी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा .269-घ (३) के श्रधीन∋सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह॰ से श्रिविक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3068 है तथा जो सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से ग्रीधक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे श्रमने में सुधिघा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के किए;

भत, मब, उन्त भिवित्यम, की धारा 269-व के प्रतुसारण में, मैं, उन्त भिधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भिभीत निम्नलिखित अ्थनितयों, सर्थात्: —

- 1. श्री निरंजन सिंह पुत्र श्री चेता सिंह ग्राम चारून, जिला रोपड़। (श्रन्तरक)
- 2. श्री एस० के० सुघाकड़ (श्राई० ए० एस०) पुत श्री दौलत राम प्रथवा श्रीमित मंजू सुधाकड़ पत्नी श्री एस० के० सुधाकड़, मकान नं० 716, सेक्टर 11-बी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)
- 3. सर्वश्री जगदीश सर्मा, समय सिंह यादव, बी० एल० छावज़, श्री राजकुमार सिंगला, श्री मनोहर लाल, श्री लेख राम श्री गुरदेव सिंह मकान नं० 3068, सेक्टर 27-डी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं:) को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के श्रेणंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मण्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की सभील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका ठाकिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पंगति में हिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रंत्रीहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 3068, सेक्टर 27-डी चण्डीगढ़ (जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख 556 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चल सक्षम प्राधिकार्र सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियान

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप प्रार्ड० टी० एन७..एस७-----

माय कर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त ग्रायुक्तः (निरीक्षणः) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 19 फरवरी 1980

् निदेश सं० सी०एच० डी० 89/79-80—-प्रतः मुझे, सुखदेय चन्द

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधक है,

भीर जिसकी सं० एस० सी० ओ० सं० 70 है तथा जो सेक्टर 47-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में. रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (क) ऐसी िनमी आय या किसी धन या भारत आस्सियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था छिगाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भवीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री केशोराम पुत्र/श्री लोरिन्दा राम माकन नं० 127, सेक्टर 15-अ, चण्डीगढ़। (श्रष्तरक)
- 2. श्रीमित सुखविन्दर कौर पत्नी श्रा सुरद्रपाल सिंह, वासी गांव सूफीपुर जिला मेरठ, (उत्तर प्रदेश) । (अन्तरिती)
- 3. श्री ग्रब्दुल प्रोपराईटर मैसर्ज न्यू ग्रिड बैकरी, एस० सी० ग्रो०-70, सेक्टर 47-डी चण्डीगढ़ (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सप्पत्ति है।)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीवत सम्वति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी भविध जाद में व समाप्त होती. हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में व से किसी व्यक्ति द्वारा)
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः → इसमें "यक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम क भ्रष्टशय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूचीः

एस० सी० घी० नं० 70 सेक्टर 47-डी चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी चण्डीगढ़ में विलेख संख्या 479 जून 1979 में दर्ज है।)

> मुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं०॰सी०एच० डी०नं० 72/79-80—मात मुझे, प्रकृतेब चन्न

स्रुखादेव चन्त्रू म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है),की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित म्ल्य 25,000/-रूपये से भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1380 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावन ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के प्रधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है मौर धन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य संउक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

नहीं किया गया है:----

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः, भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- 1. श्री एच० एस० सेखों पुत्र श्री जे० एस० सेखों, मकान सरकारिया हाउस, पटियाला द्वारा श्रीमित सत्यारानी पत्नी श्री रामचन्द मकान नं० 1380, सेक्टर 34-सी, पण्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रामचन्द पुत्र श्री जीवाराम मकान नं० 1380 सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री विनोद सूद, मकान न ० 1380, सेक्टर, 34सी चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति से हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसम प्रयुक्त गड्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

प्लाट नं० 1380 जो कि सेक्टर 34-सी **चण्डीगढ़ में** स्थित है ।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता झिंधकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 390 जून 1979 में दर्ज हैं।)

> सु**ब**देव चन्द सक्षम प्राधिका सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 19 फरवरी, 1980

# शक्य धाईं डी एन एत ---

आरकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के समीन मुमना

#### भारत सरकार

# कार्यांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृक्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि 16क, 1 म०, है तथा जो 1/6 सेयर श्राफ 96क-7भ, ग्राम बहलां, यू० टी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त समाति के उचित बाबार मूल्य में कम के पृश्यमान प्रतिक न के लिये प्रस्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वाम करते का भारण है कि यथापूर्वोक्त मम्यति का गवित बाबार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत से पश्चिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अस्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के सिएतय पाया ब्याप्रतिक्का, निम्तिसित उद्देश्य से खक्त प्रस्तरण सिखित में वास्तविक कप के कवित नहीं किया गा है:--

- क) अन्तरण । हुई किसी अप को गावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी क ने ग उससे बचन में नुविधा के लिए;
   और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वादिवेषा, जियाने में सुविधा के लिए;

स्तः अब उन्त पवितिश्व की बारा 269-म **के मनुसरम में** में, अन्त मिसिनियम की भारा 360-म की **उपधारा (1) समीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, मर्यात् :—**   श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह ग्राम मानक पुर, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
 श्री दयाल सिंह पुत्र श्री राम प्रताप ग्राम श्रहलां

यू० टी० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

उपत सम्पत्ति हे ग्रर्जन है सम्बन्ध में कोई भी पासीप :---

- (क) इस मूचना क राजपल म प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की घर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक व किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किये जा सकेंगे।

ल्बब्दोकरण :---इसमें प्रपुकत शब्दों भीर पदीं का, मो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं धर्म होगा, को उम शब्दाय में दिया गया है।

# **प्रमुस्**ची

कृषि भूमि जो कि 16 कनाल, एक महल्ला, ग्राम बहुलां में स्थित है ।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 352 जून 1979 में दर्ज है।)

> मुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्रख्य आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980 निदेश सं० मी० एच० डी०/101/79-80——ग्रत: मुझे, सुखदेव चन्द.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1707 है तथा जो प्लाट नं० 1707, सेक्टर, 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छहेण्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-ः नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथींत: —

- श्री गुरदास सिंह प्रश्ल्लवालिया पुत्र श्री किशन सिंह द्वारा, श्रीमित सन्तोल चोपड़ा, पत्नी श्री पी० ग्रार० चोपड़ा मकान नं० 424, सेक्टर 29-ग्र चण्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पी० श्रार० चौपड़ा पुत्त श्री डी० श्रार० चौपड़ा मकान नं० 424, सेक्टर 29-श्र चण्डीगढ़ (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी<sub>। करके-पूर्विकः</sub> सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिश्वनियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं मर्च होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 1707 जो सेक्टर 34-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 516, जून, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरोंज, लुधियाना

तारी**ख:** 19 फरवरी 1980

प्ररूप माई• टी॰ एन• एस॰-----

आयकर पधितियम. 1981 (1961 का 43) की घोरा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाया आयातर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेण सं० मीएचडी/69/79-80—-श्रतः मुंसे, सुखदेव चन्द

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त पश्चितियम' कहा गंगा है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 1571 है तथा जो सैक्टर 36डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नामार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुंबे यह विश्वास नाग का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उलिए बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अक्षिक है और प्रन्तरक (प्रत्यरकों) घोर धन्तरिती (अन्तरिवियों) के बोच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया यथा प्रतिकन, निक्नलिखिन उहेश्य से उक्न घन्तरण लिखित में नाहनिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त अधि-नियम, के घषीन कर के के घस्तरक के दायित्व में भ्रमी करने या उससे वक्ने में सुविधा के भिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम को धारा 269च की उपधारा (1) के सबीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्बात:— 1. ले० कर्नल हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र बिशान सिंह मकान नं० बी-20-833/1 श्रोप० गुरदेव नगर, लुधियाना द्वारा श्री मतीश कुमार सेनी पुत्र श्री विद्या प्रकाश सेनी मकान नं० 1828 सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़। (ग्रंतरक)

2. श्री ह्रीन्द्रजीत सिंह कोहली पुत्र गुरणरन सिंह, मकान नं० 2171, सैक्टर 35सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

की यह मूचना जारी करके पुर्वोक्त संपति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रार्जन के मंत्रंध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की अबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अबधि, जो भी अवधि
  बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उभत स्थाबर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रजीहरूताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकते।

स्पट्टीकरण —-इसमें प्रयुक्त कंड्यों घोर पदों का, को छक्त घिनियम के सध्याय 20-क में परिचावित है, वहीं घर्ष होगा, को उस धण्याय में दिया गया है।

### **प्रमु**सूची

प्लाट नं० 1571 सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ । (जायेदादा जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यानय के विलेख संख्या 379 जून 1979 सें दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्रह्म पाई०टी०एन०एम०-----

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/94/79-80—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 1628 है तथा जो सैक्टर 34डी चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रोर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में,रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के स्रधीन तारीख जुन, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमे किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ग्रंब, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1. मेजर पृथीपाल पिंह घथी पृत रणशीर भिंह घई, निवासी महान नं० 453 माडल टाउन, लुधियाना द्वारा स्मैशल ब्रटार्नी श्री मतीश कुमार सैनी पृत्र श्री विद्या प्रकाण सैनी मारफान ब्रारचीटैक्स एटैलर एस० सी० ब्रो० नं० 8 पेस्टर 17ई, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित रिजिन्द्र सैनी पत्नी श्री सतीश कुमार सैनी, वासी मकान 1828 सैक्टर 34 सी, खण्डीगढ़। (श्रंतरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजेन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रौर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

्रलाट नं∘ 1828 जो सेक्टर 34डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 494 जून, 1979 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकरी सड़ायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीजा : 19 फरवरी, 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

्निदेश सं० सी० एच० डी०/110/79-80—-श्रतः मुझे,

मुखदेव चन्द,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-वपए से भ्रष्टिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 2514 सैक्टर 35सी चण्डी-गढ़ है तथा जो सैक्टर 35सी खण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पण्डाह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तिरती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---14---486⊊1/79

- श्री गुरसेवक सिंह सिंधु पुत्र केहर सिंह द्वारा स्पैणल श्रदानी श्रीमति गुरबीप कौर पत्नी श्री रगबीर सिंह वासी संकान नं० 57 सैक्टर 5ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तर्क)
- 2. श्री हरबन्य सिंह पुत्र श्री गंगा निंह श्रीमिति हरबंस कौर पुत्री श्री सदाराम सिंह बिमलजीत पुत्री श्री हरबंस सिंह सारे वासी हिरा कोन्ड स्टोरेन रोपड़ । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त संमत्ति के मर्जन क संबंध में कोई भी भाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

### अनुसूची

प्लाट नं० 2514 सैक्टर 35सी चण्डीगढ़ में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीढ़ के कार्यान् लय के विलेख संख्या 565 जून 1979 में टर्ज है।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, ल्धियाना

नारीख: 19 फरवरी 1980।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधियाना, धिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/104/79-80---अपः मुझे सुखदेव चन्द

म्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधिक है

स्रोर जिसकी प्लट नं 1703 है तथा जो सैक्टर 33 डी चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यास्य चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुन 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब, उनत ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उनत ग्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीन ;—

- 1. मेजर एन० एन० सहमल पुत्री श्री जानकी नाथ सहगल वासी 50, जोधपुर होस्टल, न्यू विल्ली। (श्रंतरक)
- थीं महिन्द्र कौर पत्नी श्री कुलबन्त सिंह वासी
   3217 सैक्टर 35 डी खण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह <mark>सूवना जारी करके पुर्वोक्त सम्यक्ति के फ्रर्जन के</mark> लिए कार्यवा<mark>हिया</mark> करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीच से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी धरय व्यक्ति द्वारा घ्रधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रक्षि-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रव्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 1703 सैक्टर 33 डी चण्डीगढ़ जायदाद जैपा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 551 जुन 1979 में दर्ज है।

> मु⁄ब्रुवेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लृधियाना

तारीखः: 19 फरवरी 1980

## प्रकर बाई । टी० एम० एस०---

भ्रोयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

मिवेश र्सं० एलडीएच/ब्रार/106/79-80—ब्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने जिसका उचित का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक भीर जिसकी सं० भूमि 11 कनाल है तथा जो गांव झुं गियांना तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूज रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है मौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुईँ किसी ग्राय की बाबंत उक्त ग्राध-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उनत अधिनियम की बारा 269-न के अनुवरक में, मैं, उन्त सिधिनियम की बारा 269-न की वरकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री बाग सिंह पुत्र श्री ग्यान सिंह वासी गांव झुगि-यांना तहसील व जिला लुधियाना । (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज बी० एस० इन्डस्ट्रीज द्वारा श्री बृज गोपाल जी०टी० रोड, लुधियाना । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वोक्ता, जो उक्त अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल गांव झुगियांना तहसील लुधि-याना ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी लुधियाना के कार्यालय विलेख संख्या 2618 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखवेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 19 फरवरी, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनोक 19 फरवरी 1980

नुष्याना, विनाक 19 फरवरा 1980 निवेश सं० पीटीए/113/79-80—-अतः मुझे, सुखदेव

भन्द, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६पए से धिक्ष है

न्नौर जिसकी सं खेती वाली भूमि 23 बीधे 18 बिस्ये हैं तथा जो गांव सफीदीपुर तहसील पटियाला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय पिटियाला में, रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री विश्वन सिंह पुत्र श्री प्रनोख सिंह वासी सफीदीपुर तहसील पटियाला। (प्रम्लरक)
- 2. सर्वश्री गुरचरण सिंह गुरेनाम सिंह पुत्र श्री काका सिंह गांव दूनकला तहसील पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में क्रकामन की तारीब थे 4.5 दिन के भीतर क्रमत स्थावर सम्पत्ति में दिनवड़ किमी अन्य अकित द्वारा, स्थोहस्साक्षरी के पास लिखित में कियें जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के घडवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसची

खेली वाली भूमि 23 बीचे 18 बिस्वे जो गांव सफीवी-पुर तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1647 जून 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसप, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एसभारकी/78/79-80--- भ्रतः मुझे, सुखावेन भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-धा के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक और जिसकी सं० भूमि 12 बीघे 5 बिस्वे है तथा जो गांव भजनाली तहसील सर्राहव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सरहिंद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है और नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भ्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के **बीच** ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त भ्रन्तरण लिखित में श्रास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, पन, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निसित व्यक्तियों, प्रशीत्:---

- 1. श्री करतार सिंह पुत्र श्री मीहां मिह वासी गांव प्रजनाली तहसील सर्राहेंद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरदेव सिंह, बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह व रणधीर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा तहसील ग्रमलोह जिला पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्भीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस संख्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसू**ची

भूमी क्षेत्रफल 12 बीघे 6 विस्वे जो गांव प्रजनाली तहसील सर्राहद में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सर्राहद के कार्यालय के विलेख संख्या 1023 जून, 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप प्राई० टी० एम० एस०---

मायकर मिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएन/भार/108/79-80---भतः मुझे, सुखदेव चन्द

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रक्रिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 3½ मरले है तथा जो गांव भुगियाना तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिखत से जिल्ल है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा जया प्रतिफल कन निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरक से हुई किमी भ्राय की बाबत उक्त भ्रांध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविश्वा के लिए; भीर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अचीत् :---

- 1. श्री भाग सिंह श्री ज्ञांन सिंह पुत्र श्री वर्षेल सिंह वासी गांच शुगिबांना सहसीत लुधिबाना। (जन्सरक)
- 2. श्री अनुपाल सिंह पुत्र सत्य प्रकाश व नरिन्द्र पुत्र श्री हंस राज वासी सुगियां श्रीमति उषा रानी पत्नि श्री ग्यान चन्द बासी गांव सुगियांना (ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष्त तक्ष्यति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक करता है।

उनत सम्पत्ति के भागत के सम्भन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तः स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टीनरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्ण होगा जो उस श्रद्ध्याय में विभा गया है।

### अनुसूची -

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 3½ मरले जो गांव झुगियांना तहसील लुब्रियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2724 जून 1974 में दर्ज है।

> सुधायेव चन्द सक्षम प्राधकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980।

प्रकार वार्ष की एक एस ---

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1981 का 43) की
धारा 269-च (1) के ध्रष्टीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालग, सहावक धायकर धायकर (निरीक्षण)
धर्मन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/78/79-80--- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3692 है तथा जो सैक्टर 35डी डीफैन्स कालोनी चन्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबक भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिध-कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई हैं ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्रके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिम्नत से ग्रीधक है ग्रौर मन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तिरती (मन्तिरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रम्य प्राप्टितयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रक्तिभिषम, या भ्रन-कर भौधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः :~-

- 1. श्री भ्रम्बुल अजीज (वाक्षर मैन) पुत्र श्री बाबू खान वासी गांव व डाकखाना ट्रूराली चन्डीगढ़ द्वारा स्पेशल पावर आफ अटार्नी श्री गीतल वास पोपली पुत्र श्री चन्द्र भान वासी 2748 सैक्टर 22सी चण्डीगढ़ (भ्रन्तरिती)
- 2. मिसेज कृष्णा पोपली परिन शीतल दास पोपली वासी मकान नं० 3592 सेक्टर 35 डी चण्डीगढ़। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो
  भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में कियो व्यक्ति बारा :---
- (ख) इस सूबना के राजात में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त धिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 3592 जो सेक्टर 35 श्री डीफैंस कालोनी वण्डीगढ़ में स्थित हैं।

जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 410 जून 1979 सें दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

गोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एस एन एम/33/79-80----ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के भिधीन सक्षम शिधिकारी को, यह विभवान करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से भिधिक है

भौर जिसकी सं० 61 कनाल 16 मरले हैं तथा जो गांव बंडेवाल तहसील सनाम में स्थित है (भौर इससे उपावद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिन्न कारी के कार्यालय सनाम में, रजिस्ट्रीकरण पिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्र रात्रा गरा प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षत अन्तरण

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के अभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को निन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

मतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-गके चनुतरण में में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के प्रधीन निस्तिक्षित व्यक्तियों अवित्ः--

- 1. भी बखतोर सिंह पुत्र बारू सिंह पुत्र श्री बीर सिंह व श्री गुजार सिंह पुत्र श्री अरूड़ सिंह वासी पिंकपुरा सह-सील नारवाना हरियाणा खुव व जनरल घटानी धाफ भी साधू सिंह, रोनक सिंह गजन सिंह, शान्ती गाजकौर, शादी, हरकौर, काका सिंह, निका सिंह, महसाब कौर पंजाब कौर ऐंड जब कौर वासी खंडेवाल वासी गांव पिंजपुरा तहसील नरवाना हरियाणा (ग्रंतरक)
- सर्वश्री गुरवचन सिंह, काका, सिंह, नामक सिंह पुल
   श्री सुधा सिंह गांव खन्डेवाल तहसील सनाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्प्रति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अपिक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्बों श्रीर पदों का, ओ उक्त ग्रिबिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, ओ उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 61 कनाल 16 मरले जो गांव खण्डेबाल तहसील सनाम में स्थित हैं।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी सनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 1950 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, लुभियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980।

प्ररूप शाई॰ ही॰ एन० एस॰--

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एनबीए/114/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव जन्त, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम'. कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाधार मुख्य

25,000/- ६० से अधिक हैं,

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 24 बीघे 2 बिसवे हैं तथा जो गांव पड़ीपनैचा तहसील नाभा में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन, 1979

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्न संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्न मंपिल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक खप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत्:→-15--486GI/T9

- 1. भी प्रीतम सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह वासी गांव पड़ीपनैचा शहसील नाभा (भ्रन्तरक)
- सर्वश्री ठाकुर सिंह चरण सिंह पुत्र श्री मुखत्यार सिंह गिंव पड़ीपनैचा तहसील नाभा जिला पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त ध्रधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि 24 बीघे 2 बिस्वे जो गांव पड़ीपनैचा तहसील नाभा में स्थित है।

जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नाभा के कार्यालय विलेख संख्या 1137 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुघियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

त्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्योतय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 11 बीचे 15 बिस्वे हैं सथा जो गांव भूही तहसील नाभा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूह्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिखित में वास्तवित क्या में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से दूई जिसी श्राय की बाबत, उनत श्रिक्ति नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या कियी घन या अन्य धास्तियों को, जिस्हें भारतीय ज्ञायकर बिधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उस्त बिधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए,

भतः ग्रव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-म ने भन्मरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्ः —

- श्री कुलदीप सिंह, बलबीर सिंह, भरपूर सिंह पुत्र.
   श्रीम विलोपकौर पितन श्री करतार सिंह वासी गांव थूही तहसील नाभा (ग्रंतरक)
- 2. श्रीमित सुरजीत कौर पिल श्री सुर्जेन सिंह गांव धूही तहसील नाभा (भ्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, भो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ता अरो पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशकरण :--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

भूमि क्षेत्रफल 11 बीघे 15 बिस्वे जो गांव यूही तहसील नाभा जिला पटियला में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1048 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1979

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंच, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

पीटीए/175/79-80---- ग्रतः मुझे निवेश सं० सुखदेध चन्द आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० खेतीबाड़ी वाली भूमि 1-73-68 हैक्टर (20---21) बीघा है तथा जो गांव रायपुर तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) ग्रीर अन्तरिती (म्रन्नरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उ₹त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो आय की बावत उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक इंदायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य क्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्रवः, उत्रतः अधिनियमं की धारा के 269-ग म्रनु-सरण में, में, बनत धिधनियम की धारा 289 म की सकतारा (1)के अधीन, निम्निनिजित व्यक्तियों, अर्थात् : - -

- 1. श्री वसन्त सिंह सपुत्र श्री ग्रजू वासी गांव रायपुर जिला पटियाला (अंतरक)
- 2. सर्वश्री जागीर सिंह, महिन्दर सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र श्री संपूर्ण सिंह वासी गांव रायपुर तहसील पटियाला (प्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 विन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भ्रत्रधि, जो भी ग्रत्रधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खेती बाड़ी वाली भूमि क्षेत्रफल 1-73-68 (20, 21 बीघा) जो गांव रायपुर तहसील पटियाला में स्थित है। (जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाला के

कार्यालय के विलेख संख्या 2244 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेष चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 19 फरवरी, 1980

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० पीटीभ्रार/22/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-क से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 131 कनाल 16 मरले हैं तथा जो गांव चंगीरा तहसील पातरां जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पातरां में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भविक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण, जिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है: →

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वानत, उनत भ्रांध-नियम के भ्रांत कर देने के अन्तरक के वायित्व में क्रमी करने या स्तरी वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी जिसी घाय या किसी घन या घम्य घारितवाँ को जिन्हें घाय-कर घिषितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधितियम, या घन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्यरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, जिसाने सुविधा ने लिए।

चतः सन, उन्त पश्चितियम की घारा 269-ग के सनुनरक में, में उन्त प्रधितियम की घारा 269-व की नपवारा (1) के सबीन निकासिबात व्यक्तियों, प्रवृद्धि:---

- 1. श्री धमरजीत सिंह, जगदेव सिंह, लाभ सिंह, गुरिबन्द्र सिंह, पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह, देवकोर, बलदेव कौर, हरचरण कौर, हरजिन्द्र कौर, पुत्रियां श्री जोगिन्दर सिंह, दलीप कौर, गुरिनाम कौर विधवा श्री जोगिन्दर सिंह, नक्षेत्र कौर पुत्री श्री प्रीतम सिंह, हरनारायण सिंह, वयन्त सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह खुद व जनरल घटानी ग्राफ श्रीमित पवित्र कौर, सुखपाल कौर पुत्रियां श्री प्रीतम सिंह सासी गांव वंगौरा तहसील पातरां जिला पिट्याला (ग्रंतरिती)
- श्री करनैल सिंह पुत्र श्री चान्य सिंह, श्रीमित तेज कौर विघवा श्री चान्द सिंह वासी गांव चगौरा तहसील पातरां जिला पटियाला (ग्रंतरिसी)
- 3. श्री करनैल सिंह पुत्र श्री चान्द सिंह वास गांव चगोरा तहसील पातरां जिला पटियाला (वह व्यक्ति जिसके ग्रिथिभोग में सम्पत्ति है।)

ं को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के विषय कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के सम्बग्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी भन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण !---इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, नो उक्त घिष्टि नियम, के घटनाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 131 कनाल 16 मरले जो गांव चंगौरा तहसील पातरां में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पातरां के कार्यालय के विलेख सं 797 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19 फरवरी, 1980 मोहर:

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एएमएल/56/79-80-ग्रतः भुन्ने सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपने से अधिक है और जिसको सं० भूमि 11 बीघे 5 विस्वे है तथा जो गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गरुय से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए सम्तरित की वह है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पश्चह प्रतिवात सिक्ष है भीर सन्तरिक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल के निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण निखित में बास्तिविक का से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की नानत, कन्छ सकि-नियम, के मजीन कर देने के मन्तरक के दायित में कमी करने या उससे नमने में पुविचा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय शासकर सिधिनियम, 1,922 (1942 का 11) या उक्त स्वित्यम, गा अनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए जा, क्रिपाने में सुविद्या के लिए;

बत अब, उनत अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, म, उन्हें अधिनियम की धारा 269न्य की उनवारा (1) के अबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री नक्षत्र सिंह, इरनेक सिंह पुत्र व नक्षत्र कौर पुत्री श्रीमित महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरदयाल सिंह वासी गौब कुकड़ माजरा मन्डी गोविन्दगढ़ तहसील श्रमलोह (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरचरण सिंह, जरनैल सिंह पुत्र श्री करोड़ा सिंह कुलवंत सिंह, बलजीत सिंह, गुरनाम सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा तहसील ग्रमलोह जिला पटियाला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्त सम्पत्ति के धर्वन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्त में प्रकाशन की ठारीज से 45 विन की अविधि या तत्स्व अविधी व्यक्तियों पर सूचना की ठामीन से 30 विन की घनिल, जो भी घर से बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकातन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थालि में द्विताद किसी भ्रम्य स्थावित द्वारा श्रभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, बो उक्त प्रक्तिः नियम के प्रश्याय 20-न में पका परिभावत हैं, वहीं प्रव होगा को उस प्रकाय में विधा बना है।

# घनुसूची

भूमि 11 बीघे 4 विस्वे जो गांव कुकड़ माजरा तहसील भ्रमलोह में स्थित है।

जयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी अमलीह के कार्यालय विलेख संख्या 562 जून 1979 में वर्ज है।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायु<del>क्</del>त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एएमएल/72/79-80--- म्रातः मुझे सुखदेव

चन्द श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिशिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं भूमि 16 बिस्वे है तथा जो गांव नसराली सब तहसील भ्रमलोह में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनु-सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्तो के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिये भ्रन्तरित की गई है भीर मुक्षे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल को पन्द्र प्रतिशत से प्रधिक है और जन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, लक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 ा 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा किया जान: च हिए था, छिपाने में सुभेंधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम ती धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त शिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- 1. श्री नारूता सिंह पुत्र श्री रूलिया सिंह वासी गांव नसराली तहसील भ्रमलोह (भ्रन्तरक)
- 1. मैंसर्ज बी० पी० सटील सेल्ज मण्डी गोविन्द गढ़ द्वारा श्री फकीर चान्द पुत्र श्री शरूता राम वासी गांव मण्डी गोविन्द गढ़।
- 2. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री जगन्नाथ वासी मण्डी गोविद गढ़।
- श्री रामलुभाया पुत्र श्री रखा राम मारफत पंजाब नेगानल बैंक सर्राहंद ।
  - 4. श्री रमेश कुमार जैन पुत्र श्री लालचन्द जैन ।
- 5. श्रीमित निर्मला रानी पितन श्री रमेश कुंमार जैन मारफत बजरां सटील रोलिंग मिल्स मण्डी गोबिन्दगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हो ती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वा त;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रपुक्त शब्दों घौर पदों का, जो लक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# प्रमुची

भूमि क्षेत्रफल 16 बिसवे जो गांव नसराली तहसील श्रमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 732 जून 1979 में दर्ज हैं।

> ें सुखदेव चन्ध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, सृधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के अधीन सुबना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० राज/88/79—80-ग्नतः मूझे सुखदेव चन्द आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस ह पश्चात् 'उनन ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 16 बीघे 2 विस्वे हैं तथा जो गांत्र मोजा श्रजरोर तहसील राजपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर अपनत प्रतिफल का प्रतिफल प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उच्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **उक्त** प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय वा किसी अन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः। सब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के धनुसरण में ,मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- 1. श्री काहन सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह वासी मकान नं० 5501 निकलसन रोड अम्बाला कैंट खुद व जनरल अटार्नी आफ श्री अत्तर सिंह व किरपाल सिंह पुत्र व पारवती व वृधवती पुत्री श्री गुलाब सिंह वासी गांव मौजा अजरोर तह-सील राजपुरा (अन्तरक)
- 2. श्री भाग सिंह पुत्र श्री फौजा सिंह व ध्याल सिंह पुत्र श्री भाग सिंह वासी मौजा तहसील राजपुरा (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकोंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्वों ग्रीर पर्गे का, जो उक्त ग्रधिनियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्षे होगा जो उस अक्याय में विमा गया है।

### अनुसूची

भूमि 16 बीघे 12 विस्वे जो गांवा मौजा ग्रजरोर तह-सील राजपुरा में स्थित हैं।

जायवादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 1435 जून 1979 सें दर्ज है।

> सुक्षदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 19 फरवरी, 1980

मोहरः

प्रकप माई• टी• एन• एस०-----

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 268-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रुपए से घष्टिक हैं,

ग्रीर जिसकी सं॰ गोदाम सं॰ 182 है तथा जो गरेन मार्कीट सैक्टर 26 चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रमारण निखित में वास्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उनत खिबिनयम, के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; घोर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या कियों धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्विपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त ब्राधिनियम की धारा 269-ग के बब्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्राधीय, जिल्लासिवात व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (i) श्री कैदार नाथ शर्मा व पुत द्वारा (ii) श्री कैदार नाथ शर्मा पुत श्री मादो राम श्री विनोद कुमार (iii) श्रो श्याम सुन्दर पुतगण श्री केदार नाथ शर्मा वासी मकान नं० 229 सैक्टर 9 चण्डीगढ़ । (अन्तरक)
- श्रीमित निर्मला देवी गुप्ता परिन श्री वेद प्रकाश करियाना मरचेंट तन्दूरा बाजार श्रम्बाला सिटी हरियाणा। (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री भीम सिंह पार्टनर मैंसर्स सत प्रकाण लाजपत राय नं० 182 ग्रेन मार्कीट सैक्टर 26 चण्डीगढ़
- (2) मैसर सत प्रकाश लाजपत राय 182 सैंकर 26 चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति वह जिके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपञ्च वें प्रकाशन की सारी आ से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में भगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की नारी वासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवह किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अजोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिणापित है, नहीं अर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गोदाम नं० 182 जो ग्रन मार्कीट सैक्टर 26 खण्डीगढ़ में स्थित है।

जायदादा जैंसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 406 जून 1979 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक अध्यक्षर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रिवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत नजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर नंगति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1444 है तथा जो सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त खंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के बूक्यमान प्रतिस्त के लिए अन्वरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने ता कारच है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का परमह प्रविचत से धिषक है और बन्तरक (बन्तरकों) मौर मन्तरितों (पन्तरितियों) के बीव ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्तिबित उद्देश से उन्तः प्रस्तरण निवित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी साम की बाबत उक्त सिंध-नियम के ससीन कर वेने के सम्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर्थमा
- (ख) ऐसी निसी श्राय या किसी धन मा अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क श्रश्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, किया सुविद्या के लए;

अतः यन, उन्त समितियम, नी वारा 269-न ने सनुसर्थ में, में, उनत प्रथितियम की बारा 269-न की उपनारा (1) के अभीन, निन्तिवित व्यक्तियों, भवांत्:---

- केप्टन हुंशियार सिंह यादव पुत्र श्री रती राम बासी गांव नवादा फतेहपुर तहसील व जिला गुड़गांव द्वारा श्रीमित मोहन कौर पित श्री हरवंस सिंह वासी 1444 सैक्टर 34सी चण्डीगढ़ (श्रटार्नी) । (ग्रन्तरक)
- 2. मास्टर परमजीत सिंह (म) पुत्र श्री हरखंस सिंह द्वारा पिता श्री हरखंस सिंह 1444 सैक्टर 34सी चण्डीगढ़ (अन्तरिती)
- 3. स्टेशन कमाण्डर एमईएस वासी 1444 सैक्टर 34सी चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्दक्षि के सर्वत के सन्दन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविद्या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन मे 30 दिन की प्रवित्र, जी भी प्रविध्वाद में सनापत होती हो, के बोतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना हे राजपत्र में प्रहाजन की तारीब से 45 दिन के मीनर उनन स्थावर मंपिल में हित-बढ़ किसो अन्य अभिन द्वारा प्रधोहस्ताक री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रक्डोकरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के प्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस झब्बाय में दिया गया है।

### धनुसूची

प्लाट नं० 1444 जो सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 555 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

**प्रायकर प्रक्षिनियम,** 1961 (1961 का 43) की **प्रारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एनबीए/66/79-80—-ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधिक है

भ्रोर जिसकी सठ० भूमि 20 बीघे 6 विस्त्रे है तथा जो गांव बिशनगढ़ तहसील नाभा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यायलय नाभा, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 190 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेणीत्:——

- 1. श्री जगत सिंह पुत्र श्री गुजर सिंह वासी गांव बिशन गढ़ तहसील नाभा (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलबीर सिंह, चमकौर सिंह, प्यारा सिंह पुत्र श्री गुर-दयाल सिंह, श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह व जुझार सिंह पुत्र श्री ह्रदयाल सिंह वासी गांव घयीवाला सहसील नाभा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोड्स्तातरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमी 20 बीघे 6 विस्वे जो गांव बिशनगढ़ तहसील नाभा में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नाभा के कार्या-लय के विलेख संख्वा 738 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

रुपए से ग्रिधिक है

प्रक्रम ग्राई० टी० एन० एन०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, विनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/116/79-80--अतः मुझे सुखादेव चन्द धायकर घिं नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 21 बीघे है तथा जो गांव मंडेर तहसील नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन दिनांक जून, 1979

के उचित बाजार मूस्थ से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रश्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पिक है भौर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इसके जबने में सुविधा के किए; बोर/या
- (बा) ऐता तिनी प्रत्य प्रात्मिनी बत्त मा भन्य प्रसम्नियों की जिन्हें भारतीय पायभर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधितियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए बा, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अन्त, उत्ता प्रश्चिनियम, की धारा ३६००न के प्रमुख संदण में, में, बक्त प्रविभिवम की प्राप्त 269 मा की उपघारा (1) के ब्राडीन लिस्निविधिक ग्यक्तिकों अर्चीत् ५०००

1. श्रीमती ग्रमरकौर पत्नी श्री कृपाल सिंह ,श्री महिन्द्रकौर पत्नी श्री जोरा सिंह वासी गांव डंडराला, डींडसाव सुरजीत कौर पत्नी श्री भारमा सिंह बासी गांव टोडरवाल तहसील नाभा ।

(मन्तरक)

 श्री गुमेल सिंह, रणजीत सिंह, हरजीत सिंह सुपुत्र श्री महिन्द्र सिंह वासी गांव मंडैर, तहसील नाभा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आप की 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी श्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### धनुपुषी

भूमि 21 बिघे जो गांव मंडैर तहसील नाभा में स्थित है जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1146 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुचदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) मर्जन रेंज, लुघियाना

तारीबः 19 फरवरी, 1980 मोहर:

त्रक्प प्राई० शे० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, आयकर भवन, सुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एल०डी०एच०/म्रार/107/79-80---म्रतः मुझे सुखदेव चन्द

द्यायकर द्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से घ्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 1 बीधा 10 विसवे 13 विस्वांसी है सथा जो गांव झुगियाना, तहसील लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनन अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रिवितयन 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधितियन, या धन-कर प्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

भतः भ्रम, उन्तं भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उन्तं श्रधिनियम की धारा 269-व की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:——  श्री भाग सिंह पुत्र श्री ग्यान सिंह वासी गांव श्रुमियाना, तहसील लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स गुप्ता इंटरप्राइसिज,
 बी-6, टैक्सटाइल कालोनी, लुधियाना
 श्रीमती सुषमा पत्नी श्री सायाराम वादी झुगियाना, तह्सील लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (छ) इस रूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

श्यिक्टी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त ध्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रम होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

भूमि क्षत्रफल 1 बीघा 10 विसवे 13 विस्वासी गांव सुगियाना, तहसील लुधियाना में स्थित है। जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2682 जून, 1979 में वर्ज है।

> सुख देव चन्द सक्षम अधिशारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अजन रेंज, लुधियाना

तारीख 19 फरनरी, 1980 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस० ----

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रंबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, सङ्गात अधिकर आपुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/105/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषक्षस करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र फल 7 बीचे 17 विसवे हैं तथा जो गांव मलीपुर श्रराइया तहसी। पटियाला में स्थित हैं (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण प्रधिन्तियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के विष्यापूर्वोक्त सम्मति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्येग से उक्त प्रत्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्येग से उक्त प्रत्य पाया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतोर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. १ श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र ग्रानन्द सरूप सिंह बासी गांव ग्रलीपुर ग्रराइयां तहसील पटियाला, ग्रज बासी पुरी रोड, पटियाला ।

(श्रंतरक)

2. श्रीमती मक्षेत्र कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह वासी गांव माहनवाला तहसील ग्रम्बाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका पनात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका तमाति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूत्रा। के राज्यत्र में प्रकाणतकी नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हिन्द्र किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्तक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त प्रधि-तियम के प्रध्याय 20 ह में परिभाषित हैं वहीं प्रथं होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूखी

भूमि 7 बीघे 17 विसवे जो गांव श्रलीपुर श्रराईया तहसील पटिवाला में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 1472, जून, 1979 में दर्ज है।

> सु**लयेव चन्द** सक्षम प्राधिका ी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीन: 19 फरवरी, 1980

प्रक्ष धार्र • टी • एत • एस • —

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के मधीन सुबना

### पारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/176/79-80—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका छन्ति बाजार मूस्य 25,000/-च॰ से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि 47 विषे 16 विसवे हैं तथा जो गांव शेर माजरा तहसील पटियाला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में बास्तयिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिक्षितियम के सम्बोग कर देने के अन्वरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आव मा किसी खन या घम्य घास्तियों को जिन्हें धारतीय घायकर छिसिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिटिनयम, 1927 वा धन-कर घिटिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसर्थ में, में, उक्त अदिनियम की द्वारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∹ः

 श्री गुरवचन सिंह पुत्त श्री वीर सिंह गांव वासी शेरमाजरा, तहसील पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरवष्क्य सिंह पुत्र श्री वीर सिंह वासी गांव घेरमाजरा तहसील पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह युवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप ।--

- (क) इस पूरना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारी ख से 45 बिन की सर्वाद्य या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मुक्ता की वामी स से 30 बिन की सर्वाद्य, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना कें राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबदा किसी प्रत्य स्थित द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों पीर पर्शे का, जो उक्त प्रक्षित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्व होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 47 बीघा 16 विसवे जो गांव गेरमाजरा तहसील पटियाला में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2257 जून, 1979 में दर्ज है।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **लु**धियाना ।

तारीबा: 19 फरवरी, 1980

प्रकृष द्वाई । टी । एन । एस • -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980 निदेश सं० पी०टी०ए०/110/79-80—-ध्रतः मृ**से**, सु<mark>खदेव</mark> र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (तिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित वाबार मूख्य 25,000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 6 वीघा 6 विसवे है तथा जो गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के आधीन तरीख जून, 1979 को

1908 (1908 का 16) के प्राधान तराख जून, 1979 का जिस्त बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है पीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोंकत सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूख्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डस प्रतिशत धिक है पीर सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जेशेच्य से जन्त प्रम्तरण लिखित में वास्तरित कए से कथित नहीं जिया नवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उथत अधिनियम के धधीन कर देने के घरतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या प्रश्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, धा धन-कुर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सम, उनत प्रविनियम की श्रारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की श्रारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्:---

- श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र श्री ग्रानन्व सरूप वासी गांव ग्रलीपुर ग्रराईया तहसील पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुरिन्दिर सिंह पुत्र श्री टेक घन्द सिंह मार्फत जिला ट्रान्सपोर्ट झाफीसर, पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करते पूर्वोका सम्पनि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उनत अन्तरि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीब में 45 दिन की भवधिया सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (1) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मझोइस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीतरग--इनमें त्रयुक्त शब्दों और पर्वोक्त, को उक्त बिनियम के सहयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्व होगा को उन प्रध्याय में दिना नया है।

### अनुसूची

खेती वाली भूमि 6 वीघा 5 विसवा जो गांव मलीपुर मराइयां तहसील पटियाला में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1525 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन मुचना

### मारत सरकार

कार्यांलय, महायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/(186)/79-80----ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द्

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी की पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भम्भिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से पधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमि 7 बिघे 4 विसवे है तथा जो गांव प्रलीपुर प्रराईया तहसील पटियाला में स्थित है (भ्रौर इससे लपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्या य पटियाला में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिकारी के कार्या य पटियाला में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिक्यम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिल बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ती के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पत्वह 15 प्रतिभात से भ्रधिक है भीर मन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरीती (भ्रन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स्त) अन्तरण ने इंड्ड किसी आय की बाबत, उक्त धिक्षियम के ब्रहीत कर देने के ब्रन्टरक के वाणित्व में कमी करने या उससे अथने में सुविशा के खिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें पारती । साय-अन्य सिद्धात्यम, 1922 (1922 का 13) या उपत सिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ प्रविश्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, खबत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, बनत श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन, निम्निमिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—  श्री प्रीतम भिंह पृत्र श्री पंजाब सिंह वासी गांव प्रलीपुर प्रराईया तहसील पटियाला ।

(ग्रन्तरक)

 श्री बलकार सिंहपुत श्री तेजा सिंह वासी गांव श्रलीपुर श्रराईया तहसील पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन के भीतर जन्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसर्वे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर तदों का, जा उन्त अग्नि-नियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भवं होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

## धनुसूची

भूमि 7 बीघा 4 विसवा जो गांव ग्रलीपुर ग्रराईया सहसील पटियाला में स्थित है। जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2362 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी स्ट्रिसहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरनरी 1980

माहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० सी एच डी ०/115/79-80— प्रतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० प्लाट न० 3030 है तथा जो सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़ में स्थित है (म्रोर इससे उपायद्ध झनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्राधक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी "भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम, के भ्रिष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में. उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रद्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :--- 71—486QI/79

1. डा० ऐक्स मैजर सोहन मिह पुत्र श्री भगत सिंह द्वारा श्री इन्द्रजीत मलहोत्रा पुत्र श्री लदाराम महलहोता बासी दी नेस्ट नीयर लेडी रीडिंग हस्पताल शिमला। द्वारा श्री बख्शीस सिंह पुत्र हजारा सिंह वासी 341 इन्डस्ट्रियल एरिया चन्डीगढ़।

(भन्तरक)

- श्री मती राज मलहोत्रा परनी श्री इन्द्रजीत मलहोत्रा वासी दी नेस्ट नीयर लेडी रीडिंग इस्पताल शिमला। (धन्तरिती)
- 3. श्री सी० पी० वाली श्राफ स्टट बक श्राफ इडिया श्री एस० चावला वासी मकान नं० 3030 सेंक्टर 35डी चन्डीगढ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पाभ है)

4. श्रीमती सुखबीर कौर पत्नी श्री बखशीस सिंह 341 इन्डस्ट्रियल एरिया चन्डीगढ़।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्मपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

# उदत सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षीप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकते।

स्वट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट मं० 3030 जो सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़ में स्थित है जायदाद जैंसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चम्डीगढ़ के कार्यासय के विलेख संख्या 596 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारी**ख 19 फरवरी 1980** भाहर : प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस•--

भायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं०डीएचग्रार/9/79-80—ग्रतः मुझे मुखदेव ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

और जिसकी सं० 48-कनाल है तथा जो उमरला गांव हेडी के में स्थित हैं) (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण करा ने विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय धूरी में रिजस्ट्री-करण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्र मिल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिभत श्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और-अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, जनत प्रधिनियम की धारा 269-म के सनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शीमती गुरदेव कौर विधवा मधर सिंह पुत्र मल सिंह गांव हेडीके मार्फत हरनेक सिंह पुत्र नथा सिंह गांव मखोकला (बक्ष्ला) व करनेल सिंह पुत्र करतार सिंह वासी कालेके ।

(भ्रन्तरक)

2. मलिक्यत सिंह दलीप सिंह पुत्रान हरनाम सिंह पुत्र पाल सिंह जट सिंख गांव हेडीके। व गुरचरण सिंह श्रवतार सिंह पुतान जोगिन्द्र सिंह पुत्र भान सिंह सोही मघर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र प्रीतम सिंह वासी सुल्तान पुर (धूरी)

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए जायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, बो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्प्रति में हितक के किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रयोत्स्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्स श्रीवित्यम के भ्रव्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रव्याय में वियागया है।

### मनुष्यी

जमीन 48 के-3 मरला गांव हेडीके (धूरी) जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कि प्रधिकारी धूरी के विलेख नं० 1868 जून 1979 में दर्ज हैं।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), क्ष्र्यर्जन रोंज, लुधियाना।

तारीख: 19 फरबरी 1980

प्ररूप धाई०टी० एन० एस० →

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेण सं० डीएचग्रार/37/79-80—ग्रतः मुझ सुखदेवचन्द भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र फल 0~67-28 है था जो गांव हीटके में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतृत्वी में ग्रीर जो पूर्ण से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अविकारी के कार्यालय धूरी में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रवः एव, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त श्रीधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी श्री हरनाम सिंह वासी ठुलीवाल व श्री करनेल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह व हरनेक सिंह पुत्र श्री नथा सिंह वासी पखोंकलां तहसील घूरी।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वेश्री प्रीतम सिंह मुक्तन्द सिंह गुरदियाल सिंह हीरासिह दलीप सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह वासी गाँव दिदार गढ़ (धूरी) । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्य होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनु सूची

भूभि क्षेत्र फन 0-62-28 जो गाँ। हठिके तहसील भूरी में स्थित है। जायदाद जैना कि रिजिस्ट्रोजर्ग श्रिधिकारी धूरी के कार्यालय के विलेख संख्या 1846 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी तहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्रकप प्राई • टी • एन • प्रशः • • • •

जायकर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सै॰ डीएचप्रार॰/38/79-80--प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावय संपत्ति, जिसका स्वित बाजार मृक्य 25,000/-४० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० एच० घो०-65 भार-05 है तथा जो गांव हेडीके में स्थित है। (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय धूरी में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख 6/79

पूर्वोक्त सम्पति के विजित बाजार भूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि बयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्त्वत बाजार मूल्य, उतके
पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल के प्रश्नाह प्रतिक्रत
से ब्राडिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिविश्वों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत,
निकालियात उद्देश्य से खबत बन्तरिया जिखित में वाश्तविक कप
से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की बाबत उक्त श्रीवित्यन के श्रीवीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या छत्तसे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अध्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय धायकर घषिनियम, 1922 (1922 का 13) या सकत घिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाझिए था, छिमाने में सुनिका के लिए।

जतः, जब, उन्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-न की उपवारा (1) के बाबीन निम्नोलेखित न्यमितनों, अर्थीत् :---

- गुरदेव कौर विधवा मधर सिंह पुत्र मल सिंह माफत मुख्तयार अपा करनैल सिंह पुत्र करतार सिंह गांव कालेके। हरनेक तिहुपुत्र नत्था पिर्गांच पत्रोकतो (बरनाला) (अन्तरक)
- 2. प्रीतम सिंह, मुकन्व सिंह गुरदयाल सिंह अवतार सिंह बलीप सिंह बेटे जिऊन सिंह गांव वीदारगढ़ (धूरी) (श्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके र∃कत सम्मान के अर्जन के **लिए** कार्यवा**हिंग**ि करना हूं।

उन्त सम्पर्त के अर्थन है सम्बन्ध में कोई भा अध्यप :--

- (क) इन सुचना के राजाब में प्रकानन का जोख ने 45 दिन की जबिध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की वार्यल से 30 दिन की भवाध, की था अवधि बाद में पाल्य होता हा, की बीतर प्रोंका लिखकी में से कियों कारत द्वारा;
- (ख) इत तूनता के पायपत्र न प्रकाशन को नागद से 45 दिन के भीतर छम्त त्थावर संपत्ति में हित्यक किया अन्य व्यक्ति द्वारा भन्ने स्ताक्षरों के उप लिखित में किर आ सकेंगे।

राहर्शकरण :--इसमें प्रमुक्त ां और पदी का, जी उक्त अधिनियम के घटनाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो, उस अध्याप में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीत - 65 प्रार-05 गांव हडीके जायवाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता श्रविकारी बूरी के विलेख नं० 1848 जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव घन्द सक्षम अधिकारी सहायक क्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

प्ररूप आई• टी• एन० उ्न०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980 निदेश सं० पी०टी०ए०/162/79-80-अतः मझे सुखदेव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीत सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, असका उचित बाजार

मुल्य 25,000/- व० से ब्रिका है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 14 विसर्व है तथा जो नरूला कालोनी, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीरण श्रीधनियम 1908 (1908

का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1979 को पूर्वीकत सम्पन्ति के उदित बाजार मृत्य से कप के बुबबनान प्रानिकल के लिए अन्तरित की नहें हैं और मुक्ते यह रिश्यात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित अजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यगान प्रतिफल का प्रस्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और धन्तरक (भग्तरकों) और भन्तरिती से (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नि खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषिक रूप से जियत नहीं क्तिया समा ह: --

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी बाया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) धा उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनित्यत् 1957 (1957 मा 27), मेर प्रयोजनार्थं भन्तरिती हुन्। प्रभट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त धीवनियम की घारा 269-थ की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित स्पन्तियों अर्थात् :---

1. श्री स्वर्ग जीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह जनरन अधानी, आं श्री गोतात पूत्र श्री बरह बाती सर् कालोनी, पटियाला ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती अविनाश रानी परनी श्री तिलक ूँराज टण्डन वासी 17/56, रगोभाजरा प्रीत गली, पटियाला।

को यह सूबना जारीक रकेपूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

उन्त सम्बंति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इय पूजना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मनधि बाद में समाज्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त श्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अध्य स्प्रक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं पर्व होना को उस प्रक्रमाय में दिया मया है।

#### अनुस ची

प्लाट क्षेत्र फल 14 विजये नरूला कालोनी, पटिमाला में स्थित है जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 2040 जून, 1979 में दर्जहै।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

मोह्र :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०---

आयकर पिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

हायनिय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दर्नाक 19 फरवरी, 1980

ज्ञायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि 15 विघे 15 विसवे है तथा जो गांव अवलोवाल तहसील पिटयाला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पिटयाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उनत श्रधि-नियम के ग्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (॥) ऐसी किसी भाष या किसी धन या म्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्न प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत :--- 1. श्री प्रीतपाल सिंह पुत्र श्री भान सिंह जनरल म्रटानी म्राफ प्रीतम कौर, सत्वन्त कौर विपन जीत कौर पुतियां, श्री भान सिंह वासी म्रवलोबाल, तहसील पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री शिवदेव सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह वासी गाँव बसी तहसील पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोकत सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप : ---

- (क) इत सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त स्रिधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 15 वीघे, 16½ विसवे जो गांत्र प्रविनो-बाल तहसील पटियाला में स्थित है। जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 2065 जून, 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०----

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/172/79-80—-ग्रतः मुझे सुखदेश चन्द

भ्रायकर मिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के समितियम मिसिन प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगत्ति जिन्ना उचित बाजार मल्य 25,000/- द० से प्रिका है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 विघे 15 विसवे हैं तथा जो गांव भवलोबाल तहसील पिट्याला में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पिट्याला में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिकारी भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जून, 1979 को पूर्वोक्त पंगीत के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिगत सं भ्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फर निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें। भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उनत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उना प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयीन्:-- 1. श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री कैंग्टन हरदलजीत सिंह सिंघू, द्वारा जनरल ग्रंटानीं श्री पृथीपाल सिंह पुत श्री भान सिंह वासी गांव भवलोवाल भव वासी फोरेस्ट सरकल श्राफिस श्रोपोजिट सैन्ट्रल जेल, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मंगल सिंह पुत्र श्री मगर सिंह वासी धरनी हाउस, बासी पठाना तहसील पटियाला।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूबता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

# उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्टें होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

### अनु सूची

भूमि क्षेत्र फल 18 वीघे, 15 विसवे, जो गांव भवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2161, जून 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव जन्य सक्तम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर मायुक्त, (निरीक्तण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 19 फरवरी, 1980 मोहर ∎ प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश पी०टी०ए०/164/79-80----श्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः

नावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचिन जाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घोषक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र फल 6 बीघे 3 बिसवे है तथा जो प्रवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह
विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
छित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिमत से मिलक है भौर
मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच
ऐसे मन्तरक के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उत्तर प्रतिरंग लिखित में वास्तविक कप से कथित
नहीं किया गरा है:---

- (क) प्रस्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत उवत, प्रिष्ठि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाविस्त में कृषी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (आ) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें, भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः. प्रज, उक्त ग्रहिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रहिनियम की धारा 269-म की उपजारा (1) के ग्रधीन निम्नजिखित म्यक्तियों, ग्रमीत्:—

- श्रीमती प्रीतम कौर सतवन्त कौर, विपत्तजीत कौर पुत्रियां, श्री भान सिंह वासी भ्रवलोवाल तहसील पटियाला, द्वारा जनरल भ्रटानीं, प्रितपाल सिंह, पुत्र श्री भान सिंह वासी भ्रवलोवाल, तहसील पटियाला। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री तरलोचन सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह वासी नारायणगढ़ तहसील पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समाति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी श्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त प्रधिनिषम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, कही प्रवे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 वीघे 3 विसवे जो गांव प्रवलोबाल । तहसील पटियाला में स्थित हैं।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2077, जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • −−−

शायकः अभिनिजम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-य(1) के स्रधीन ्चना भारत सरकार

कार्यातय, सङ्घ्यक आयकर भायकत (निरीक्षण)

ध्रजंत रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरीं 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/167/79-80—- ग्रतः मृक्षे सुखदेव चन्द

जायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवर्त 'उक्त घिष्टिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सम्मान प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अग्निक है

भीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र फल 18 वीचे 15 विसवे हैं तथा जो गांव भ्रवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक जून, 1979 को पूर्वोंक्त सम्पांत के उचित बाजार मून्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए भन्दरित की गई है भीर मन्ने यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, ऐसे व्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित वहीं किया नया है :——

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नालेखित व्यक्तियों, श्रक्ति:--18—486GI/79  श्री विपनजीत सिंह पत्नी श्री नरेन्द्र जीत सिंह द्वारा जनरल ग्रटार्नी, श्री प्रितपाल सिंह गरेवाल, पुत्न श्री भान सिंह वासी फोरेस्ट सरकल ग्राफिस, ग्रापोजिट सेन्ट्रल जैल, पटियाला ।

(ग्रन्तरक)

 श्री हरचन्द सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह वासी जयपुरा, तह्सील पायल, जिला ल धियाना।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी बादोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की घवधि, जो भी यात्रीय बाद में समास्त होनी हो, के भीतर प्वॉक्त नाकितयों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों।

स्पट्टीजरणः --इवमें प्रयुक्त सब्दों शोर पदों का, जा उनत अधि-नियम के आध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अ**नुसू**ची

भूमि क्षेत्र फल 18 बिघे 15 बिसने जो गांव प्रवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2128 जून, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव भन्द सक्षम प्राधिकारी स**हायक माय**कर मायुक्त निरीक्षण भ्रजेन रेंज, लुधियाना

सारी**ख**: 19 फरवरी, 1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

महायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० /97/79-80—- ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3 सैक्टर 15ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य के कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया रः——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिः व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन था ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त श्रिधिनियम, था धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियमः की धारा १६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा १६९-घ की उपधारा(1) के श्रधीनः निम्नलिखिन व्यक्तियों श्रथिनः—  श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह प्रोप्राइटर: पंजाब फोटो स्टूडियो, मौना बाजार, हिमफाल (मनीपुर)

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती वीरा देवी पत्नी धरम चन्द चावला, वायी मकान नं० 3 सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

- (1) मैसर्स टेक्सला प्रिटिंग प्रेस, प्रोप्राइटर,
   श्री तरलीधन सिंह
  - (2) मैसर्स भ्रगरवीप टाईप कालिज, प्रोप्राइटर मिले सुप्तखदेव कौर, मकान नं० 3, सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

मकान नं० 3 सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़, जायदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय की विलेख संख्या 498 जून, 1979 में दर्ज है।

> ंसु**खदेव धन्य** ंसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

प्ररूप आई० टी० एल० ए४०---

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चं०/98/79-80---- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिशितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित 25,000/- न्पए ये श्राधिक है मुल्य भौर जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 125 सहित स्ट्रक्चर व इमारत है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान शतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालेखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण जिन्दिन में वास्तविष्ठ छा न वित नहीं किया गया है :--

- (इ) प्रन्तरम से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीत कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) धानीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:----

- (1) श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री बनारसी दास वासी भ्रम्तसर ।
  - (2) श्री प्रनिल कुमार पुत्र श्री श्रह्मानन्द वासी ग्रम्तसर।
  - (3) श्री तोर्घराम पुत्र श्री बनारसी दास वासी मोगा।

- (4) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री संत लाल बंसल
- (5) श्रां रुष्ण कुमार बंसल पुत्र श्री संतल।ल बंसल
- (6) श्रीमती मुशीला देवी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री सं न लाल पुत्र श्री सरना मल वासी गांव पाटली पुत्र कालोनी, जिला पटना (विहार) ।
- (7) मैसर्स भ्रलवा फार्मास्यूटीकल 125 इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैंसर्स के० ग्रार० राईस ग्रायल एण्ड जनरल मिल्स द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्रश्री किशोरी लाल
  - (2) श्री ग्यान चन्द,
  - (3) श्री तारा चन्द
  - (4) श्री नसीब चन्द पुत्रगण स्वर्गीय कुलवन्त राय
  - (5) श्रीमती तृष्त कौर, पत्नी श्री मनजीत तिह वासी 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

मैसर्स के० ग्रार० राईस, श्रायल व जनरल मिल्स
 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→-

- (क) उप सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इन सूचना के राजात्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20 कमें यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि व इमारत व इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 499, जून, 1979 में दर्ज हैं।

> सुखदेव **चन्त्र,** सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 19 फरवरी, 1980

## प्ररूप धाई० टी० एन० एम०----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

— लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980 निदेश सं० पी०टी०ए./133/79-80—-श्रतः मुझे सुखदेव

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/3 भूमि का भाग क्षेत्रफल 994 बीया 1 विसवा, है तथा जो गांव फलोली, नजदीक पंजाबी युनिवर्सिटी पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून/जुलाई, 1979

को पूर्वाक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बोच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देष्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की यावन, उकन प्रक्रिनियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हें भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए:

अतः अव, उत्तर अधिनियम की द्यारा 269-ग के अनुनरक में, में, उत्तर अधिनियम की द्यारा 269-म की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह कटडा साहिब सिंह पटियाला ।

(प्रस्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द कौर पुत्री भी गुरवक्श सिंह वासी माडल कालोनी, यमुनानगर,

- (2) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री कुलवन्त हिंद्द पुत्र सुन्दर सिंह पटियाला।
- (3) श्रीमती सुरजीत महाजन पुत्री बोधराज, महाजन सदर बाजार, पटियाला ।
- (4) कृष्णा कुमारी पुत्री श्री हरिराम चावला राजपुरा कालोनी, पटियाला ।
- (5) श्रीमती स्वर्णकौर, पुत्री श्री रखपाल सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह लहल, पटियाला ।
- (6) महिन्द्र कार पुत्री राम सिंह वकील जिला कोर्ट, पटियाला ।
- (7) प्रितपाल कौर पत्नी श्री चरण जीत सिंह पुत्र भगयान सिंह बासी लहल, पटियाला।
- (8) श्रीमती हरबख्श कौर उफ मनजीत कौर पत्नी श्री हरगोपाल सिंह वासी लहल, पटियाला।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त समात्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं प्रखें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1/3 भाग 994 वीघा 1 विसवा गांव फलोली, नजदीक पंजाबी युनिवर्सिटी, पटियाला।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1758, जून/जुलाई, 1979 में वर्ज है।

सुखदेध चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस०---

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सो०एच०डी०/75/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर भिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांजार मूल्य 25,000/- क से भिंधिक है

भीर जिसकी सं 0 1/2 भाग एस० सी० एफ० 18 है तथा जो सैक्टर 19डी, चन्दीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण का से वर्णिन है) रिजिल्ड्रीकर्नी स्रविकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून, 1979

को 16) के अधान विनाक जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्तन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रवाद्वर्शकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐमे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिबक रूप से किशन नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण सं हुई निसी भाय की बाबत, उक्त भ्रक्षिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उपत मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, बनत मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अटीच निम्मतिखन म्यन्तियों, धर्मात्:—  श्री कपूर चन्द पुत्र श्री भागमल वासी 13/27-बी, तिलक नगर, न्यू दिल्ली।

(मन्तरक)

- श्री जोगिन्द्र पाल खन्ना, पुत्र श्री तुलसी राम खग्ना, एस० सी० एफ० 18 सैन्टर 19डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरितीं)
- जे० पी० खन्ना, प्रोप्राईटर:
  मैंसर्स प्रपोलो स्टूडियो, सैंक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।
  (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिश्रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उन्त भिधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विना गया है।

### भनुसूची

1/2 भाग एस० सी० एफ० नं० 18 सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़ जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 405, जून, 1979 में दर्ज है ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980.

मोहरः

बारत संरकार

कार्यानत्र, सहायम् धायमर ग्राज्यतः (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० सी.एच.डी./79/79-80--- अतः मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के धर्मीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- रूपए मे भ्रविक है भौर जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० एफ० नं० 18 है, तथा जो सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर मन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रन्तरितो (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिध-नियम', के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या भनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविका के लिए;

ग्रतः, ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत्ः—  श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री भागमल वासी 13/27 बी, न्यू दिल्ली । तिलक नगर, न्यू दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री जोगिन्दर पाल खन्ना, पुत्र श्री तुलसी राम खन्ना वासी एस० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 19 डी, चन्डीगढ़। (अन्तरिति)
- 3. श्री जे॰ पी॰ खन्ता प्रोप्राइटर
  मैंसर्स घ्रपोलो स्टुडियो, सैक्टर 19डी, चन्डीगढ़।
  (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राज़ेन :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वतित व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूबना क राजाज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनवद्ध किया प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रशाहराजरों के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वष्टोश्वरण:--इसमें प्रपृक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग, एस० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 19 डी, चन्डीगढ़ जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख 404, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव **चन्द** सक्षम प्राधिकारी स**हायक द्या**यकर **प्रायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सूधियाना

तारीखः 19 करवरी, 1980

# प्रकप बाई • टी • एन • एत • -----

आयहर प्रतितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ(1) के ग्रामीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेशों सं० सी०एच० डी० | 85 | 79-80 — अत: मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर पिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे गावार् 'उनर पिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-खे के प्रजोत नामन गाँउ कारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्यालि. जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000 |-क्यए से अधिक है

भौर जिम्की सं० प्लाट नं० 114 है, तथा जो सैक्टर 15 ए, धन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाल्द्ध श्रनुसूधी में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979 को

पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यनान प्रतिक्षत क तिए प्रस्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का करिए प्रस्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का करिए है कि यथार्ज्ञों सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यनान प्रतिक्षत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षत के पत्त्रत् प्रतिगत से ध्रविक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) भीर भग्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत्र, निस्तिविद्यात उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में सम्प्रतिक क्या से किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की शबत, उक्त प्रधिनियम के अवीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐपो किसी साय या किसी धन या प्रम्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिवितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रिवित्यम, या भन-कर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः, सव उक्त धिक्षित्यमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियमं की धारा 269-घ की संपंधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोदः—

- 1. (1) श्रीमती कमलेश कुमारी सोनी, विधवा श्री राम स्वरुप सोनी ।
  - (2) विजय कुमार
  - (3) शमशेर क्रमार सोनी
  - (4) प्रनिल कुमार
  - (5) सुनील सोनी पुत्न स्वर्गीय राम स्वरूप द्वाराहै श्रीमती कमलेश सोनी
  - (6) श्री राजीव सोनी (ग)

पुत्र श्री राम स्वरूप सोनी, द्वारा माता श्री कमलेश कुमारी सोनी, वासी शोरिया गली नजदीक जलकुम्रा, कपूरयला ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री इन्द्रजीत गुष्ता पुत्रश्री जजलाल, श्रीमती विमला कुमारी पत्नी श्री इन्द्रजीत गुष्ता, वासी 114, सैक्टर, 15 ए, चन्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

- श्री के० एच० सुब्रह्मानिय वासी 114, सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़ ।
  - (2) श्री श्याम सलोना, 114 सैक्टर 15ए, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लए कार्यवाहियां करता हैं।

खनत सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी क्यिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पराधीकरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त व प्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वड़ी अर्थ होगा जो उप भव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 19फरवरी, 1980

प्रकृष धाई । डी । एन । एस :------

आयकर**अधि**नेयन, 1961 (1961 का **43**) की धारा 269-ण (1) के संधीत सुवना

भारत भरकार

क गंत्रय सर्गार आरक भाषान्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० लु०/258/79-80—स्नतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रतीन नक्षम राधिकारी की, यह विश्वास करने का कप्रण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार सूख्य 25,000/- द० से पश्चिक है

स्रोर जिसकी सं० कोठी नं० 136-एल-स्रार०, है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना, में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जुलाई, 1979

को ग्रांकित तस्यति के उतित बातार मून्य में कम के दृष्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित को नई है और मुझे यह बिषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बातार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पर्वह प्रतिशत से प्रविक्ष है और अन्तरक (अन्तरकी) और यस्तरिती (अन्तरित्याँ) हे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्मलिखित उद्देश्य से उच्च प्रतर्भण लिखित में वास्तिक क्य ने निष् त्रीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की वायत **उक्त अधि**-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कभी बरने या उत्तर तबने में स्विता के लिए: श्रीर/या
- (त) तेना किती बार या किता का बा बाब सास्तियों की, निन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के ज्यापनार्थं घन्छोरती द्वारा शकट नहीं किया गया था त किया भाग चाहिए या, कियाने में सुविधा के नित्र:

अतः अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के पनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकार। (1) के अधीन निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री विद्या रत्तन वेरी, परमाथा नाथ वेरी, सुभाषचन्दर वेरी पुत्र गुरु दास वेरी, पुत्र दिवान चन्द वेरी, वासी 136 ल व व क , माइल टाउन, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री हिर सिंह पुत्र जगीर सिंह श्री वर्शन सिंह पुत्र संतोष सिंह वासी 414, इंडस्ट्रीयल एरिया, "ए" लुधियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्यानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्प्रिके अर्जन के चंध्य में छाएँ हो। प्राक्षेत्र :---

- (क) इत सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि ना नत्संबंधा व्यक्तियों पर सूबना की ताशील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बार में समाप्त हाती ही, के भीतर प्रशैक्त व्यक्तियों न में किसी क्यक्ति हारा,
- ख) इस नूचना हे राधान न प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के मौतर उन्त स्पानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास बिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें गवुन्त शव्दों श्रीर पत्नी का जनत अधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाणिक्ष है, उही अर्थ होगा, जो उस घटवाय में दिया गया है।

#### प्रमुख यो

कोठी नं० 136-एल० ग्रार०, माडल टाऊन, सुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2109 जुलाई, 1979 में दर्ज हैं)

> सुखदेव **पन्द** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110011, the 28th December 1979

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri G. P. Saxena a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis on deputation to the post of Section Officer (Special-Confidential or a period of three months with effect from 9th Nov., 1979 or till regular appointment is made, whichever is cartier.

On his appointment to the post of Section Officer (Special-Confidential) the pay of Shri G. P. Saxena will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

#### The 15th January 1980

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two permanent Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis on deputation to the posts indicated each for a period from 11-1-1980 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri J. S. Sawhney—S.O. (Special-Examination scrutiny and co-ordination).
- Shri H. M. Biswas—S.O. (Special-Examination rules and arrangements).
- 2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri J. S. Sawhney and H. M. Biswas will be regulated in terms of the Ministry of Finance Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd January 1980

No. A.12026/1/79-Admn.II.—In continuation of U.P.S.C. Notification of even number dated 16-10-1979 Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Y. R. Gandhi, a permanent Section Officer of the CSS cadre of U.P.S.C. to officiate on regular basis as Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on transfer on deputation for a period of 3 years w.e.f. 11-10-79 (including the period from 1-1-80 to 15-1-80 being treated as on ad hoc basis) in the office of the Union Public Service Commission or until further orders whichever is earlier.

2. Consequent upon his appointment as Administrative Officer Shri Y. R. Gandhi will draw basic pay in his substantive post of Section Officer of the CSS plus deputation duty allowance @ 10% subject to a maximum of Rs. 100/- in terms of the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)/F.III/60 dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy. (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 10th January 1980

No. A. 11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Soni, Private Secretary of the C.S.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the period from 4-1-1980 to 29-2-1980.

2. Shri N. K. Soni shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

S. BALACHANDRAN, Under Secy. (Incharge of Admn.), Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th January 1980

No. A.32014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate

as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad hoc capacity with effect from the dates mentioned below:

Sl. No.	Name	Regular Post held	Post to which <i>ad hoc</i> appointment made	Period for which ad hoc appointment made
1	2	3	4	5
1. 2. 3. 4. 5.	S/Shri S. P. Mehra O. P. Deora Hukem Chand H. C. Katoch T. R. Sherma	Officiating Selection Grade for Grade C Stenographers and Pennanent P.As. (Grade C of the CSSS). —do—	Senior PA (Grade B of the CSSS)  -do-	1-1-1980 to 29-4-1980 or until further orders which ever is earlier. 1-1-1980 to 23-2-80 or until further orders whichever is earlier.
6.	K. S. Bhut mi	Permanent P. A. (Grade C of the CSSS).	do	1-1-1980 to 8-1-80.

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior P.A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any

The 22nd January 1980

No. A-19017/7/79-Admn.I.—Consequent on his nomination by the Department of Personnel and Administrative Reforms for promotion to Grade B of CSSS under the zoning scheme, the President is pleased to appoint Shri Tarsem Singh, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS cadre of Ministry of Information and Broadcasting), to officiate as Senior Personal Assistant in grade B of CSSS cadre of the Union Public Service Commission on purely 19—49401/79

title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade

temporary basis with effect from the forenoon of 9th January 1980 until further orders.

The appointment of Shri Tarsem Singh as Senior Personal Assistant will, however, be subject to the condition that he will be liable to be reverted to grade C of CSSS when an officer included or approved for inclusion in the Select List of Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) becomes available for appointment against the post to which his appointment has been made.

S. BALACHANDRAN, U nder Secy. Union Public Service Commission.

# New Delhi-110011, the 1st February 1980

No. A.32013/1/79-Admn,I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

Perlod S. No., Name and

Shri P. C. Mathur, S.O. from 24-1-80 to 29-2-80
 Shri T. M. Kokel, Orade A officer

of CSSS from 26-12-79 to 29-2-80 3. Shri S. Srinivasan, S.O. from 4-1-80 to 7-1-80 4. Shri D. P. Roy, S.O. from 28-12-79 to 7-1-80

No. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 27-11-79 and 11-1-1980, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further period of three months w.e.f. 3rd January, 1980 or until further orders whichever is earlier.

No. 32013/4/79-Admn.I.—The President is pleased to permit the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate/continue to officiate as Under Secretaries in Grade I of Central Secretariat Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

Period S. No.. Name and

1. Shri B. B. Mehra, Grade A officer of CSSS, from 22-1-80 to 29-2-80

2. Shri B. S. Kapur, S.O. from 13-1-80 to 29-2-80

3. Shri R. N. Khurana, S.O. from 21-2-80 to 29-2-80

4. Smt. Bhavani Thyagarajan, from 14-12-79 to 29-2-80 S.O.

5. Shri M. A. Ganapathy Ram. Grade A officer of CSSS, from 21-12-79 to 29-2-80,

#### The 4th February 1980

No. A.32014/1/79-Admn.HI.—The resident is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Section Officers in the same cadre for the neriod indicated against each or until further orders, whichever is: earlier :-

#### S. No., Name Period for which promoted as Section Officer

- 1. Shri Krishan Kumar—1-1-80 to 29-2-80 2. Shri R. P. Sharma—1-1-80 to 29-2-80 3. Shri S. D. S. Minhas—1-1-80 to 29-2-80 4. Shri J. L. Sud—1-1-80 to 29-2-80

- 4. Shri J. L. Sud—1-1-80 to 29-2-80
  5. Shri G. P. Bhatta—1-1-80 to 29-2-80
  6. Shri S. N. Ghosh—1-1-80 to 29-2-80
  7. Shri O. P. Kathuria—1-1-80 to 29-2-80
  8. Shri Rajendra Singh—1-1-80 to 29-2-80
  9. Shri O. P. Kautia—1-1-80 to 29-2-80
  10. Shri S. N. Pandit—1-1-80 to 29-2-80
  11. Shri M. S. Asnani—1-1-80 to 29-2-80
  12. Shri Krishan Lal-I—1-1-80 to 29-2-80
  13. Shri Ramal Dass—8-1-80 to 29-2-80
- 13. Shri Remal Dass-8-1-80 to 29-2-80.

The 9th February 1980
No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. M. Ibrahim Yusuf, permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate, on an ad-hoc basis, as Section Officer in the same cadre for the period from 8-1-1980 to 29-2-1980 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, Section Officer of the C.S.S. cadre

- of Union rubic Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from 8-1-1980 to 29-2-1980 or until further orders, whichever is carlier.
- 2. Shri B. D. Sharma shall draw Special pay, @ Rs. 75/per month in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 12/1/74-CS(1) dated 11-12-75.

Y. R. GANDHI, Administrative Officer, for Under Secy.

# Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION New Delhi, the 19th February 1980

No. 10 RCT 2.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 14-2-1980 to 13-5-1980 or until further orders whichever is earlier.

> K. L. MALHOTRA, Under Secv. For Central Vigilance Commissioner

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

# CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th February 1980

A.-19027/2/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shrl S. C. Mittal, permanent Senior Scientific Assistant, C.F.S.L.. Central Bureau of Investigation, presently officiating as Senior Scientific Officer (Documents) in the C.F.S.L. on ad-hoc basis to officiate in the post of Senior Scientific Officer (Documents), C.F.S.L., Central Bureau of Investigation with effect from 14-6-78 (FN) and until further orders.

> O. L. GROVFR, Administrative Officer (F). Central Bureau of Investigation

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 7th February 1980

E-33013/1/79-Pers.--On acceptance of his resignation. Shri V. G. Thatte, relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BAICO Korba, (MP.) w.e.f. the afternoon of 14th January 1980.

No. E-38013(3)/12/79-Pers.—On transfer from Durgapur. Shri D. C. Roy assumed the charge of the nost of Asset, Comdt., CISF Unit, BSI. Bokaro w.c.f. the afternoon of 18th January 1980.

## The 14th February 1980

No. F-38013(2)/1/79-Pers.-On transfer to Sagar. It. Col. D. S. Mangat relinquished the charge of the post of Comdt., CISF Unit, BCCI Tharia w.e.f. the afternoon of 11th January 1980:

> (Sd.) HIEGIPLE Inspector General, CIST

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 12th February 1980

11/37/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Srinivasa Rao, an officer belonging to the Andhra Pradesh Civil' Service, as Deputy Director of Census Opera-tions, in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyd rabad, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 19th January, 1980, until further rrders.

# 2. The headquarters of Shri Rao will be at Hyderabad. The 14th February 1980

No. 25/12/73-RG(Ad.I).—The President is pleased appoint Shri Ajit Kumar Barkakoty, an officer belonging to -the Assam Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Assam, Gauhati, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 24th December, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Barkakoty will be at Gauhati.

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 13-12-1978, the President is pleased to extend the period of appointment of Shri E. Ramaswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Research Officer (Social Studies), in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, upto 30th June, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

The headquarters of Shri Ramaswamy will be at New Delhi.

> P. PADMANABHA, Registrar General

#### MINISTRY OF LABOUR

#### LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 5th March 1980

No. 233/80-CPl.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 371 (three hundred and seventy one) during the month of January, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of January, 1980 works out to 451 (four hundred and fifty one).

> A. S. BHARDWAJ, Joint Director Labour Bureau, Simla

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I WEST BENGAL

Calcutta I, the 11th February 1980

No. Admn.I/947-III/3852.—The Accountant General-L West Bengal has been pleased to appoint the following officiating Accounts Officers of this office/Office of the Accountant General-II, West Bengal/Office of the Director of Audit, Central, Calcutta in substantive capacity in the Ollicers' grade with effect from the dates not Accounts dates noted against each :---

S/Shri 1. Guru Prasad Basu Roy	1-3-75 1-5-78 1-5-78
<ol> <li>Guru Prasad Basu Roy</li> </ol>	1-5-78 1-5-78
	1-5-78
2. Sudhendu Nath Bhattacharjee	
3. Sachindra Narayan Das	
4. Santosh Kumar Bancrjee	16-9-78
5. Sushil Kumar Sinha	1-10-78
6. Ajit Kumar Sen	1-1-79
7. Sunit Kumar Sen	1-1-79
8. Dilip Kumar Sengupta	1 <b>-2</b> -79
9. Ajit Kumar Koley	1-3-79
lo. Satya Ranjan Kar	1-4-79
11. Guruprasad Roy	1-9-79
12. Parimal Ghosh	1-10-79
<ol> <li>Amarendra Nath Chakrabarthy</li> </ol>	
14. Nirmalendu Chatterjee	1-11-79
15. Brojo Copal Ghosal	1-12-79
16. Birendfa Kumar Ghosh	1-12-79
17. Jaynarayan Mukherjee	1-12-79
<ol><li>Gobindapada Joardar</li></ol>	1-12-79

SM. SUDHA RAJAGOPALAN Sr. Dy. Accountant General (Admn).

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT **DEFENCE SERVICES**

New Delhi, the 15th February 1980

No. 5186/A-Admn/130/79.—The Director of Defence Services is pleased to appoint Shri K. S. Suryanarayanan, Subs. members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the Office of the Jt. Director of Audit, Defence Services, Eastern Command, Patna, with effect from 24-1-1980 (F.N.), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK, Joint Director of Audit

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 8th February 1980

No. 28012(12)/78/AN-I(JAG).—The President is pleased to appoint the undermendioned officers of the Defence Accounts Service, to oinciate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that service, until further orders, with effect from the dates shown against them :-

- Smt. Lakshmi Rajaram Bhandari—17-12-79 (FN).
   Shri Vinod Kumar Misra 10-12-79 (FN).
   Shri Jnan Prakash—3-12-79 (FN).

#### The 12th February 1980

No. 68018(2)/71-AN-1.—The President is pleased appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, until further orders with effect from the dates shown against them, under the "Next Below Rule"-

- Shri A. V. Niranjan Rao-8 Jan. 1980 Finance & Accounts Officer, Defence Research Development Laboratory, Hyderabad (R&D Organisation, Min. of Ocf., New Delhi).
- Shri Tej Ram Nayyar—3 Dec. 1979 Deputy Financial Adviser, Department of Detence Production (IF)
  Ministry of Defence, New Delhi.

K. P. RAO Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

# MINISTRY OF DEFENCE DG OF HQRS, CIVIL SERVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 1st February 1980

No. 2/80/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from 31-1-80 (A.N.)

- I. Shri Promode Ch. Roy, Substantive and Permtt.

- Asstt., Temporary ASO.

  2. Narendra Nath Ghosh, Substantive and Permit. Asstt., Temporary ASO.

  3. Shri Santosh Kumar Sen, Substantive and Permit. Asstt., Temporary ASO.

  4. Smt. Jyotsna Sen, Substantive and Permit. Assistant, Temporary ASO.
  - D. P. CHAKRAVARTI, ADG OF/Admin. for Director General, Ordnance Factories.

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

# DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 7th February 1980

No. 5/80/G.—The president is pleased to appoint Shri M. S. Ranganathan as Asstt. Manager (On Prob) w.c.f. 29/12/79.

#### The 8th February 1980

No. 6/80/G.—The president is pleased to appoint Shri Anil Kumar as Asstt. Manager (On Prob) w.c.f. 21st December

No. 7/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri J. B. D. Gupta Offg D. M. Subst. & Permt F.M. retired from service w.e.f. 31-7-79 (A.N.)

# The 11th February 1980

No. 3/G/80.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF

with effect from the date shown against them, until further 1. Shri Raman Gumber, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
2. Shri Prakash Narayan, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
3. Shri S. R. Agarwal, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
4. Shri K. S. Gupta, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
5. Shri A. K. Shukla, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
6. Shri Rajinder Kumar A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
7. Shri Shahab Ahmed, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
8. Shri C. P. Gupta, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
9. Shri S. C. Malhotra, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
10. Shri B. C. Mondal, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
11. Shri S. Narasimhan, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
12. Dr. Ram Sanehi, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
13. Shri R. R. Yadava, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
14. Shri R. K. Sharma, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
15. Shri S. K. Dogra, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
16. Shri H. S. Sagar, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
17. Shri S. M. Vuppu, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
18. Shri S. K. Basu, Offg. T.S.O.—1st Nov., 1979.
19. Shri V. Raja Raman, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
20. Shri O. P. Mishra, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
21. Shri T.R.A. Rao, Offg. A.M. 1st Nov., 1979.
22. Shri P. G. Nair, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
23. Dr. D. V. L. Rewal, A.M. (Prob).—1st Nov., 1979.
24. Dr. A. K. Bose, A.M.(Prob).—1st Nov., 1979.
25. Shri D. K. Gupta, Offg. A.M.—1st Jan., 1980.
26. Shri J. K. Lahiri, A.M.(Prob).—1st Jan., 1980.
27. Shri S. K. Beri, A.M.(Prob).—1st Jan., 1980.
28. Shri I. N. Dutta, A.M.(Prob).—1st Nov., 1979.
30. Shri S. K. Sarkhel, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.

#### The 12th February 1980

No. 2/G/80.—The President is pleased to appoint the under mentioned Officer as Offg. It. GM (in the grade of GM/Gr. I) with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri M. P. Ramamurthy, Offg. Dy. G.M. 15th Oct., 1979.

V. K. MEHTA

Asstt. Director General, Ordnance Factories.

# MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 15th February 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1298/79-Admn(G)/393.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Kunhikrishnan, Appraiser in the Department of Revenue, Ministry of Finance as Deputy Director (Drawback) in this office for a further period of 6 months with effect from 1st October, 1979 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier on deputation basis on the existing terms and conditions.

No. 6/1307/79-Admn(G)/912.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Malhotra, Superintendent of Central Excise Grade 'B' in the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi, as Assistant Director (Drawback) in this office on deputation basis on the existing terms and conditions for a further period of 6 months w.e.f. the 9th January, 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

O. N. ANAND Joint Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports.

# New Delhi, the 15th February 1980

No. 6/313/55-Admn(G).—On attaining the age of superannuation, Shri A.F. Talwalker, Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Hyderabad who was under suspension, was permitted to retire from Government service on 31-1-1980 (AN).

> C. S. ARYA Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delini-110011, the 15th February 1980

A-19018(413)/79-Admn.(G).--The President pleased to appoint Shri Lambert Joseph as Assistant Director (Grade I) (Mechanical) in the Extension Centre, Calicut (Under SISI, Trichur) with effect from the forenoon of 2nd January 1980, until further orders.

> M. P. GUPTA Dy. Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

#### (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 6th February 1980

No. A-32013/6/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Dutt, Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' on regular basis w.c.f. the forenoon of 2nd September 1978.

Shri Dutt will be on probation for a period of 2 years from 2nd September 1978.

#### The 7th February 1980

No. A6/247(281)/60.—The President has been pleased to appoint Shri A. Chakraborty, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) on ad-hoc basis in the same office w.e.f. 15th January 1980 (FN) and until further

Shri Chakraborty relinquished charge of the post of AIO (E) and assumed charge of the post of IO(E) in the office of the Director of Inspection, Calcutta on 15th January 1980

#### The 8th February 1980

No. A.17011/158/79-A6.—On selection by UPSC, the Pre-No. A.17011/1387/9-A6.—On selection by UPSC, the President has been pleased to appoint Shri Sunder Lal, Asset Director (Fibres) in the office of Director of Laboratories, Central Agmark Laboratory, Nagpur to officiate as Inspecting Officer (Tex) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Tex. Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta w.e.f. 17th January 1980 (FN) and until further orders.

Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

# MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 13th February 1980

No. A-19011(31)/76-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri A. S. Gopalachari, Chief Mineral Economist on ad-hoc basis to the post of Chief Mineral Economist in an officiating capacity with effect from 7th January 1980 (afternoon) until further orders.

No. A.19012/117/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Ram Amrit Manian, Jr. Accounts Officer of Pay and Accounts Office, Geological Survey of India, Central Region, Nagpur, is appointed to the post of Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th September 1979, until further orders.

No. A.19012(123) /80-Estt.A.-On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. Y. Faza, Senior Technical Assistant (OD) is promoted to officiate as

Assistant Research Officer (OD) in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 18th January 1980 until further orders.

> S. BALAGOPAL Head of Office Indian Bureau of Mines

#### Nagpur, the 11th February 1980

No. A.19011(12)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri S. Balagopal, permanent Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, to officiate as Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 21st January 1980, until further orders.

A. R. KASHAV Administrative Officer Indian Bureau of Mines

# ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 13th February 1980

No. 4-168/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shrl N. N. Sengupta to a post of Assistant Keeper in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity, with effect from the foremon of 31st December 1979, until further orders.

N. R. AICH Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th February 1980

No. A.12026/3/79(CRI)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. G. Saran, Deputy Assistant Director (Non-Medical), Central Research Institute, Kasauli to the post of Assistant Director (Non-Medical) in the same Institute with effect from the forenoon of the 29th November 1979, in a temporary capacity and until further orders.

> S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration (O&M)

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

#### DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 15th February 1980

No. A-19025/7/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) Shri R. J. Nathamial, Senior Inspector has been appointed to officiate as A.M.O. (Group I) in this Directorate at Bombay w.e.f. 11th January 1980 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR Director of Admn. for Agricultural Marketing Adviser

#### Faridabad, the 15th February 1980

No. A.19025/30/79-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Ram Raj Singh Rathore, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bhopal, w.e.f. 28th January 1980 (FN), until further orders.

> B. L. MANIHAR Director of Admn.

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 3rd June 1979

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/1076.—WHEREAS Shri B. P. Srivastava, Tradesman 'C', ZEP, NFC, failed to report for duty on 6th January 1979 on the expiry of the leave granted to him for 20 days from 17th December 1978,

AND WHEREAS a telegram directing the said Shri Srivastava to joint duty immediately was sent to his known local and permament home addresses on 17th February 1979,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava continued to remain absent from duty.

AND WHEREAS a memo, vide No. NFC/PA.II/B-60/ZFP/795 dt. 17th February 1979 was sent to the local and permanent home addresses of Shri Srivastava, informing him that suitable disciplinary action will be taken against him, it he fails to report for duty immediately,

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent by regd. post ack. due to the local address of the said Shri Srivastava was returned undelivered by the postal authorities with remarks, "B. P. Srivastava left to his native place to see his mother (she is in critical condition), he will be coming after a month",

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1975 sent to his home town in Bihar was also returned undelivered with the endorsement "the addressee left without address, hence returned to the sender",

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has been guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of AND NOW, THEREFORE, the thindesigned if exercise the powers conferred under para 41.8 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm., dated 3rd December 1970 and para 42 of the NFC Standing Orders read with rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1963, hereby removes the said Shri Srivastava from service with immediate effect.

> N. KONDAL RAO Chief Executive

# RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT Anushakti-323303, the 12th February 1980

No. RAPP/Rectt./10(2)/80/S/283.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri K. K. Subramanian, a Permanent Accountant of this Shri K. K. Subramanian, a Permanent Accountant of this Project to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 27th November 1979 until further orders.

> GOPAL SINGH Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION Hyderabad, the 7th February 1980

No. AMD/2/2933/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Himadri Ghosh, from the temporary post of Scientific Officer/(Engineer) Grade SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from November 2, 1979 (forenoon).

M. S. RAO Sr. Administrative and Accounts Officer

# MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 19th February 1980

No. A.32013(ii) /4/79-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologist Grade II, India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I in the same department with effect from the dates indicated against their names and until further orders:—

- 1. Dr. Krishna Nand 29-12-1979.
- Dr. S. N. Bhattacharya 29-12-1979.
   Shri Ravinder Nath 29-12-1979.
   Shri Bhukan Lal 29-12-1979.
   Dr. R. K. Dube 29-12-1979.

6. Shri S. R. Kalsi 29-12-1979.
7. Shri Jai Pal 29-12-1979.
8. Shri R. C. Bhetia 29-12-1979.
9. Dr. S. N. Srivastava 20-12-1979.
10. Shri J. S. Day 29-12-1979.
11. Dr. S. K. Dikshit 29-12-1979.
12. Shri C. Ranganathan 29-12-1979.
13. Dr. V. Thapliyal 2-1-1980.
14. Shri Shravan Kumar 29-12-1979.
15. Shri P. K. Bhattacharya 29-12-1979.
16. Shri M. M. Kundu 29-12-1979.
17. Shri A. V. R. Krishna Rao 29-12-1979.
18. Shri V. Srinivasan 2-1-1980 (A.N.).
19. Shri A. Narayanan Kutty 2-1-1980 (A.N.).
20. Shri N. V. Narayana Rao 29-12-1979.
21. Shri M. C. Sharma 29-12-1979.
22. Shri A. K. Bhatnagar 29-12-1979.
23. Shri K. D. Barman 29-12-1979.
24. Shri S. C. Sharma 2-1-1980.
25. Shri S. D. Williams 29-12-1979.
26. Shri I. C. Talwar 29-12-1979.
27. Shri S. Gopinath 29-12-1979.
28. Shri K. G. S. Nair 29-12-1979.
29. Shri Rajinder Singh 31-12-1979.
30. Shri S. K. Jain 31-12-1979.
31. Shri H. N. Gupta 29-12-1979.
32. Shri A. D. Ravi Shankar 31-12-1979.
33. Shri T. K. Balakrishnan 29-12-1979.
34. Shri Julius Joseph 29-12-1979.
35. Shri R. Natarajan 29-12-1979.
36. Shri M. N. Pillai 31-12-1979.
37. Shri V. Bhavanarayana 29-12-1979.
38. Shri C. L. Agnihotri 29-12-1979.
39. Shri L. Krishnamurty 29-12-1979.
39. Shri T. K. Ray 29-12-1979.
40. Shri S. K. Shaha I 29-12-1979.
41. Shri A. T. Das 29-12-1979.
42. Shri S. K. Shaha I 29-12-1979.
43. Shri R. S. Bhartiya 29-12-1979.
44. Shri S. K. Shaha I 29-12-1979.
45. Shri R. Sarcar 29-12-1979.

S. K. DAS

Dy. Director General of Meteorology
(Administration and Stores)

for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th February 1980

No. A38012/5/79EA.—Shri K. C. S. Mani, Aerodrome Officer, Madras Airport, retired from Government service with effect from the 31st January 1980 AN under FR 56(k).

No. A38012/9/79EA.—Shri N. K. Murthi, Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras retired from Government service on the 31st January 1980 AN under F.R. 56(k).

V. V. JOHRI Dy. Director of Administration

#### New Delhi, the 14th February 1980

No. A.32014/4/79-EC.—In modification of S. No. 1 of this Department Notification No. A.32014/4/79-EC, dated 21st January 1980, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. S. Augustus, Communication Assistant, C.A.T.C., Allahabad to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 12th December 1979 (FN) and to post him in the office of Controller of Communication, A.C.S., Madras.

N. A. P. SWAMY Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 18th February 1980

No. A.32013/2/78-ES.—The President is pleased to appoint Shri Chaman Lal to officiate as Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on regular basis and until further orders with effect from 26th July 1979 in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shrl C. L. Sharma, Store

Assistant in the office of the Director, Radio Construction and Development Unit as Store Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis in the office of the Regional Director, Delhi Region, Satdarjung Airport, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st February 1980 and until further orders.

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. K. Verma, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B') on regular basis in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, Netaji Nagar, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st February 1980 and until further orders.

N. A. P. SWAMY Asstt. Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 12th February 1980

No. 1/18/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Ranjan 'Datia' as Assistant Engineer, in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 14th January 1980, and until further orders.

No. 1/89/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bal Raj, as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 5th January 1980, and until further orders.

No. 1/101/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. S. Aswal, Subhedar, Central Reserve Police Force as Security Officer, in an officiating capacity, in Headquarters Office, Bombay, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 14th January 1980 and until further orders.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

# FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehra Dun, the 19th February 1980

No. 13/338/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, P.O. New Forest, Dehra Dun is pleased to appoint Dr. Kallash Chandra Joshi as Research Officer at the Forest Research Centre, Burnlhat, Assam, with effect from the forenoon of 21st December 1979 until further orders.

No. 16/340/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, P.O. New Forest, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Rajnish Kumar Vakshasya, Research Assistant Grade-I, F.R.I. & Colleges, Dehra Dun as Research Officer with effect from the forenoon of 7th January 1980 under the scheme Establishment of (i) Seed Banks and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Hyderahad at its Regional Centre at Combatore until further orders.

H. B. JOSHI Registrar Forest Research Institute and Colleges

# MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (WORKS DIVISION)

New Delhi, the 8th February 1980

CORRIGENDUM

No. 33/9/76-EC IX.—This Ministry's notification of even number dated 20th June 1979 regarding Central Public Works Department (Central Office) Assistant (Architectural Deptt.) Recruitment Rules, 1979, published in Part III.—Section 1 of Gazette of India dated 14th July 1979, is hereby cancelled.

S. RANGANATHAN Under Secy.

# NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 8th February 1980

No. 19.—The following officers of Transportation (Traffic) and Commercial Department, Northern Railway; have

finally retired from Railway Service from the dates noted against each :---

S. No., Name and Date from which finally retired

S/Shri

R. D. Sharma, SCO (Rates) HQ 30-11-1979 A.N.
 B. C. Sharma, COPS/HQ 31-12-1979 A.N.
 K. G. Saxena, working in Railway Board 31-12-1979

R. K. NATESAN General Manager

#### SOUTH CENTRAL RAILWAY

#### Secunderabad, the 4th February 1980

No. P(GAZ)185/TC/Pt.II.—Sri M. S. Jayanthan. an Officer of the Indian Railway Traffic Service (on probation) is confirmed in Class I/Junior Scale at that service with effect from 4th February 1978.

No. P(GAZ)185/TC/Pt.II.—The following Junior scale (Class I) Officers of the Indian Railway Traffic Service of this Railway are confirmed in the Senior Scale of that service with effect from the dates indicated against each:—

Sl. No., Name and Date from which confirmed

1. Sri M. A. Rauf 25-6-74.

Sri M. A. Kaul 23-6-74.
 Sri S. Krishnamoorthy Iyer 5-3-75.
 Sri S. Ramamoorthy 5-3-75.
 Sri K. C. Sivanandam 5-3-75.
 Sri S. Gopalakrishnan 1-4-76.
 Sri B. L. Varma 1-6-76.
 Sri P. Seshagiri Rao 1-10-76.
 Sri C. Gopaldan Page 1-1-76.

8. Sri G. Govardhan Rao 1-12-76.

N. NILAKANTA SARMA

General Manager

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, U.P.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. U.P. Gases Private Limited.

Kanpur, the 6th February 1980

No. 1262/3788-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. U.P. Gases Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Veekay Engineering Private Limited.

#### Kanpur, the 6th February 1980

No. 1264/4161-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Veckay Engineering Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Modi Enterprises (Sales) Private Limited.

Kanpur, the 7th February 1980

No. 1338/3482-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Modi Enterprises (Sales) Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off Registrar and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA Registrar of Companies, U.P. Kanpur In the matter of Compunies Act, 1956 and of Ms. Kamla Footwear Private Limited.

#### ew Delhi, the 7th February 1980

No. 7042/3825.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kamla Footwear Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES TAMIL NADU

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Gowri Transports Private Limited.

Madras-600 006, the 12th February 1980

No. DN 3589/560(5)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Revathi Constructions Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Gowri Transports Private Limited.

Madras-600 006, the 13th February 1980

No. DN/3803/560(3)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Gowri Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sri Kuppuswamy Transports Private Limited.

Madras-600 006, the 15th February 1980

No. 4786/560(5)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s. Sri Kuppuswamy Transports Private Limited, has this deputy been struck off the register and the said company is dissolved.

H. BANERJEE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act. 1956 and of M/s. Rao Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 12th February 1980

No. 2652/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rao Chemicals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. The Forward Chit Funds Private Limited.

Bombay, the 28th January 1980

No. 14280/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Forward Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Janerta Works Private Limited.

Bombay, the 14th February 1980

No. 10956/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Janerta Works Private Limited, has been ordered to be wound up by an order dated 29-11-1978 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

S. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mfs. Ratlam Finance Private Limited, Ratlam

Gwalior, the 14th February 1980

No. 1067/Liqn./C.P./646.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Ratlam Finance Private Limited, Ratlam has been ordered to be wound up an order dated 15-1-1980 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA Rigistrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

# NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Gujarat Linkers and Financiers Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 13th February 1980

No. 2154/Liquidation.—By an order dated 28-12-1979 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 40 of 1979 it has been ordered to wind up M/s. Gujarat Linkers Financiers Pvt. Ltd.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat, Ahmedabad.

# APPELLATE TRIBUNAL FOR FORFEITED PROPERTY

New Delhi, the 15th February 1980

# ORDER

Order of termination of service issued under the proviso to sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rule, 1965.

No. ATFP/79-80/995.—In pursuance of the proviso to subrule (1) of rule 5 of the Central Services (Temporary Service) Rule, 1965, I hereby terminate forthwith the service of Shri Nahar Singh, Court Attendant and direct that he shall be entitled to claim pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them im-

mediately before the termination of his service, or as the case may be, for the period by which such notice falls/short of the month.

Scal

Signature of the Appointing Authority
Registrar Apellate Tribunal for
Forfeited Procepty

Shri Nahar Singh, Court Attendent.

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 7th February 1980

No. F. 48-Ad.(AT)/79.—1. Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79, dated 22-11-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-12-1979 to 29-2-1980, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri Y. Balasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)/79, dated 22-11-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-12-1979 to 29-2-1980 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri Naranjan Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad hoc basis for a period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79, dated 29-11-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal. Amritsar Bench, Amritsar on ad hoc basis for a further period from 1-12-1979 to 30-1-1980 (Forenoon).

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

1. No. F. 48-Ad(AT)/79.—Shrl T. L. Khanzode, Permanent Superintendent, Geological Survey of India, Central Region, Nagpur, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th Jahuary, 1980 in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 30th January, 1980.

2. No. F. 48-Ad.(AT)/79.—On the appointment of Shri T. L. Khanzode (nominee of Union Public Service Commission for the post of Assistant Registrar), Shri Naranjan Dass, who was officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench. Amritsar on ad hoc basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-10-1977, is reverted to his original post of Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, with effect from the forenoon of 30th January, 1980.

# The 12th February 1980

No. F. 48-Ad.(AT)/79.—Shri Y. Balasubramaniam, Officiating Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, who is officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, on ad-hoc basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th March, 1976, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on regular basis (against promotion quota)

with effect from the forenoon of 5th February, 1980 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders.

Shri Y. Balasubramaniam will be on probation for two years with effect from the 5th February, 1980.

T. D. SUGLA President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/79/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3343/35D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chardigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following foreous, namely:—

 Ex-Hawaldar Shri Bakhtawar Singh S/o Shri Suhel Singh, Village Kakron, P.O. Krishan Pur, Distt. Ropar Through Spl. Power of Attorney Shri Dalip Singh S/o Shri Jawand Singh, H. No. 3343/35D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Surinder Kaur W/o Shri Dalip Singh Thind, H. No. 3343/Sector 35D, Chandigarh.

(Transferce)

(3) 1. Shri Bishan Dass,
2. Shri Nirmal Singh,
Resident of 3343/35-O, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3343/Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale Deed No. 411 of June 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15th February 1980

#### FORM ITNS.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/170/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 90.50 sq. yards at Bharat Nagar Road near Bus Stand situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirmal Singh S/o Shri Kartar Singh, S/o Shri Ujaggar Singh R/o Village Bhattian, Tehsil Ludhiana, now at H. No. 1168, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Satnam Singh, Mohinderpal Singh, Devinderpal Singh S/o Shri Bhagwan Singh, Resident of 34, Model Gram, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 90.50 sq. yards situated at Bharat Nagar Road near Bus Stand, Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed No. 1550 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/68/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1399, Sector 33C situated at Chandlgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Air Commodore A. D. Dutt S/o Shri M. R. Dutt, ~ 11, South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Gurbax Kaur Sandhu W/o Lt. Col. Savinder Singh Sandhu, 323/9D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1399, Sector 33C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale Deed No. 378 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/99/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2225/Sector 21C, Plot No. 45, Street-E situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Kartar Singh Jolly S/o S. Dial Singh Jolly, Sion Road Bombay, Through his General Power of Attorney Shri Harbans Singh Jolly S/o Dr. Kartar Singh Jolly, Addl. Chief Engineer, All India Radio, Parliament Street, New Delhl.

(Transferor)

- Shri Narinder Singh Bhatia
   S/o Shri Sunder Singh Bhatia,
   Manager, Punjab & Sind Bank Ltd. Jullundur City.
   (Transferee)
- (3) Sh. H. C. Kapoor, Sh. B. M. Chopra and Sh. Rasam R/o H. No. 2223, Sector 21-C, Chandigarh.

  (Person in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 2225, Sector 21C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale Deed No. 501 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15th February 1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/113/19-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

SCO site No. 75, Sector 31C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrl Sathir Singh Kohli
 S/o Shri Tirlochan Singh,
 R/o H. No. 1025, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

 Shri Baldev Raj Sethi S/o Shri Lala Amar Nath Sethi, No. 6, Timber Market, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCO site No. 75, Sector 31C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale Deed No. 589 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/108/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 85, Sector 33A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Hargopal S/o Shri Tulsi Das of 10730/15, Gali Gurdwara Nabi Karim, Jhandewala, New Delhi Through his General Power of Attorney Shrimati Sudesh Kumari Sachdeva W/o Shri Kasturi Lal Sachdeva resident of H. No. 2628/22-C, Chandigarh.
  - (Transferor)
- (2) Shri Kasturi Lal Sachdeva S/o Shri Kanshi Ram, R/o H. No. 2628, Sector 22-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential Plot No. 85, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale Deed No. 559 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15th February 1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/95/79-80.—Whereas I, SUK, HDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 282, Sector 11-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Sahdev Gupta S/o Shri Ram Sarup Gupta, C/o Dev Eye Hospital, Idgah Road, Ambala Cantt. (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Sodhi S/o Shri Tarlochan Singh Sodhi, R/o V. Manawan, Teh. Zira, Distt. Ferozepur. Smt. Bhupinder Jit Kaur Sodhi W/o Shri Amarjit Singh Sodhi, R/o V. Manawan, Teh. Zira, Distt. Ferozepur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 282, Sector 11-A, Chandigarh.
(The property mentioned in the sale deed No. 496 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/132/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 106, Sector 36A situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transferor;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
21—486GI/79

 Group Capt. Kuldip Singh Bhatia S/o Shri Bhagat Singh Bhatia, 122, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Bhardwaj, S/o Pt. Jai Chand Bhardwaj, H. No. 3016, Sector 21-D, Chandigarh. Mrs. Raj Bhardwaj W/o Shri Inderjit Bhardwaj, H. No. 3016, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of thes aid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 106, Sector 36A, Chandigarh.
(The property mentioned in the Sale Deed No. 772 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/165/79-80,—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3869, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Chandigarh in July/August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sunder Singh S/o Shri Bakhlawar Singh R/o Village & Post Office Bhucho Khurd, Distt. Bhatinda through his general power of attorney Shri Belhar Singh S/o Shri Jagat Singh R/o H. No. 79, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurbaksh Singh S/o Shri Kala Singh R/o 6044, Street No. 23, Nawan Kot, Amritsar (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3869, Sector 32-D, Chandlgarh.
(The properly mentioned in the Sale Oced No. 959 of July/August, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. JGN/43/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 35 kanals 15 marlas situated at Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon Distt. Eudhiana and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pritam Kaur widow and Smt. Ardas Kaur d/o Shri Wahguru Baksh Singh, S/Shri Kartar Singh, Ranjit Singh, Kulwant Singh self and General Attorney for his brother Shri Avtar Singh s/o Shri Niranjan Singh S/o Shri Natha Singh Resident of Agwar Dalla (Jagraon).
  (Transferor)
- (2) S/Shri Saudagar Singh, Nazar Singh & Bahadur Singh Ss/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Anokh Singh and S/Shri Ranjit Singh, Gurnam Singh Ss/o Shri Karam

Singh S/o Shri Anokh Singh Resident of Agwar Lopo Kalan Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 15 marlas situated at Village Agwar Lopo Kalan, Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1068 of June, 1979 of the Registering Authority, Jagraon.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/62/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 4 bighas Pucca

situated at Village Akoi Sahib Tehsil Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal R/o Village Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh s/o Shri Kaka Singh R/o Banganwali Tehsil Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bigha pacca situated at Village Akoi Sahib. Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the Sale Deed No. 1192 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/67/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agrl. land measuring 3 bigha Pacca situated at Village Akoi Sahib Tehsil Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal, Resident of Village Akoi Sahib Teh. Sangrur. (Transferor)
- (2) Smt. Gurdev Kaur w/o Shri Bakhshi Singh Resident of Badrukhan Teh. Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agil. land measuring 3 bighas pacca situated at village Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1203 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15th February 1980

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Lundan Lal, Resident of Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Bir Singh s/o Shri Kishan Singh of Village Banganwali Teh. Sangrur.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhiana, the 15th February 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. \$NG/68.79-80 -- Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

> > Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 Coby- and bearing Agrl, land measuring 3 bighas Pacca

sicuated at Village Ako' Sahib Tahall Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the armitted property and I have teason to better that the fair nimiket value of the property as aforesaid exceeds the apparent considuation therefor by more than litteen put come of such apostent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 3 bighas pacca situated at Village Fanganwali Tch. Sangrur,

(The properly mentioned in the Sale Deed No. 1204 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE. LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/168/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House property No. B-XVIII/377 (Plot No 471/L)

situated at Model Town. Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Saranagat Singh S/o Shri Kirpal Singh s/o Shri Thakur Singh resident of 471-L, Model Town, Ludhlana.

(Transferor)

- (2) Sardar Sant Singh son of Shri Punjab Singh S'o Shri M. har S'rah Resident of 471. Mod'd Town Ludhiana, and Shri Jatindar Sanna Singh a/o Shri Atam Sarup Singh S/o Shri Uttem S'rah Resident of 558, Sector 18-B, Chandigarh.
  (Transferee)
- (3) Shri Jatinder Sarun Singh, R/o 471-L, Model Town. I udhiana. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesold persons within a period of 45 days from the Jute of publication of this notice in the Official Cuzzife on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. B-XVIII/377 (Plot No. 471/L) situated at Model Town, Ludhiana,

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1521 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date . 15th February 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/101/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 64 kanals

situated at Vill. Gorsian Hakam Rai Teh. & Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mangal Singh S/o Shri Lakha Singh Resident of Gorsian Hakam Rai Teh, and Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh, Baldev Singh and Gurdeep Singh Sa/o Shri Arjan Singh and Shri Karnail Singh son of Shri Jagat Singh Resident of Rajapur Tehsil and Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 64 kanals situated at V. Gorsian Hakam Rai Teh. & Distt, Ludhiana.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 2445 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhlana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref No. AMD/18/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 21 bighas 10 biswas situated at Village Bahleej Kalan Tehsil Ahmedgarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in June, 1979

for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—486GI/79

- Shrl Bir Singh S/o Shri Harnam Singh S/o Shri Diya Singh Resident of Village Chhapar Tehsil & Distt, Ludhiana (Transferor)
- (2) Shri Gurnam Singh s/o Shri Surjan Singh S/o Shri Uttam Singh and S/Shri Jit Singh and Joginder Singh Ss/o Shri Gurnam Singh S/o Shri Sujan Singh resident of Village Chhapar Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 21 bighas 10 biswas situated at Vill. Dahleej Kalan Tehsil Ahmedgarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1005 of June, 1979 of the Registering Authority, Ahmedgarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/71/79-80.—Whereas, I, SUKHDFV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land measuring 6 bighas 6 biswas 15 biswasi situated at Village Kruaike Tehsil & Distt. Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjan Singh S/o Shri Natha Singh S/o Shri Bhagwan Singh resident of Village Kuraika Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh and Mukhtiar Singh Se/o Shri Harnam Singh Resident of Village Kuraike Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 6 bighas 6 biswas 15 biswasi situated at Village Kuraike Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1913 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15th February 1980

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. JGN/46/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 28 Kanals, 8 marlas situated at Vill. Agwar Gujjran Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Avtar Singh
 S/o Shri Mehar Singh
 S/o Shri Teja Singh
 R/o Vill. Agwar Gujjran Tehsil Jagraon.

(Transferor)

(2) Shri Buta Singh
 S/o Shri Gurdial Singh
 S/o Shri Rar Singh
 R/o Vill. Agwar Gujjran Teh. Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 28 kanals 8 marlas situated at Vill. Agwar Gujjran Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1158 of June, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/100/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl land measuring 75 kanals 16 marlas situated at Vill. Kum Kalan Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Balbir Singh, Jagtar Singh, Shangara Singh & Avtar Singh Ss/o Shri Piara Singh R/o Kum Khurd Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Sukhdev Singh s/o Shri Mewa Singh r/o Village Saudi Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 75 kanals 16 marias situated at Vill. Kum Kalan Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1637 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax.
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/103/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land measuring 28 kanals 1 marlus situated at Village Rurka Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Sakandar Singh & Ajmer Singh ss/o Shri Puran Singh s/o Shri Pokhar Singh r/o Kum Kalan Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Pargat Singh s/o Shri Bhan Singh s/o Shrl Rur Singh r/o Rurka Tehsil Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 28 kanal 1 marlas situated at Vill-Rurka Tehsil Ludbiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2423 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax.
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/92/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 36 kanal 2 marlus situated at Vill. Baura, H. No. 36, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Prem Singh s/o Shri Wazir Singh s/o Shri Hazara Singh r/o Village Baura Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Santokh Singh Gurdev Singh ss/o Shri Bachan Singh s/o Shri Bhagat Singh r/o Jhugien Kadar, Teh. Ludhlana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 36 kanal 2 marlas situated Baaura H.B. 36, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2373 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVFNUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/105/79-80.— Whereas, 1, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of I

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agrl, land measuring 26 kanal 8 marlas situated at

Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhian in June, 1979

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concemiment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

 Smt. Ranjit Kaur do Shri Chanan Singh r/o Lalton Kalan Tehsil & Distt. Ludhiana. (Transferor)

(2) S/Shri Nachhatar Singh & Zabar Singh ss/o Shri Gurdev Singh r/o 106, South Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 26 kanal 8 marlas situated at Vill.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2558 of June 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Ranjit Kaur
 d/o Shri Chanan Singh
 r/o Lalton Kalan Teh. & Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Nachhatar Singh, Zabar Singh ss/o Shri Gurdev Singh r/o 106, South Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/93//9-80,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land measuring 26 kanals 18 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl land measuring 26 kanals 18 marlas situated at Vill Lulton Kalan Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2398 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/113/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl land measuring 25 kanal 10 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—486GI/79

(1) Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Chanan Singh r/o Lalton Kalan Teh & Distt. Ludhiana. (Transferor)

 (2) S/Shri Nachhatar Singh, Zabar Singh ss/o Shri Gurdev Singh r/o-106, South Model Gram, Ludhiana.
 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 25 kanal 10 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2930 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/136/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 16-C measuring 2648 sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in uIne, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sub Harbhagat Singh s/o Shri Kirpa Singh s/o Sh. Uttam Singh, r/o Abbuwal Teh. Jagraon Self & General Attorney of S/Shri Hardev Singh, Sarwan Singh ss/o Sh. Ujagar Singh r/o Bhanjari Pura, Teh. Jagraon & Sh. Kuldip Singh so Sh. Harbhagat Singh through Sh. Gurdial Singh, r/o Abbuwal Teh. Jagraon Distt. Ludhiana.

  (Transferor)
- (2) Sh. Sunil Mehtani s/o Sh. Niyee Rattan Mehtani s/o Shri Chander Bhan Mehtani, r/o 27-B, Tagore Nagar, Ludhiana & Sh. Sanjiv Chadha so Sh. Rajinder Chadha r/o 12, College Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 16-C measuring 2648 sq. yds situated at Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1339 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. BRN/47/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 38 bights 17 biswas situated at Village Thuliwal Tehsil Barnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ~-

(1) S/Shri Ram Singh & Sukhdey Singh ss/o Shri Naranjan Singh s/o Shri Bakhtaur Singh & Shri Lachhman Singh so Shri Naranjan Singh s/o Shri Bakhtaur Singh r/o Vill. Thuliwal Teh. Barnala.

(Transferor)

(2) S/Shri Jaswant Singh & Jora Singh ss/o Shri Ishar Singh r/o Vill. Khanpur Barnala) s/o Shri Ralla Singh & S/Shri Bhupinder Singh, Tara Singh and Harjit Singh ss/o Sh. Ajmel Singh s/o Shri Dalip Singh r/o Balca Tabail Ledbian. r/o Balga Tehsil Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at Vill. Thuliwal Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3701 of June 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagar Singh s/o Shri Gurdial Singh r/o Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/65/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'staid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 4 bighas pacea situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangtur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bighas pacea situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1195 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-80

Shri Ram Dass
 s/o Shri Kundan Lal
 r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbir Singh s/o Shri Gurdial Singh r/o Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. ENG/64/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl, land measuring 3 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agel, land measuring 3 bighas pucca situated at Vill. Bangawali Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1194 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-2-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/61/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at

Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt Raghbir Kaur w/o Sh. Kartar Singh r/o Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1191 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15-2-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/63/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at

Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Vill. Akoi Şahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh 8/0 Shri Kartar Singh r/0 bangawali Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1193 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Dato: 15-2-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNM/21/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land measuring 59 kanals 17 marlas situated at Vill. Chhajla Tehsil Sunam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 S/Shri Ran Singh & Surjit Singh ss/o Shri Mukand Singh r/o Vill. Chhajla Tehsil Sunam.

(Transferor)

(2) Shri Major Singh s/o Shri Gurdev Singh, S/Shri Karnail Singh, Jarnail Singh & Gurbaj Singh ss/o Shri Surjit Singh r/o Vill. Chhajla Tehsil Sunam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 59 kanal 17 marlas situated at Vill. Chhajla Tehsil Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1455 of June, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhlana.

Date: 15-2-80

1)

(1) Smt. Gamdoor Kaur w/o Shri Dalip Singh r/o Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sawan Ram
s/o Shri Bir Bhan &
Shri Mangal Khan
s/o Shri Jeon Khan
r/o Kathmathi
c/o M/s. Mesh Raj Pawan Kumar,
Kuryana Dealer, Ajit Nagar, Patiala,
S/Shri Ramesh Kumar, Balwant Rai
ss/o Shri Brij Pal
r/o Uklana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1979

Ref. No. PTA/180/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot situated at Bandungar, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—486GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot situated at Bandungar, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2319 of June. 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Ludhiana.

Date: 15-2-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 3258, Sector 35-D, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Randhir Singh S/o S. Naurang Singh, r/o Mohalla Ahluwalia, V&PO Banur, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Ishwar Singh Batra s/o Shri Kuldip Singh Batra, r/o House No. 3258/Sector 35D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 3258, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in sale deed No. 389 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/77/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 3449 Sector 35D situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri Prem Singh S/o Shri Ishar Singh r/o Village Sahauran, Teh. Kharar, Distt. Ropar through his special power of attorney Shri Punjab Singh S/o Shri Banta Singh r/o Village Bohal, Distt. Ropar. (Transferor)
- (2) Smt. Amrik Kaur W/o Shri Punjab Singh, H. No. 3449, Sector 35-D, Chandigarh. (Transferce)
- (3) Shri Hans Raj R/o H. No. 3449 Sector 35-D, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3449, Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in sale deed No. 409 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competetive Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. PTA/165/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot in Narula Colony, near Punjabi Bagh and Government College of Education situated at Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Atma Singh r/o Sheran Wala Gate, Ghass Mandi Patiala.

  (Transferor)
- (2) Shri Devinder Singh S/o Shri Udham Singh, Narola Colony, Patlala.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot in Narula Colony near Punjabi Bagh Govt, College of Education, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2094 of June 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/92/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2320, Sector 35C, Chandigarh situated at Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in June 1979,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has set been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt Ganga Dhar Taneja (Retd.) s/o late Shri Mangu Ram resident of 59/2-B, Chander Nagar, Alam Bagh, Lucknow through his special power of attorney Shri Parveen Kumar Chawla s/o Shri Anand Parkash Chawla, resident of H. No. 2387/ 35-C. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Chawla s/o Shri A. P. Chawla, resident of H. No. 2387/35-C, Chandingth.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 2320, Sector 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in registration deed No. 490 of June 1979 of Sub-Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

#### FORM IINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. Raj/94/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. land measuring 568-15B situated at village Dhakansu Kalan, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charanjit Lal S/o Shri Mela Ram S/o Shri Arjan Dass, r/o Govind Colony, Rajpura Township.

(Transferor)

(2) S/Shri Jarnail Singh, Jaimal Singh Ss/o Shri Tara-Singh S/o Shri Khushhal Singh r/o Village Dhakansu Kalan, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 56B-15B situated in village Dhakansu Kalan, Rajpura.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1611 of July 1979 of the Registering Authority at Rajpura).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/83/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 56 Site No. 172, Sector 11-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri Narinder Singh s/o Dr. Krishan Singh and Mrs. Ajinder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o H. No. 2118, Sec. 15, Chandigath.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Bedi s/o Dr. K. S. Bedi and Mrs. Mohini Bedi w/o Shri B, S. Bedi resident of H. No. 503 Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 56 Site No. 172, situated at Sector 11-A, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 438 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

ical :

bearing

FORM ITNS-

(1) Shri Gurdev Singh son of Shri Bishan Singh resident of Bahamana, Teh. Samana. (Transferor)

(2) Shri Dalip Singh son of Shri Atma Singh resident of Vill. Hajipur, Teh. Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

> Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SMN/18/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Agrl. land measuring 71 kanals 4 marlas situated at Vill Bahamana Tehsil Samana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Samana in June 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### THE SCHEDULE

Agrl land measuring 71 kanal 4 marlas situated at Vill. Bahamana Teh, Samana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 318 of June 1979 of the Registering Authority, Samana).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

(1) Shri Iora Singh s/o Shri Budh Singh s/o Shri Matab Singh resident of Village Barnala Tehsil Barnala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-----

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. BRN/40/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 8 kanals 7 marlas situated at Viil. Barnala Tehsil Barnala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala, Tehsil Barnala,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S'Shri Bhagwan Dass, Prem Chand, Baldev Krishan, Bhim Sain sons of Shri Harbans Lal s/o Shri Bir Chand and Sadhu Ram, Surinder Kumar, Prem Chand ss/o Shri Moti Ram s/o Shri Ram Rattan Village, Barnala Tehsil Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 8 kanal 7 marles situated at Vill. Barnala Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3665 of June 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Scal:

25-486GI/79

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/174/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 31-A measuring 1000 sq. yds. situated at Industrial Arca 'A', I udhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979,

for an apparent consideration which is less—than—the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent—consideration therefore—by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuable of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons-namely:—

 Smt. Vimla Kapoor w/o Shri Mukand Lai Kapoor c/o M/s Raj Brothers, Raman Market, Ludhiana.

(Transferor

(2) Smt. Narinder Kaur wife of Shri Charanjit Singh s/o S. Gurbaksh Singh r/o B-IX-106, Mochpura, Ludhiana and Shri Parminder Singh s/o Shri Khazan Singh s/o Shri Bhagwan Singh c/o M/s National Machine Tools, National Road, 1 udhiana.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 31-A measuring 1000 sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1583 of tune, 1979 of the Registering Authority, I udhiana),  $\,$ 

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Scal:

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan I.al resident of Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(2) Smt. Labh Kaur w/o Shri Pritam Singh r/o Badru-

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No SNG/66/79-80.-Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri, land measuring 3 bighas Pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sangrur in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afoesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

khan Teh, Sangrur,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Argi, land measuring 3 bighas pacea situated at Vill. Akol Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1202 of June 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludbiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/70/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land measuring 4 bighas Pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of::—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Akol Sahib Tehsil Sangrur. (Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh s/o Shri Gurdial Singh r/o Banganwali Teh. Sangrur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1206 of June 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dato: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/69/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agrl. land measuring 3 bighas Pacca situated at VIII. Akoi Sahib Teh. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Akoi Sahib Teh. Sangrur.
   (Transferor)
- (2) Smt. Chand Kaur W/o Shri Raghbir Singh resident of Banganwali Teh. Sangrur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 3 bighas Pacca situated at Vill. Akol Sahib Teh, Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1205 of June 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. BRN/31/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agil. land measuring 46 kanal 8 marlas situated at Village Nainewal Tehsil Barnala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barnala in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S/Shri Joginder Singh and Mohinder Singh ss/o Shri Harcharan Singh s/o Shri Nand Singh and Smt. Vir Inder Kaur wd/o Shri Jaswant Singh Power of attorney of Shri Amar Singh s/o Shri Puran Singh alias Shri Sampuran Singh s/o Shri Nand Singh residents of Vill. Nainewal Tch. Barnalo.

(Transferor)

(2) S/Shri Lal Singh, Babu Singh, Balaur Singh and Nirmal Singh sons of Shri Kartar Singh s/o Shri Basant Singh residents of Nainewal Tehsil Barnata. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 46 kanals 8 marlas situated at Village Nainewal Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2881 of June 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1989

#### FORM ITNS -----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/199/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

1/3rd of Plot No. 31K, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Singh S/o Shri Pishora Singh, Village Burz Hakim, Tehsil Ludhiana.
  (Transferor)
- (2) Smt. Rajinder Kaur W/o Shri Harpal Singh, Village Burz Hakim, Tehsil Ludhiana. (Transferee)

Objectors, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd of Plot No. 31K, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1748 of June 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/163/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Plot No. 40.K measuring 266.2/3 sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Rajinder Kaur w/o Shri Harpal Singh resident of Vill. Buraj Kakima Tehsil Jagraon Distr. Ludhlana.

(Transferor)

(2) Shri Bawa Singh Randhawa s/o Shri Piara Singh Randhawa resident of Village Randhawa Teh, Philaur Distt, Jullundur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in Plot No. 40-K measuring 266-2/3 situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1510 of June 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhinna

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/164/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

2/3 share in Plot No. 40-K at Kartar Singh Sarabha Nagar situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——26—486GI/79

Shri Rajinder Singh s/o
 Sh. Pasaura Singh,
 r/o Vill. Buraj Hakima, Teh. Jagran,
 Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bawa Singh Randhawa s/o Sh. Piara Singh Randhawa, r/o Randhawa, Tchsil Phillaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 40-K measuring 533-1/3 sq. yds, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1511 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/202/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Three shops & Bldg. situated at 428-R, Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludbiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Parkash Wati w/o Sh. Inderjit Singh, c/o M/s Everest Cloth Mill, GT Road, Ghaziabad, UP.

(Transferor)

(2) Smt. Inder Kaur d/o Sh. Gyan Singh, 562, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

(3) 1. Sh. Krishan Lal

Sh. Ajyakar Singh
 Sh. Ram Lal Sharma all R/o 428-R, Model Town, Ludhiana.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Three shops & Bldg, situated at 428-R, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1777 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING.

LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. KNN/20/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1K-13M of Land,

situated at Khanna, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khanna in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kartar Singh s/o Shri Nand Singh, s/o Sh. Jetha Singh, near Mohalla Kali Rauna, Khanna.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev Surjit Kumar C/o Gold Link Radio Co., G.T. Road, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot measuring 1K-13M, situated at Khanna.

(The property as mentioned in sale deed No. 592 of June, 1979 of the Registering Authority at Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Hyderabad, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/91/79-80.—Whereas J, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land measuring 2K3M(1485 Sq. yds) situated at Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Sh. Hira Lal s/o Sh. Harbans Lal r/o (Nau Ghara), Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Raní w/o Sh. Birbal Dass, s/o Maghi Ram, r/o Ghas Mandi, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2K 3M (1485 Sq. yds), situated at Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 983 of June, 1979 of Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SML/19/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

# 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4, measuring 1665 Sq. yds at Station Ward Barra, Simla

situated at Simla

and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. D. Krishna w/o Sh. Parkash Krishna, 24-A, Nizamuddin West, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Kaur wd/o Shri Ajit Singh and Swaran Singh, Lt. Harpreet Singh, Ss/o Shri Ajit Singh, r/o Sunder Bhawan, Tutu, Teh. & Distt. Simla.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 4, measuring 1665 Sq. yds, situated in Station Ward, Bara Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 339 of June, 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/121/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1252/Sector 33C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash Ahuja, s/o Sh. Jiwan Mal Ahuja, r/o Sharka Bhan Trust, Aryte Nagar, Jiwalapur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Shamsher Shukla s/o Sh. Puran Chand, r/o H. No. 2099, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential plot No. 1252 Sector 33C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 659 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/72/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of and measuring 4-6 bighas situated at Village Ajhali, Teh. Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Harnam Kaur wd/o Maj. General Jaswant Singh, through General Attorney Shri Harjit Singh s/o Sh. Hardayal Singh, r/o V. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Rehal Industrial Corporation,
G. T. Road, Mandi Gobindgarh,
through S/Shri Harmesh Singh, Gurdeep Singh,
Gurdev Singh Ss/o Shri Siri Ram,
Mandigarh Gobindgarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4-6 bighas, situated in V. Ajnali, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 947 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/82/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3119, Sector 32D situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Maj. Gen. K. K. Tewari A.V.S.M. (Retd) Dr. C. D. Tewari C/o Brig. Harchand Singh, H. No. 1369, Sector 35D, Chandigarh through General Attorney Maj. Onkar Nathin Singh s/o Sh. Harnarain Singh r/o H. No. 1357, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Jasinder Kaur, d/o S. Mohinder Singh and w/o Shri Maj. Onkar Narain Singh, H. No. 460, Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferee)

 Sh. K. K. Tewori (Maj. Genl.)
 Smt. Jasinder Kaur w/o Maj. Onkar Narain Singh, r/o H. No. 460, Sector 37-A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested In the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3119, situated in Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 421 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Şeal;

NOTICE UNLER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INTEFCTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CINTRAL REVENUE BUILDING

fudhiana, the 19th February 1980

Ref.No. CHD /70 /79 80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludbiana

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 3119 S clar 32D situated at Chandinarh

\_\_\_\_ . \_\_\_ - - - -

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be directosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—486GI/79

(1) Maj. Gen. K. K. Tewari A.V.S.M. (Retd) s/o Dr. C. D. Tewari C/o Brig. Herchand Singh, H. No. 1369. Sector 15D. Class diearch through General Afterney Maj. Onkar Time in Singh s/o Sh. Harnardin Singh r/o H. No. 1357, Sector 24-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Jasinder Kaur, d/o S. Mohinder Singh w/o Shri Mai. Onker Narain Singh, r/o H. No. 460. Sector 37-A, Chindigath.

(Transferee)

(3) 1. Sh. K. K. Tewori (Mai. Genl.)
H. No. 3119, Sector 32 D. Chandigath.
2. Smt. Jasinder Keur w/o
Maj. Onkar Norain Singh.
r/o H. No. 460, Sector 37-A,
Chandigath.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3119, situated in Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 385 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/180/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-I-440(New)/B-I-264(old), situated at Bindraban Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Lal s/o Sh. Kishori Lal, Bagh Nauharia Mol Jain, Ludhiana.

(Transferor)

 (2) Shri Bal Krishan s/o Shri Sant Lal, s/o Sh. Nand Lal, H. No. B-IV-1355-56, Misran Mohalla, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. B-I-440(New)/No. B-I-264(Old), Bindraban Road, Ludhlana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1628 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref No. LDH/200/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. B-II-1695(New) and B-I-524 (Old) situated at Sabzi Mandi, G.T. Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

### for an apparent consideration which is

less' than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Karam Chand, s/o Hari Singh, r/o V. Gahor, Tehsil Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Sat Parkash s/o Shri Sain Dass, H. No.-B-II-1695, New Subzi Mandi, G.T. Road, Ludhiana now at 173, Shri Ganesh Cycle Mart, Bangalore Road, Ballary, Karnataka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning ar given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. B-II-1695 (New)—B-I-524 (Old), Sabzi Mandi, G.T. Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in sale deed No. 1754 of June 1979 of the Registering Authority at Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOMETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. AML/44/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Land measuring 10 Bighes 15 Biswas, situated at Village Jacoben, S. Teh. Amloh, Dist. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amloh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the thir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act,
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initially proceed lines for the acquisition of the aforesaid property by the limb of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Duya Ram s/o Sh. Shianta r/o Vill. Nasrali, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Nachhatar Singh, Karnail Singh, ss/o Sh. Babu Singh, Rajinder Singh, Nirmal Singh ss/o Sh. Surjit Singh, Balvinder Singh, Gurdip Singh ss/o Sh. Malkiat Singh, r/o V. Kukkor Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter MNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 10 Bighas 15 Biswas, situated in village Jassran, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala (The property as mentioned in the Registration Deed No. 488 of June, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Incone-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION BANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SMN/17/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Agrl. land measuring 100 kanul 17 marlas situated at Vill. Bahamana Tehsil Samana

(and more fully described in the schedule authorized), has been transferred under the Registration Acts (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jus Kaur, and Man Kaur ds/o Sh. Sunder Singh, r/o Vill. Bahamana, Tch. Samana.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Sh. Sarwan Singh, r/o Vil. Bahamana, Teh. Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land measuring 100 kanal 17 marlas, situated at Vill. Bahamana, Teh. Samana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 304 of June, 1979 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/196/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 146-C, situated at Model Town, Patials (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Smt. Purana Devi w/o Sh. Suraj Bhan, r/o Mohalla Nanu Mal, r/o Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Devi w/o Sh. Madan Lal Bhalla, Nanumal Mohalla, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) other person interested in the said immovable y, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 146-C, situated at Model Town, Patiala.

(The preerty as mentioned in the sale deed No. 2545 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAI. REVENUE BUILDING LUDHIANA

> Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/105/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

ocing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 23 bighas 14 biswas, situated at Vill. Agaita Tehsil Nubha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirbhai Singh & Charanjit Singh, es/o Sh. Harnek Singh, r/o Vill. Agaita, Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) S/Sh. Bhagwant Singh, Gulzar Singh & Gurmit Singh, Kulwant Singh ss/o Sh. Chand Singh, r/o Vill. Agaita, Teh. Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 23 bighas 14 biswas, situated at Vill. Agaita Tehsil Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1063 of June. 1979 of the Registering Authority, S Nabha).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/94/79-80.— Whereas J, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. I and measuring 24 Kanal, situated at Vill. Brahman Majro, Teh. siehind (Patiala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kartar Singh S/c Sh. Daya Slagh r./o Vill. Rhora Teh Sichind (Pat. dec)

(Transferor)

(2) Sh. Prem Singh s/o Sh. Kishan Singh, r/o Vill, Sangatpur Teh. Sirbind Sh. Pri heal Singh s/o Sh. Gurdey Singh r/o Vol. Baran & Sh. Baldey Singh s/o Dali Singh Vill. Khana Feh. Sirbind (Patiala).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein vis are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 24KOM, situated in Vill. Brahman Majra, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1236 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Hari Gopal s/o Sh. Baru Mal B-VI-612, Kuchta Baini Ram Shivala Sangla Wala, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand son of Shri Jamuna Dass, H. No. B-II-527, Moh. Karimpura, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/191/79-80.—Whereas I, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. B-VIII-S-1/9, situated at Gokal Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

28—486GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. B-VIII-S-1/9 situated at Gokal Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1704 of June, 1979 of the Registering Authority, I udhiana).

SUKDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. MKL/25/79-80.—Whereas I, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land measuring 25 highes situated at Vill Ihull Tehsil

Agrl, land measuring 25 bighas situated at Vill, Jhull Tehsil Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in June, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mehar Singh s/o Sh. Lachhman Singh resident of Vill. Jhull Teh. Malerkoda.
  - (Transferor)
- (2) S/Shri -Jeet Singh, Gurmit Singh & Darshan Singh sons of Shri Amar Singh, resident of Jhull, Teh. Malerkotla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 25 bighas situated at Vill, Jhull Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1769 of June, 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. BRN /48/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at Village Tbuliwal Tehsil Barnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S/Sh. Naranjan Singh son & Smt. Nihal Kaur wd/o Sh. Bakhtaur Singh s/o Sh Wazir Singh and Sh. Lachhman Singh son of Sh. Naranjan Singh s/o Sh. Bakhtaur Singh resident of Village Thuliwal Teh. Barnala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Bhupinder Singh, Tara Singh & Harjit Singh ss/o Sh. Ajmel Singh son of Sh. Dalip Singh resident of Bilga Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at Vill. Thuliwal Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2703 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

Seal ;

 S/Shri Zora Singh, & Jit Singh ss/o Sh. Kishan Singh resident of Halwara Sub-Teh. Raikot Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Sh. Jatinder Singh & Charanjit Singh, Dharamjit Singh ss/o Shri Sukhdev Singh r/o Vill. Attiana Sub-Tehsil Raikot, Distt. Ludhiana.

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. RKT/3/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 63 kanals situated at Village Attiana Sub-Teh. Raikot Dist. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 63 kanals situated at Vill. Attiana Sub-Teh. Raikot, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 271 of June, 1979 of the Registering Authority, Raikot).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

(1) Smt. Joginder Knur d/o Arjan Singh Vill. Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Balbir Singh, Jawand Singh & Pawitter Singh ss/o Sh. Ajit Singh, resident of Ghamayat, Tehsil Ludhiana.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

No. LDH/R/98/79-80.—Whereas I, Ref. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

agrl. land measuring 70 kanal 15 marlas situated at Village Ghamyat Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 70 kanals 15 marlas situated at Vill.

Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1599 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (Transferor) (2) S/Sh. Pawitter Singh & Gurdip Singh ss/o Sh.

Vill. Ghamayat, Tehsil Ludhiana,

## Sakandar Singh resident of Village Ghamayat Tehsil

Smt. loginder Kaur d/o Sh. Arjan Singh resident of

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/641/79-80.-Whereas SUKHDEV T. CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri land measuring 70 kanals 15 marles situated at Ghamayat Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 70 kanals 15 marlas situated at Vill Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1763 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

 Shri Hari Singh s/o Shri Kishan Singh s/o Sh. Ram Singh resident of Village Buttari Tehsil Ludhluna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shr Natha Singh s/o Sh. Khushia Singh resident of Dugri Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. I.DH/R/91/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 44 kanals 11 marlas, situated at Village Buttari Teh. & Distt. Ludhiana

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 44 kanals 11 mailus situated at Vifl. Buttari Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2346 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUII DING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/138/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14 measuring 110 sq. yds. situated at Bhadaur House Ludhisma

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajni Arora w/o Sh. Prem Nath Arora resident of 429, Mall road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmit Kaur Deval w/o Sh. Nahar Singh Deval Sh. Mahar Singh Deval s/o Sh. Sarwan Singh

Deval resident of Bopa RaiKalan Tch. Jagraon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 14 measuring 110 sq. yds situated at Bhadaur House Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1349 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/R/79/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 80 kanals situated at Vill. Gorsian Hakam Rai Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

namely :—
29—486GI/79

- (1) Sh. Mangal Singh s/o Sh. Lakha Singh resident of Gorsian Hakam Rai Teh. & District Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Balbir Singh & Sakattar Singh sons of Sh. Mohinder Singh resident of Village Rajapur Tehsil & Distt, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by eany of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 kanals situated at Vill. Gorsian Hakam Rai Tehsil & Distr. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2107 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. BRN/32/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land measuring 62 kanals 2 marlas situated at Vill. Naiwula Tehsil Barnala

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Teja Singh son of Sh. Amar Singh s/o Sh. Natha Singh resident of Vill. Kotli Kalan Distr. Bhatinda. (Transferor)
- (2)S/Sh. Antar Singh, Harbans Singh & Darshan Singh ss/o Sh. Gurdial Singh resident of Village Barnala Tch. Barnala

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 62 kanals 2 marles situated at Vill. Naiwala Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2973 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SMR/81/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

seing the Competent Authority under section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'),

ave reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. igrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. lajewal Otalan Teh. Samrala Distt. Ludhiana

and more fully described in the

chedule annexed hereto), has been transferred

nder the Registration Act 1908) (16 of 1908)

1 the office of the Registering Officer at

iamrala in June, 1979

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer rith the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under b-section (1) of section 269D of the said Act, to the llewing persons, namely :-

(1) Shri Rattan Singh s/o Sh. Somund Singh s/o Dewa Singh r/o Rajewal Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh son of Sh. Kaur Singh alias Shri Bakhtawar Singh resident of Rajewal

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Tehsil Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2164 of June, 1979 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Ajmer Singh s/o Sh. Kaur Singh alias Sh. Bakhtawar Singh resident of Rajewal Tehsil Samrala Distt. Ludhiana. (Transferee)

(1) Shri Rattan Singh s/o Sh. Somund Singh s/o Dewa Singh r/o Rajewal Teh. Samrala Distt. Ludhiana

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, 19th February 1980

Ref. No. SMR/67/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Rajewal, & Otalan Tehsil Samrala Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act,
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):
- New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Tehsil Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1947 of June, 1979 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Pange, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Nihal Kaur w/o Sh. Jaimal Singh resident of Bhogiwal Teh. Malerkotla. (Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh s/o Sh. Gurdial Singh resident of Vill. Khera Tch. & Distt. Ludhiana. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, 19th February 1980

Ref. No. MKL/38/79-80.—Whereas J, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land measuring 31 bighas 5 biswas situated at Bhogiwal Tehsil Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotala in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of thes aid Act, to the following persons. namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the (b) date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agil. land measuring 31 bighas 5 biswas situated at Village Bhogiwal Tehsil Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2188 of June, 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Rattan Singh s/o Sh. Somund Singh s/o Dewa Singh r/o Rajewal Teh, Samrala Distt, Ludhiana, (Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Sh, Kaur Singh alias Shri Bakhtwara Singh resident of Rajewal Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, 19th February 1980

Ref. No. SMR/54/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Village Rajewal Otalan Tehsil Samrala Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Tehsil Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1727 of June, 1979 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. MKL/16/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 10 bighas 16 biswas situated at Village Ratolan Sub-Teh. Malerkotla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- S/Shri Charan Singh, Tek Singh Ss/o Shri Bhan Singh and Shri Bachan Singh son of Shri Bir Singh, Resident of Village Ratolan Tehsil Malerkotla.
   (Transferor)
- (2) S/Shri Tehal Singh, Sukhdev Singh, Bir Singh Sons of Shri Sarwan Singh, Resident of village Malerkotla, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas 16 biswas situated in Village Ratolan Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1653 of June, 1979 of the Registering Authority, Maler-kotla.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL' REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/203/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. B-XXIII-140 and Plot No. 22 situated at Industrial Area 'A', Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhlana in June. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subedar Mangat Rai S/o Shri Kundan Lal Aggarwal, Resident of Guptashaver Road, Madan Mahal, Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Rani w/o Shri Amar Nath, 81, New Model Town, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. B-XXIII-140 & Plot No. 22 situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1783 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.
Juliundur.

Date: 19th February 1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/74/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 25 Bighas 4 biswas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhand in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

30-486GI/79

 \$/Shri Ram Singh and Prem Singh \$/o Shri Kartar Singh R/o Village Lataur Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh and Sukhvinder Singh Ss/o Shri Jarnail Singh, R/o V. Rampur Kaleran Teh. Sirhind.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 4 biswas situated in Village Lataur Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 991 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE PUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Rcf. No. SRD/109/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring 57 kanals 16 marlas situated at Village Badali Mai Ki, Teh. Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following termons, namely:—

 Shri Pritam Singh adopted S/o Shri Bagh Singh, R/o V. Badali Mai Ki, Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur W/o Shri Harbhajan Singh, Shri Prithipal Singh S/o Shri Harbhajan Singh, Of Chandigarh, vill Badali Mai Ki, Teh, Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, venichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 57-K 16-M at V. Badali Mai Ki, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1465 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19th February 1980

gent .

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/1010/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/-and bearing No.

Agrl. land measuring 29B18B situated in Village Thuhi situated at Village Thuhi Teh. Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as regreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Kuldip Singh, Bharpur Singh, Balbir Singh, Jant Singh, Dalip Kaur, Mata Nodh Singh S/o Kartar Singh, Village Thuhi, Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Surjan Singh, R/o Village Thuhi Teh. Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 29B18B situated in Vill. Thuhi Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1049 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

#### (PART III - SEC. 1

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/107/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3068, Sector 27D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Niranjan Singh S/o Shri Cheta Singh Resident of Village post office Charun, Diett. Roper.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Sudhakar, IAS S/o Shri Daulat Ram and Mrs. Manju Sudhakar W/o Shri S. K. Sudhakar, Resident of H. No. 716, Sector-11-B. Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Jagdish Sharma, Shri Samey Singh Yadav, Shri B. L. Chhabra, Shri Raj Kumar Singla, Shri Manohar Lal, Shri Lekha Ram and Shri Gurdev Singh, R/o H. No. 3068/Secor 27D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice · in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3068, Sector 27-D, Chandigarh. (The property as mentioned in sale deed No. 556 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-----

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/89/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

SCO No. 70, Sector 47D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kesho Ram S/o Shri Lorinda Ram, H. No. 127, Sector 15A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Sukhvinder Kaur W/o Shri Surinder Pal Singh, R/o Village Suffipur, Distt. Meerut (UP). (Transferee)
- (3) Shri Abdul, Prop.
   M/s. New Grand Bakery,
   SCO 70, Sector 47D, Chandigarh.
   (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCO No. 70 Sector 47D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 479 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

#### FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I UDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/72/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Stetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1380, Sector 34C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. S. Sekhon S/o Shri J. S. Sekhon, R/o Sarkaria House, Patiala through his Special Attorney Smt. Satya Rani W/o Shri Ram Chand, Resident of H. No. 1380, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand S/o Shri Jiwa Ram, Resident of H. No. 1380, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Vinod Sood, Resident of H. No. 1380, Sector 34C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1380, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 390 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

(1) Shri Kirpal Singh S/o Shri Hazara Singh, V. Manakpur Tehsil Rajpura, Distt. Patiala. (Transferor)

Shri Dayal Singh S/o Shu Ram Partap,
 V. Behlana, U.T. Chandigarh.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/63/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 16 K 1 M being 1/6th share of 96 K 7 M situated at Village Behlana, U.T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanal I Marla situated in village Behlana, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 352 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandi-

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhíana.

Date: 19th February 1980

Seal:

garh.)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/101/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1707, Sector 34-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigath in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gurdaa Singh Ahluwalia S/o Shri Kishan Singh Through spl. power of attorney Smt. Santosh Chopra w/o Shri P. R. Chopra, R/o H. No. 424, Sector 29-A, Chandigarh.
   (Transferor)
- (2) Shri P. R. Chopra S/o Shri D. R. Chopra, R/o H. No. 424, Sector 29-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1707 situated in Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registration deed No. 516 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/69/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1571, Sector 36-D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-486/GI/79

- (1) Lt. Col. Harjit Singh Grewal S/o Shri Bishan Singh R/o H. No. B-XX-833/1, Opp. Gurdey Nægar, Ludhiana through Shri Satish Kumar Saini S/o Shri Vidya Parkash Saini, R/o H. No.1828, Sector 34-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Harinderjit Singh Kohli S/o Shri Gursharan Singh, R/o H. No. 2171, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1571 situated in Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 379 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiann.

Date: 19th February 1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/94/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1628, Sector 34-D situated at Chandigarh tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

(1) Major Prithipal Singh Ghai S/o Lt. Conl. Raghbir Singh Ghai, R/o H. No. 453, Model Town, Ludhiana through his special attorney Shri Satish Kumar Saini S/o Shri Vidya Parkash Saini, C/o Architects Atelier, S.C.O. No. 8, Sector 17E, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajinder Saini w/o Shri Satish Kumar Saini, Resident of House No. 1828, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1628 Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 494 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19th February 1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

No. CHD/110/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Residential Plot No. 2514, Sector 35C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the tranfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Wing. Commr. Gursewak Singh Sidhu S/o Shri Kehar Singh through his special attorncy Mrs. Gurdip Kaur wife of Sardar Raghbir Singh resident of house No. 57, Sector 5-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sardar Harbans Singh S/o Late Sh. Ganga Singh (ii) Smt. Harbans Kaur d/o Shri Sadaram Singh (iii) Bimaljit d/o Sardar Harbans Singh, all r/o Hira Cold Storage, Ropar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2514, Sector 35C, Chandigarh. (The property as mentioned in sale deed No. 565 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/104/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1703, Sector 33D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major N. N. Sehgal S/o Shri Janaki Nath Sehgal, 50, Jodhpur Hostel, New Delhi.

  (Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Kulwant Singh, 3217, Sector 35D, Chandigarh. (Transfere'e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1703, Sector 33D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 551 of June 1979 of the Registering Authority at Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 4th February 1980 -

Ref. No. LDH/R/106/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl land measuring 11 kanals situated at Vill. Jugiana Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bag Singh s/o Sh. Gian Singh s/o, Sh. Bagel Singh resident of Vill. Jugiana Teh, & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Bee S. Industry through Sh. Brij Gopal, G. T. Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals situated at Vill. Jugiana Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2618 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

(1) Shri Bishan Singh S/o Shri Anokh Singh, R/o V. Safedipur, Teh. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Gucharan Singh, Gurnam Singh Ss/o Sh. Kaka Singh, R/o V. Daunkalan, Tehsil Patiala. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

SIONER OF INCOME-TAX

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. PTA/113/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

No. Agricultural land measuring 23 B-18B situated at in Vill. Safedipur, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration

Rs. 25,000/- and bearing

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 23B-18B situated in V-Safedipur, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 1547 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/78/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural I and measuring 128 Bighas 5 Biswas situated at Vill. Ajmali Teh. Sirhind

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Sh. Kartor Singh s/o Sh. Mehan Singh r/o Vill. Ajmali Teh. Sirbind.

(Transferor)

(2) S/Sh. Haidev Singh, Baldev Singh, Sukhdev Singh & Randhir Singh ss/o Kartar Singh s/o Sh. Harnam Singh s/o Vill. Kukkar Majra, Teh, Amlok (Patiala). (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 12-5B situated in Vill. Ajmali, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1023 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGF, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Rcf. No. LDH/R/108/79-80,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 8 kanal 31 marlas situated at Vill, Jugiana Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bag Singh s/o Sh. Gian Singh s/o Sh. Bagel Singh resident of Jugiana, Teheil Ludhiana.

  (Transferor)
- (2) Shri Annupal s/o Sh. Satya Parkash & Sh. Narinder s/o Sh. Hans Raj residents of Jugiana. Smt. Usha Rani w/o Shri Gian Chand S/o Sh. Ram Sarup, resident of Jugiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 kanals 34 marlas situated at Vill, Jugiana Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2724 of fune, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/78/79-80.—Whereas, I, SNKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot

No. Plot No. 3592, Sector 35-D, Defence Colony, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandlgarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-486GI/79

- (1) Shri Abdul Aziz, (Washerman) s/o Shri Babu Khan, resident of V. & P.O. Burail, Chandigarh through special power of Attorney Shri Sital Dass Popli S/o Sh. Chander Bhan r/o 2748/Sector 22C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Krishana Popli w/o Shri Sital Dass Popli, R/o H. No. 3592/35D, Chandigarh.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered plot No. 3593, Sector 35-D, Defence Colony, Chandigarh.

(The property as mentioned in registration deed No 410 of June, 1979 of Sub-Registrer, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SNM/33/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural I and measuring 61 Kanals 16 Marlas situated at Vill. Khandebad, Tehsil Sunam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sunam in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bakhtaur Singh s/o Sh. Baru Singh s/o Bir Singh & Sh. Gujjar Singh s/o Sh. Arur Singh r/o Pinjpura Tehsil Narwana (Haryana) Self & General Attorney of Sh. Sadhu Singh, Raunak Singh, Gajjan Singh, Santi, Gaj Kaur Sahadi, Har Kaur, Kakka Singh Nika Singh, Mehtab Kaur, Punjab Kaur, & Jai Kaur of Vill. Khandebad, Now at Vill. Pinjpura Teh. Narwana (Haryana).
- (2) S/Sh. Gurbachan Singh, Kaka Singh, Nanak Singh ss/o Sh. Sucha Singh, Vill. Khandebad, Teh. Sunam. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 61 kanals 16 marlas situated at Vill. Khandebad, Teh. Sunem.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1950 of June, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/114/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 24 bigha 2 biswas, situated at Village Bhari Pancchan Teh. Nabha

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh s/o Shri Ishar Singh resident of Bhari Panechan, Tehsil Nabha,

(Transferor)

(2) S/Sh. Thakur Singh & Charan Singh ss/o Sh. Mukhtiar Singh residents of Bhari Panechan, Teh. Nabha, Dist. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 24 bigha 2 biswas situated at Vill. Bhari Panechan, Tchsil Nabha. Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1137 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

PART III - SEC. 1

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Sh. Kuldip Singh, Balbir Singh, Bharpur Singh ••/o Smt. Dalip Kaur w/o Sh. Kartar Singh r/o Vill Thuhi, Teh, Nabha.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Sh. Surjan Singh, Vill. Thuhi, Teh. Nabha.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/100/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural Land measuring 11B15B, situated at Vill-Thuhi, Teh. Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 11B15B situated in Vill. Thuhi Distt. Patiala, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1048 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANEG, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/175/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land measuring 1-73-68 Hector (20-21 Bighas) situated at Village Raipur Tehsil Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manualy:—

(1) Shri Basant Singh S/o Atru, R/o Village Raipur, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagir Singh, Mohinder Singh Balwant Singh 88/0 Shri Sampuran Singh R/0 Village Raipur, Tehail-Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 1-73-68 (i.e. 20-21 Bighas) situated in Village Raipur, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2244/ of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANEG, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTR/22/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 131 kanal 16 marla situated at Vill. Chungara S. Teh. Patran Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property gy the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Amarjit Singh, Jagdev Singh, Labh Singh, Gurbinder Singh ss/o Sh. Joginder Singh, Dev Kaur, Baldev Kaur, Harcharan Kaur, Harminder Kaur d/o Sh. Joginder Singh, Dalip Kaur, Gurnam Kaur wd/o Sh. Joginder Singh, Nachhatar Kaur d/o Pritam Singh, Harnarain Singh s/o Pritam Singh & Beant Singh s/o Pritam Singh Self & General Attorney of Smt. Pawittar Kaur, Sukhpal Kaur ds/o Shri Pritam Singh & Tej Kaur wd/o Shri Pritam Singh all rs/o Vill. Chungara S. Teh. Patran Distt. Patiala.
- (Transferor)

  (1) Sh. Karnail Singh s/o Sh. Chand Singh Smt, Tej

  Kaur wd/o Shri Chand Singh r/o Village Chungara

  S. Teh Patran.
- (3) Shri, Karanil Singh s/o Shri Chand Singh r/o Village Chungara, s. Teh. Patran Distt. Patiala

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 131 kanal 16 marla situated in Vill. Chungara Teh. Patran.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 797 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. AML/56/79-80.—Whereas I, SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.

Land 11 bighas 4 biswas

situated at V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Amloh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Nachhattar Singh, Harnek Singh ss/o and Nachhatar Kaur d/o Smt. Mohinder Kaur wd/o Shri Gurdial Singh r/o Vill. Kakar Majra, Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Jarnail Singh Ss/o Shri Karora Singh, Kulwant Singh, Baljit Singh, Gurnam Singh Ss/o Sh. Gurbachan Singh resident of V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 4 biswas at Kuhar Majra, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in sale deed No. 562 of June, 1979 of the Registering Authority at Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. AML/72/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 Biswas

situated at Vill, Nasrali S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Naurata Singh s/o Shri Rulia Singh r/o Vir. Nasrali S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) 1. M/s V. P. Steel Sales, Mandi Govindgarh through
Sh. Faquir Chand s/o Sh. Naurata Ram r/o
Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh.
2. Shri Om Parkash s/o Sh. Jagan Nath r/o
Mandi Gobindgarh.
3. Shri Ram Lubhya s/o Rakha Ram c/o Punjab
National Bank Sirhind.
4. Shri Romesh Kumar Jain s/o Shri Lal Chand
fain.
5. Smt. Nirmala Rani w/o Sh. Romesh Kumar Jain
c/o Bajran Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

The land measuring 16 Biswa situated in Vill. Nasrali S. Teh. Amloh Distt. Patlala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 732 of June, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. Raj/68/79-80.-Whereas 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. Land measuring 16B 12B situated at Vill. Moja Ajror Teh. Rajpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajpura in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-33-486GI/7

(1) Shri Kahan Singh s/o Shri, Gulab Singh r/o H. No. 5501, Niklson Road, Ambala Cantt, Self and General Attorney of Sh. Attar Singh & Kirpal Singh sons and Parwati and Budhwati ds/o Shri. Gulub Singh r/o Moja Ajror Teh. Rajpura Singh r/o Moja Ajror (Patiala). (Transferor)

(2) Shri Bhag Singh s/o Fauja Singh & Dial Singh s/o Shri Bhag Singh r/o Moja Ajror Teh. Rajpura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, Land measuring 16B 12B situated in Vill, Moja Ajror Teh. Rajpura. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1435 of June, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/76/79-80.- Whereas J. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Godown No. 182, Grain Market Sector 26,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Kidar Nath Sharma & Sons ibrough (i) Shri Kidar Nath Sharma s'o Shri Madho Ram (ii) Shri Vinod Kumar & (iii) Shri Sham Sunder ss/o Shri Kidat Nath Sharma, r/o II. No. 229, Sec. 9. Chandragath.

(Transferor)

 Smt. Nirmala Devi Gupta w/o Shri. Ved Parkash, Karyana Merchant Tandooran Bazar, Ambala City (Haryana).

(Transferee)

(3) 1. Shri Bhim Singh, Partner M.s Sat Parkash Laj Pat Rai No. 182, Grain market, Sector 26, Chandigarh
2. M/s Sat Parkash, Laj Pat Rai 182, Sector 26, Chandigarh

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown No. 182 situated in Grain Market, Sector 26, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 406 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandleurh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

-\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDIHANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/106/79-80.---Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1444 situated in Sector 32 C. situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent con-ideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and 1

have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Capt Hoshiar Singh Yadav s/o Shri Rati Ram r/o V. Nawada Fateh Pur Teh & Distt Gurgaon through Smt. Mohan Kaur w/o Sh. Harbans Singh resident of 1444, Sec. 34-C, Chandigarh. (Attorney). (Transferor)
- (2) Master Paramjit Singh (M) 5/0 S. Harbans Singh through his father & N/G sh. Harbans Singh, 1444, Sector 34-C, Chandigarh.

  (Transferee)
- (3) Station Commander M.E.S. r/o H. No. 1444, Sector 34-C, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1444 situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 555 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhians

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/66/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. Land measuring 20B6B situated at Vill. Bishan Garh Teh. Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)Shri Jagat Singh s/o Shri, Gujjar Singh, r/o Vill. Bishan Garh Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh, Chamkaur Singh, Piara Singh ss/o S. Gurdial Singh & Gurcharan Singh s/o Gurnam Singh and Jhujhar Singh s/o Shri Hardial Singh r/o Vill. Ghaiwal Teh. Nabha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 20B6B situated in Vill. Bishangarh Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 738 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/116/79-80.—Whereas J. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to us the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl, land measuring 21 Bighas situated at V. Mandaur, Teh. Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Amar Kaur W/o Shri Kirpal Singh, Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Zora Singh r/o Vill. Dandrala Dhindsa & Surjit Kaur W/o Shri Atm: Singh, Vill. Todarwal, Teh. Nabha.

  (Transferor)
- (2) Shri Gurmail Singh. Ranjit Singh Harjit Singh ss. o. Sh. Mohinder Singh r/o V. Mandaur, Teh. Nabha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 21 Bighas situated in Vill. Mandaur, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in sale deed No. 1146 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHANG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/R/107/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha 10 biswas 13 biswasi situated at Vill. Jugiana Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bagh Singh s/o Shri Gian Singh resident of Vill, Jugiana Tehsil Ludhiana.
  (Transferor)
- (2) M/s Gupta Enterprises B-VI Textile Colony, Ludhiana. Smt. Sushma W/o Sh. Siya Ram S/o Sh. Nathu Ram, resident of Jugiana.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

l and measuring 1 bigha 10 biswas 12 biswasi at Vill. Jugiana Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2682 of Iune, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKIIDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/105/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 7B-17B situated at V. Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Sarup Singh S/o Sh. Anand Sarup Singh R/o Village Alipur Arayian, Teh. Patiala. Now r/oPuri Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Nachhatar Kaur W/o Shri Gurdial Singh R/o Village Nananwala, Tehsil Ambala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 7B-17B situated in V. Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1472 of June, 1979 of the Registering Authority at Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

#### FORM ITN9 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/176/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 47 B16 Biswa situated at Vill. Sher Majr Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Bir Singh r/o Vill. Sher Majra Teh. Patiala.
  - (Transferor)
- (2) Shri Gurbaksh Singh s/o Bir Singh r/o Vill, Sher Majra Tch. Patiala.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 47 B16B situated in Vill. Sher Majra Teh Patiala.

(The property described in the Registered Deed No. 2257 of June, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/110179-80,-Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Measuring 6B 5B in V. Alipur Aryian, situated at V. Alipur Arayian, Tehsil Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-486G1/79

- (1) Shri Mohan Sarup Singh S/o Shri Anand Sarup R/o V. Alipur Arayian, Tehsil Patiala.
  (Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh S/o Sh. Tek Singh R/o Distt. Transport Officer, Patiala.

  (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 6B-5B situated in Vill. Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 1525 of June, 1979 of the Registering Authority at Patiala.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/186/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Land 7B-4B situated at village Alipur Arayian, Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income acting from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Pritam Singh S/o Shri Punjab Singh, r/o Vill. Alipur Arayian, Teh. Putlala.
  - (Transferor)
- (2) Shri Balkar Singh S/o Shri Teja Singh, r/o village Alipur-Arayian, Tehsil Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 7B-4B situated in Vill. Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in Regd. Deed No. 2362 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/115/79-80.—Whereas I, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 3030 situated at Sec. 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consi deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1)Dr. E. Major Sohan Singh S/o Shri Bhagat Singh through Sh. Inder Jeet Malhotra s/o Sh. Ladha Ram Malhotra r/o The Nest near Lady Reading Hospital Simla-I as substitute General Attorney of Sh. Bakh-shish Singh s/o S. Hazara Singh r/o 341, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Sint. Raj Malhotra w. o Sh. Inderjit Malhotra
   The Nest, Near Lady Reading Hospital, Simla-I.
   (3) Shri C. P. Bali of State Bank of India and Shri
- A. S. Chawal R/o H. No. 3030, Sector 35D, Chandigarh.
- (Person in occupation of the property). Shmt. Sukhbir Kaur W/o Shri Bakhshish Singh, 341, Indl. Area, Chandigarh (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3030 situated at Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 596 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Soal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. DHR/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, measuring 48 K-3M situated at V. Harike

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhuri in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurdev Kaur Wd/o Shri Maghar Singh S/o Sh. Mal Singh, Village Harikey C/o Shri Harnek Singh S/o Sh. Natha Singh, V. Pakho Kalan (Barnala) and Shri Karnail Singh S/o Shri Kartar Singh, V. Kaleke.
- (Transferor)
  (2) S/Shri Malkiat Singh, Dalip Singh ss/o Shri Harnam Singh s/o Shri Pal Singh, Jat Sikh, V. Harikey and Shri Gurcharan Singh, Avtar Singh Ss/o Sh. Joginder Singh s/o Shri Bhan Singh Sohi, Maghar Singh S/o Gurvex Singh S/o Pritam Singh, r/o Sultanpur (Dhuri).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 48 K-3M situated at V. Harikey (Dhuri)

(The property as mentioned in the sale deed No. 1868 of June, 1979 of the Registering Authority at Dhuri).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. DHR/37/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Landmeasuring 0-67-28 situated at Village Harike (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dhuri in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kurnam Kaur W/o Shri Harnam Singh r/o V. Thuliwal and Shri Karnail Singh S/o Shri Kartar Singh and Harnek Singh S/o Shri Natha Singh of village Pakho Kalan.

(Transferor)

(2) S/Shri Pritam Singh, Mukand Singh, Gurdial Singh, Hira Singh, Dalip Singh ss/o Shri Jeewan Singh r/o Village Didargarh. (Dhuri)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 0-67-28 situated in V. Harike
(The property as mentioned in sale deed No. 1846 of June, 1979 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. DHR/38/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I and H-o-65R-OS

situated at Vill. Herika Teh. Dhuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secuen 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurdev Kaur wd/o Shri Maghar Singh s/o Shri Mal Singh through General Attorney Shri Karnail Singh s/o Shri Kartar Singh village Kalke. Shri, Harnek Singh s/o Shri Nath Singh r/o Pakhokalan (Barnala).

(Transferor)

(2) S/Shri Pritam Singh, Mukand Singh, Gurdial Singh, Avtar Singh, Dalip Singh ss/o Sh. Jewan Singh V. Dedargarh (Dhuri).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land-65K-OS situated in Vill. Heka Teh. Dhuri. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1848 of June, 1979 of the Registering Authority, Dhuri.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Scal ;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Judhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/162/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 14 Biswa situated at Narula colony

Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer nt Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor te pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Swaranjit Singh S/o Sh. Kartar Singh, General Attorney of Shri Gopal S/o Shri Badru R/o Bharpur Colony, Patiala,

(Transferor)

(2) Shrimati Avnash Rani W/o Shri Tilak Raj Tandon, R/o 17/56, Raghomajra, Prect Gali, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 14 Biswa situated in Narula Colony Patiala (The property as mentioned in sale Deed No. 2040 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/163/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 15 Bigha 15/2 Biswa situated at V. Ablowal, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritipal Singh s/o Shri Bhan Singh, General Attorney of Pritam Kaur, Satwant Kaur. Bipanjit Kaur ds/o Shri. Bhan Singh, r/o V. Ablowal, Tch. Patiala.

(Transferor)

 Shri Shiv Dev Singh S/o Shri Teja Singh, r/o V. Bassi, Tchsil Patlala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr!, land measuring 15 bigha 15½ biswa situated in V. Ablowal, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2065 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/172/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land measuring 18 Bikhas 15 Biswas situated at Village Ablowal, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:—

(1) Smt. Satwant Kaur W/o Capt. Hardaljit Singh Sidhu through General Attorney Sh. Prithipal Singh S/o Shri Bhan Singh, R/o V. Ablowal now Forest Circle Office, Opp. Central Jail, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Mangal Singh S/o Shri Maghar Singh, Pharni House. Bassi Pathana, Distt. Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated in Village Ablowal, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 2161 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

Scal:

35-486GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/164/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land measuring 6 bighas 3 biswas situated at V. Ablowal, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unde rsub-secsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pritam Kaur, Satwant Kaur, Bipanjit Kaur Ds/o Shri Bhan Singh, r/o V. Ablowal, Teh. Patiala through their General Attorney Shri Prithipal Singh S to Shri Bhan Singh r/o V. Ablowal, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh S/o Shri Uttam Singh, R/o Narain Garh, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said roperty may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 6 bighas 3 biswas situated in V. Ablowal, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2077 of June, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Bipinjit aur W/o Capt. Narinderjit Singh through General Attorney Sh. Prithipal Singh S/o Shri Bhan Grawal Singh R/o Forest Circle office, opp. central Jail. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Shri Mangal Singh V. Jaipura, S. Tehsil Payal, Distt. Ludhiana. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/167/79-80,—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the having a immovable property fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated at V. Ablowal, Teh Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 )of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated in V. Ablowal, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 2128 of June, 1979 of the Registering Authority Patiala.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(11 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/97/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House No. 3, Sector 15A situated at Chandingarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbaksh Singh S/o Shri Teja Singh, Prop. Punjab Photo Studio, Paona Bazar, Imphal. (Manipur).

(Transferor)

- (2) Smt. Viran Devi W/o Shri Dharam Chand Chawla, resident of House No. 3, Sector 15A, Chandigarh. (Transferce)
- (3) 1. M/s Texla Printing Press, Prop. Shri Tarlochan Singh,
  2. M/s Amur Deep Type College, Prop. Mrs. Sukhdev Kaur r/o H. No. 3, Sector 15A, Chandigarh.
  (Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 3, Sector 15-A. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 498 of 6/79 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

#### CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Rcf. No. CHD/98/79-80.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Plot No. 125, with structure and building situated at Industrial Area, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Shri Suresh Kumar s/o Shri Banarsi Dass r/o Amritsar.
  - 2. Shri Anil Kumar s/o Shri Brahma Nand τ/o Amritsar
  - 3. Shri Tirath Ram s/o Shri Banarsi Dass r/o Moga.
  - 4. Shri Jagdish Chander s/o Shri Sant Lal
  - 5. Shri Krishan Kumar Bansal s/o Shri Sant Lal Bansal
  - 6. Smt. Sushila Devi w/o Shri Subhash Chander all three through General Attorney Shri Sant Lal s/o Lt. Shri L. Sarna Mal r/o Vill. Patliputra Colony,
  - Dist. Patna (Bihar)
    7. M/s Albe Pharmaceuticuls, 125, Indl. Area Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. M/s K. R. Rice Oil and General Mills, through Shri Surinder Kumar s/o Shri Kishori Lal
  - 2. Shri Gian Chand, 3. Shri Tara Chand

  - 4. Nasib Chand
  - s/o Late Kulwant Rai 5 Smt. Tripat Kaur w/o Shri Manjit Singh r/o 125 Industrial Area, Chandigarh.

(Transferce)

(3) M/s K. R. Rice Oil and General Mills, r/o 125, Industrial Area, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building of Industrial Plot No. 125, situated in Industrial Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 499 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHLANA

> CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/133/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd of land measuring 994B-1B situated at V. Faloli, near Punjabi University, Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June/July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Pritam Singh S/o Shri Prabh Singh, r/o Katra Sahib Singh, Patiala.

(Transferor)

- 1. Smt. Surinder Kaur d/o Sh. Gurbax Singh, r/o Model Colony, Yamunanagar, Patiala.
   2. Smt. Balbir Kaur w/o Sh. Kulwant Singh
  - s/o Shri Sunder Singh, r/o Patiala.
  - 3. Smt. Surjit Mahajan d/o Sh. Bodh Raj Mahajan,
  - r/o Sadar Bazar, Patiala. 4. Smt. Krishna Kumari d/o Sh. Hari Ram Chawla, r/o Rajpura Colony, Patiala.
    5. Smt. Swaran Kaur d/o Sh. Rachhpal Singh
  - d/o Shri Jiwan Singh, Shri Jiwan Singh, r/o Lehal, Patiala.
  - Smt. Mohinder Kaur d/o Sh. Ram Singh Saluja, Advocate, Distt. Courts, Patiala.
     Smt. Pritpal Kaur w/o Sh. Charanjit Singh,
  - S/o Shri Bhagwan Singh r/o Lehal Patiala.
  - 8. Smt. Harbax Kaur urf Manjit Kaur w/o Shri Hargopal Singh d/o Shri Bhagwan Singh r/o Lehal, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1/3rd of 994B-1B at V. Faloli near Pun-

jabi University, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1758 of June/July, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND, Competent Authorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

(1) Shri Kapur Chand S/o Shri Bhag Mal r/o 13/27-B, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/75/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

½ share in S.C.F. No. 18, Sector 19D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Joginder Pal Khanna s/o Lt. Shri Tulsi Ram Khanna, r/o S.C.F. No. 18, Sector 19B, Chandigarh, (Transferee)
- (3) Shri J. P. Khanna Prop.
  M/s Appollo studio, sector 19-D,
  Chandigarh.

  [Parson in occupation of the

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3 share in S.C.F. No. 18, Sector 19D at Chandigarh. (The property as mentioned in sale deed No. 405 of June, 1979 of the Registering Authority at Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/74/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 25,000/and bearing No.

½ share in S.C.F. No. 18, Sector 19D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shi Kailash Chand
 S/o Shri Bhag Mal
 1/o 13/27-B, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Joginder Pal Khanna s/o Lt. Shri Tulsi Ram Khanna, r/o S.C.F. No. 18, Sector 19D, Chandigarh. (Transferee)
- Shri J. P. Khanna Prop. M/s Appollo studio, sector 19-D, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1 share in S.C.F. No. 18, Sector 19D at Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 404 of June, 1979 of the Registering Authority at Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/85/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 114 Sector 15-A situated at Chandigarh

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamlesh Kumari Soni
wd/o Shri Ram Sarup Soni
S/Shri Vijay Kumar, Shamsher Kumar Soni
Anil Kumar & Sunil Soni
all ss/o Lt. Ram Sarup
through Smt. Kamlesh Kumari Soni as Attorney &
Shri Rajiv Soni (M) ss/o Sh. Ram Sarup Soni
through his mother & N/G Smt. Kamlesh Kumari
Soni residents of Shorian Street, Near Jallookhana,
Kapurthala.

(Transferors)

(2) Shri Inderjit Gupta s/o Shri Brij Lal & Smt. Vimla Kumari w/o Shri Inder Jeet Gupta r/o 2194, Sector 15-C, Chandigarh now resident in H. No. 114/15-A, Chandigarh. (Transferces)

(3) 1. Shri K. H. Subramanium
 r/o H. No. 114-15A Chandigarh,
 2. Shri Sham Salona

r/o H. No. 114-15A Chandigarh.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 114 situated in Sector 15-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale decd No. 440 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/258/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 136-L-R situated at Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Vidya Rattan Beri, Parmathanath Beri & Subhash Chander Beri Ss/o Shri Guru Dass Beri s/o Shri Dewan Chand Beri, r/o 136 LGR Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh s/o Shri Jagir Singh & Shri Darshan Singh s/o Shri Santokh Singh r/o 414, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kothi No. 136-L-R, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2109 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhlana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. PTA/185/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 22-D. Model Town situated at Patiala

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sant Kaur W/o Shri Gurbax Singh, Barra Bazar, Harrison Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sant Kaur W/o Shri Karnail Singh,
 R/o Baghrian, Teh. Malerkotla,
 IH. No. 22-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

 Shri Sham Lal, Shopkeeper, H. No. 22-D, Model Town, Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 22-D, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale Deed No. 2361 of June, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th Feb. 1980